CMYK

अधिकतम : 19°C
न्यूनतम : 09°C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

लखनऊ, बुधवार 11 फरवरी 2026 लखनऊ संस्करण: वर्ष 17 अंक 97 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | फाल्गुन कृष्ण पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2082 | 22 शाबान 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

विदेशी निर्भरता से किसान बर्बाद, भाजपा किसान विरोधी : अखिलेश पेज 2

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार का फैसला लिया वापस खेल टाइम्स

मूलभूत विज्ञान की सबसे बड़ी भूमिका सम्पादकीय

शबाना महमूद होंगी ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री ! पेज 12

संक्षिप्त समाचार

अब एआई-जनित सामग्री की देनी होगी स्पष्ट जानकारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि ये प्लेटफॉर्म एआई-जनित सामग्री पर स्पष्ट रूप से लेबल (वाटरमार्क) लगाएं। ऐसी सामग्री में पहचान के लिए संकेत जरूर होने चाहिए। सरकार ने कहा कि एक बार एआई लेबल या मेटा डाटा लगाने के बाद उसे हटाया या दबाया नहीं जा सकता। सरकार ने कहा कि अब मानव निर्मित या कृत्रिम रूप से बनाई गई जानकारी को स्पष्ट रूप से पहचान योग्य लेबल के साथ दिखाना अनिवार्य होगा। इसमें ऑडियो, वीडियो, फोटो या ग्राफिक सहित किसी भी डिजिटल सामग्री को शामिल किया गया है, जिसे कंप्यूटर या किसी संसाधन से बनाया गया, संशोधित किया गया या बदला गया हो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी यूजर ऐसी सामग्री का गलत इस्तेमाल न करे। अगर कोई यूजर गैरकानूनी, अश्लील, धोखाधड़ी या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री बनाए या साझा करे, तो प्लेटफॉर्म्स उसे रोकने के लिए स्वचालित तकनीक का इस्तेमाल करेंगे।

दिल्ली में एक्यूआई 267 के साथ खराब श्रेणी में पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 267 के साथ 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। राजधानी के कई हिस्सों में मंगलवार सुबह धुंध की एक परत दिखाई दे रही थी, जबकि आनंद विहार, बवाना और नरेला जैसे इलाकों में एक्यूआई 'बहुत खराब' बताया गया, जिससे सेहत को लेकर नई चिंताएं बढ़ गईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के मुताबिक मंगलवार सुबह एक्यूआई सोमवार की 206 से काफी ज्यादा था। सुबह करीब सात बजे, दिल्ली का औसत एक्यूआई 267 था। सबसे ज्यादा प्रभावित जगहों में, आनंद विहार में एक्यूआई 317 दर्ज किया गया, जबकि बवाना में 333 रिकॉर्ड किया गया और यह राजधानी के सबसे वायु प्रदूषित इलाके हैं।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं। हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी। उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई-एम व सीपीआई के नेताओं ने याचिका की दायर

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई-एम और सीपीआई के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा, यही है असली बीजेपी, सामूहिक हत्यारे

■ यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी

कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा कि यही है असली बीजेपी: सामूहिक हत्यारे। यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी। उन्होंने पूछा कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वीडियो वायरल होने के बाद संगठन के प्रभारी कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर बीजेपी की आलोचना की।

वेणुगोपाल ने एक्स पर कहा कि एक आधिकारिक बीजेपी हैंडल ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अल्पसंख्यकों की टारगेटेड, प्वाइंट-ब्लैंक हत्या दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में 4 से 5 लाख मियां मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि हिमंता बिस्व सरमा और भाजपा सीधे तौर पर मियां समुदाय के खिलाफ हैं। उन्होंने लोगों से मियां समुदाय को परेशान करने की अपील की। उनका कहना था कि जब तक उन्हें परेशानी नहीं होगी, वे असम नहीं छोड़ेंगे। मियां बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक अपमानजनक शब्द है। असम सीएम के मुताबिक वे मूल निवासियों के संसाधनों, नौकरियों और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। तिनसुकिया जिले के डिगबोई में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से सरमा ने कहा वोट चोरी का मतलब यह है कि हम कुछ मिया वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं। आदर्श रूप से उन्हें असम में वोट डालने की अनुमति नहीं होनी चाहिए, बल्कि बांग्लादेश में वोट देना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर, लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या 99

प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला, नौ मार्च को चर्चा की संभावना

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए उनके खिलाफ कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार नोटिस लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया है। नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या 99 है। विपक्ष के लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध दायर इस अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में लगाए गए आरोपों की जांच होगी। नियमों के अनुसार जांच प्रक्रिया के बाद इस नोटिस पर आगे की कार्यवाही को लेकर सचिवालय विचार करेगा। सूत्रों के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस श्री बिरला को पद से हटाने के लिए अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया है। उन पर आरोप लगाया गया है कि वह सदन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं। नोटिस में कहा गया है कि वह सत्ता पक्ष के सदस्यों को पर्याप्त समय सदन में बोलने का देते हैं, जबकि विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने का मौका तक नहीं दिया जाता है और बार-बार और अनावश्यक रूप से उन्हें रोका तथा टोका जाता है। इसमें दो -शेष पृष्ठ दो पर

अविश्वास प्रस्ताव में हुई बड़ी चूक

2026 की जगह लिखा 2025

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्ष की कोशिश उस समय अटक गई, जब प्रस्ताव के नोटिस में तकनीकी खामियां पाई गईं। नोटिस में वर्ष 2026 की जगह बार-बार 2025 लिखा गया था, जिसे गंभीर प्रक्रियागत चूक माना गया। इसके बाद कांग्रेस को संशोधित नोटिस के साथ प्रस्ताव दोबारा जमा करना पड़ा। प्रक्रियागत नियमों के अनुसार, ऐसे किसी भी प्रस्ताव में सभी जानकारियों का सटीक और तथ्यात्मक रूप से सही होना अनिवार्य होता है। साल की गलती सामने आने के बाद नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया, जिससे विपक्ष को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। यह मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि हाल ही में तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए एक प्रस्ताव को भी तकनीकी कारणों से खारिज कर दिया गया था।

पेंगिवन रैंडम हाउस ने कहा: अभी प्रकाशित नहीं हुई नरवणे की किताब

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में चल रहे जनरल मनोज नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स टॉफ डेस्टिनी' से जुड़े विवाद के बीच पुस्तक के प्रकाशक पेंगिवन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि उसके पास इस किताब के प्रकाशन अधिकार हैं और उसने अब तक इसे किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं किया है।

प्रकाशक ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि जनरल नरवणे का संस्मरण डिजिटल रूप या प्रिंट रूप में न तो जनता के सामने रिलीज़ किया गया है, न बेचा गया है और न ही वितरित किया गया है। पीआरएचआई ने चेतावनी दी कि किताब का प्रिंट या पीडीएफ स्वरूप साझा करना उसके कॉपीराइट का उल्लंघन होगा। प्रकाशक ने कहा कि वह बिना इजाज़त के इस पुस्तक का वितरण करने वालों के खिलाफ़ उचित कानूनी कार्रवाई करेगा। बयान में कहा गया कि अपनी स्थिति साफ करने के लिए स्पष्टीकरण रिकॉर्ड में रखा जा रहा है। यह विवाद पिछले हफ्ते तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा लेते हुए अपने भाषण के -शेष पृष्ठ दो पर

किताब पर जनरल नरवणे की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में गतिरोध जारी है। इसी बीच पूर्व सेना प्रमुख ने विवाद पर विराम लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किताब से संबंधित प्रकाशक पेंगिवन रैंडम हाउस इंडिया के आधिकारिक बयान को रीपोस्ट किया। इससे पहले प्रकाशन ने कहा था कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति मुद्रित या डिजिटल रूप में प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है।

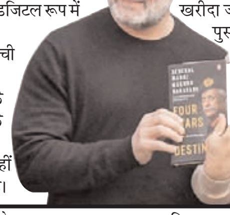

मुझे लगता है जनरल नरवणे सही बोल रहे हैं : राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा है कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के प्रकाशन को लेकर भ्रम की जो स्थिति सामने आई है उसमें सही वही लगता है जो जनरल नरवणे कह रहे हैं। श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि पूर्व सेना प्रमुख कहते हैं कि किताब छपी है और इसे ऑफलाइन खरीदा जा सकता है जबकि पुस्तक के प्रकाशक पेंगिवन इसके प्रकाशन से इन्कार करता है। दुविधा की इस स्थिति में उन्हें लगा है कि पूर्व सेना प्रमुख सही बोल रहे हैं।

सम्भल प्रकरण: एएसपी अनुज चौधरी को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत

■ कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर को भी मिली राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल की सीजेएम अदालत द्वारा एएसपी अनुज चौधरी समेत पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने तत्कालीन कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर को भी राहत प्रदान की है।

न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने 9 जनवरी को पारित संभल सीजेएम न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हुए शिकायतकर्ता यामीन से दोनों याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई पांच सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि संभल के सीजेएम विभांशु सुधीर ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत एएसपी अनुज चौधरी सहित 20 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था।

असम में फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित, 2.43 लाख नाम कटे

■ राज्य में अब 2.49 करोड़ वोटर्स, असम में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं

गुवाहाटी। चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी।

ईसी के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं। स्पेशल रिवीजन की इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 27 दिसम्बर 2025 को पब्लिश हुई थी। इस पर 27 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां करने का समय था। असम की 126 विधानसभा सीटों पर अगले तीन महीनों में चुनाव होने हैं। असमें 22 नवम्बर से 20 दिसम्बर 2025 तक पूरे राज्य में घर-घर (एच2एच) वेरिफिकेशन अभियान चलाया गया था। इससे पहले चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की टाइमलाइन में बदलाव करते हुए फाइनल पब्लिकेशन की तारीख 14 फरवरी 2026 तक बढ़ा दी थी।

मथुरा में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ प्रारंभिक जांच में मामला 'हत्या के बाद आत्महत्या' का प्रतीत हो रहा : एसएसपी

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के महावन क्षेत्र स्थित खप्परपुर गांव में मंगलवार को एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में उनके घर से बरामद होने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान किसान मनीष, उनकी पत्नी सीमा और उनके तीन बच्चों के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुबह काफी देर तक घर से कोई बाहर नहीं निकला तो मनीष के भाई सुधीर को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया और कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर बेड पर मां और दो बच्चों के शव पड़े थे, एक बेटी का शव चारपाई पर मिला, जबकि मनीष का शव फर्श पर पड़ा था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला 'हत्या के बाद आत्महत्या' का प्रतीत हो रहा है। पुलिस के अनुसार आशंका है कि मनीष ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर सोते हुए तीनों बच्चों का गला घोंट दिया और अंत में स्वयं करंट लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर खून के निशान भी मिले हैं। पुलिस को घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। कमरे की दीवार पर एक सुसाइड नोट लिखा मिला है, जिसमें मनीष और सीमा द्वारा अपनी मर्जी से जान देने की बात कही गई है और पुलिस से किसी को परेशान न करने का अनुरोध किया गया है। एक कागज पर भी कथित सुसाइड नोट मिला है। इसके अलावा मनीष के मोबाइल फोन से 48 सेकंड का एक वीडियो बरामद हुआ है, जिसमें उसने आत्मघाती कदम उठाने की बात कही है। हालांकि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस अन्य संभावित पहलुओं जैसे आपसी रंजिश या अन्य कारणों की भी गंभीरता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूजीसी नियमों ने उलझाई भाजपा की हिंदू एकजुटता की राजनीति

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ नए नियमों ने रणनीति को झटका दिया, उप्र की राजनीति में नई असहजता पैदा कर दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा बीते कुछ समय से हिंदू मतदाताओं को धर्म के आधार पर एकजुट करने की रणनीति पर काम कर रही थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे, तो सेफ रहेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक रहेंगे तो नेक रहेंगे जैसे नारों के जरिये पार्टी जातिगत पहचान से ऊपर उठकर हिंदू वोट बैंक को मजबूत करने का प्रयास कर रही थी। हालांकि, केंद्र सरकार के अधीन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 2026 में जारी नए नियमों ने इस रणनीति को झटका दिया है और प्रदेश की राजनीति में नई असहजता पैदा कर दी है। यूजीसी के नए नियमों में उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव रोकने के उद्देश्य से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान किए गए। लेकिन इन नियमों में फर्जी शिकायतों पर दंड का स्पष्ट प्रावधान न होने से सामान्य वर्ग, खासकर अगड़े समाज में नाराजगी देखने को मिली। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि इन नियमों पर अंतरिम रोक लगा दी है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि तब तक नुकसान हो चुका है। नियमों को लेकर पैदा हुए असंतोष ने एक बार फिर हिंदू समाज के भीतर जातिगत विभाजन को उजागर कर दिया है। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनावी मजबूती ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ और भूमिहार जैसे वर्गों पर टिकी रही है। इन्हें पार्टी का कोर वोटर माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

देश की हवाई पट्टियों पर निगरानी मजबूत करने का निर्देश

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने देश की विभिन्न हवाई पट्टियों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगरानी मजबूत करने का निर्देश दिया है। पिछले दिनों महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती हवाई पट्टी पर हुए विमान हादसे में मौत के मद्देनजर मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम महत्वपूर्ण है। नायडू ने यहां मंगलवार को नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा, नागर विमानन महानिदेशालय में महा. निदेशक फैज अहमद किदवई, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष विपिन कुमार और मंत्रालय तथा डीजीसीए के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक में यह निर्देश दिया।

सेशेल्स के राष्ट्रपति का आगरा दौरा रद्द

आगरा। सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डा. पैट्रिक हर्मिनी का मंगलवार को प्रस्तावित आगरा दौरा रद्द हो गया है। पुरातत्व विभाग के अनुसार राष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ ताजमहल का दीदार करने आगरा आने वाले थे, लेकिन आगमन से ठीक पहले कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं।

पप्पू को बेल, लेकिन जेल में ही रहेंगे

पटना। बिहार के पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने 31 साल पुराने मामले में जमानत दे दी है, लेकिन वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाने से जुड़े मामलों में पप्पू यादव को अभी जमानत नहीं मिली है। इन मामलों में बुधवार को सुनवाई होगी। तब तक पप्पू यादव पटना के बेऊर जेल में ही रहेंगे।

यूपी में दिव्यांग पेंशन तीन गुना बढ़ी

पात्र लाभार्थियों को मिलेगा सीधे लाभ: नरेन्द्र कश्यप

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने मंगलवार को विधान परिषद में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण, पारदर्शिता और समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विभाग की सभी योजनाएं टॉनलाइन, पारदर्शी और दलाल-मुक्त व्यवस्था के तहत संचालित की जा रही हैं, जिससे पात्र लाभार्थियों को सीधे लाभ मिल रहा है। नरेंद्र कश्यप ने सदन को बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचा. लित विशेष विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वर्ष 2011 में चयनित जेटीसी ग्रेड शिक्षकों में से एलटी ग्रेड के 9 रिक्त पदों पर पदोन्नति हेतु 16 जुलाई 2025 को तथा एलटी ग्रेड से प्रवक्ता के 28 पदों के लिए 12 दिसम्बर 2022 को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को अध्याचन भेजा जा चुका है, जिस पर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वितरण कार्यक्रमों में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य है। यदि भविष्य में इस संबंध में कोई शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कश्यप ने बताया कि भारत सरकार के स्वावलंबन पोर्टल के माध्यम से यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा रहे हैं। आकांक्षी जनपद सिद्धार्थनगर में 31 जनवरी 2026 तक 24,414 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14,356 पात्र दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन, 153 लाभार्थियों को कुष्ठावस्था पेंशन तथा 321 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना का लाभ दिया गया है। 31 दिसम्बर 2025 तक कोई भी पात्र लाभार्थी लंबित नहीं है। वर्ष 2017 से पहले दिव्यांग पेंशन मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी, जिसे योगी सरकार ने बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले दिव्यांगजन एकीकृत सामाजिक पेंशन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

देश में रहना है, तो कानून का पालन करना सीखें: योगी

बाराबंकी, वार्ता

■ बाबरी ढांचा फिर से नहीं बनेगा, कानून तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कयामत की कामना करने वालों को अब समझ लेना चाहिए कि न तो कोई कयामत आने वाली है और न ही बाबरी ढांचे का निर्माण फिर कभी होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश में रहना है, तो कायदे से रहना सीखना होगा, क्योंकि कानून का पालन करने वाला ही लाभ में रहता है और कानून तोड़ने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री मंगलवार को दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के दुल्हदेपुर स्थित बाबा हरिशंकर दास की कुटी पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। यह सरकार जितना बोलती है, उतना ही करती है और उतना ही बोलती है जितना करने का संकल्प लेती है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी नहीं बनेगी और सरकार अपनी विरासत को निरंतर सशक्त करती रहेगी। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि 500 वर्षों बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कई सरकारें आईं और गईं, अनेक राजा-महाराजा हुए, लेकिन राम मंदिर का निर्माण नहीं हो सका। आज यह कार्य संपन्न हुआ है। उन्होंने कहा, ष्राम सबके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग अवसरवादी रवैया अपनाते हुए संकट के समय राम को याद करते हैं और शेष समय उन्हें भूल जाते हैं। ऐसे लोगों को अब आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कयामत की प्रतीक्षा करने के बजाय हिदुस्तान में कानून का पालन करना सीखें। कानून मानेंगे तो लाभ में रहेंगे, अन्यथा कानून तोड़ने वालों का भविष्य अंधकारमय होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतवासी का ध्येय 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' होना चाहिए। देश वैभवशाली और विकसित बने, यही सरकार का लक्ष्य है।

प्रदेश ने जमीन से जुड़े और जनजातीय समाज के सशक्त नेताओं को खो दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन में शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने जमीन से जुड़े और जनजातीय समाज के सशक्त नेताओं को खो दिया है, जिनका जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान रहा। फरीदपुर (बरेली) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का निधन 2 जनवरी 2026 को 60 वर्ष की आयु में हुआ। वे दूसरी बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। योगी ने कहा कि प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल मिलनसार स्वभाव के और जमीन से जुड़े जनप्रतिनिधि थे।

खड़गे ने केंद्र पर संप्रभुता, किसानों एवं उद्योग से विश्वासघात का लगाया आरोप

किसानों की पीठ में घोपा गया छुरा: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ जीएम पशु आहार के आयात से देश के दो करोड़ किसानों और पशु धन को नुकसान होगा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिका के साथ हुए समझौते को 'ट्रैप डील' करार दिया और कहा कि इस समझौते की सच्चाई अब धीरे-धीरे सामने आ रही है और यह भारत के रणनीतिक, आर्थिक और कृषि हितों के खिलाफ है।

खड़गे ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स के जरिए आरोप लगाया कि रूसी तेल को लेकर भारत की रणनीतिक मामलों से समझौता किया गया है। उन्होंने इसे देश की संप्रभुता पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि किसानों के 'पीठ में छुरा' घोंपा गया है। पहली बार भारतीय कृषि को विदेशी उत्पादों के लिए पूरी तरह खोला गया है। व्हाइट हाउस के नए दस्तावेज में चुपचाप 'दालों' को शामिल किया गया, जो पहले संयुक्त बयान का हिस्सा नहीं थीं। कांग्रेस अध्यक्ष ने डेयरी क्षेत्र को लेकर भी चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि अमेरिकी आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) पशु आहार के आयात से देश के दो करोड़ दुग्ध किसानों और देशी पशुधन को नुकसान होगा। उन्होंने परिधान उद्योग पर असर का जिक्र करते हुए कहा कि जहां भारत पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क थोपा गया, वहीं बंगलादेश को शून्य शुल्क का लाभ दिया गया। खड़गे ने सवाल किया कि यह जीत है या फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की झूठी लोकप्रियता में लिपटी देशहित की कुर्बानी।

भाजपा सांसद के 'मिनी पाकिस्तान' कहने पर भड़के तृणमूल सदस्य

नई दिल्ली। राज्यसभा में भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य के कोल. काता बंदरगाह के एक हिस्से पर अवैध कब्जे का मुद्दा उठाते हुए उसे 'मिनी पाकिस्तान' कहने पर विपक्षी तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई और सदन के बीचों-बीच आकर नारेबाजी की। प्रश्नकाल शुरू होते ही भट्टाचार्य ने बालागढ़ लॉजिस्टिक्स परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए अंग्रेजी में अपना पूरक प्रश्न पूछा। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के बंगला भाषा में इसका जवाब देते हुए कहा कि यह परियोजना 900 एकड़ में होगी जिसमें कोलकाता के मौजूदा श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह की 300 एकड़ जमीन भी शामिल है।

विदेशी निर्भरता से किसान बर्बाद, भाजपा किसान विरोधी: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि खेती से जुड़ी हर चीज़ विदेश से आएगी तो देश का किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा और अपनी मेहनत की कमाई से परिवार कैसे चलाएगा। मंगलवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर अखिलेश यादव ने कहा कि जब किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा तो वह बच्चों की पढ़ाई, घर के बुजुर्गों का इलाज और बेटियों की शादी जैसे सामाजिक दायित्व कैसे निभा पाएगा। आज का पेट भरना मुश्किल होगा, तो कल के लिए बचत की उम्मीद करना बेमानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को नुकसान पहुंचाकर कोई भी सरकार लंबे समय तक देश नहीं चला सकती। भाजपा सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह विदेशी ताकतों के सामने देश के अन्नदाता के हितों का समर्पण क्यों कर रही है।

भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों के अनुपालन को लेकर सरकार प्रतिबद्ध: केशव मौर्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को विधान परिषद में 2026-27 के बजट सत्र के दौरान स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश सरकार सरकारी सेवाओं में आरक्षण संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के अपने संकल्प पर पूरी तरह दृढ़ है। उन्होंने कहा कि आरक्षण नीति को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं है और सभी भर्तियां नियमों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से की जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि प्रदेश में सरकारी सेवाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए 21 प्रतिशत, अनुस. ूचित जनजाति के लिए 2 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 40 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी किसी एक वर्ग के लिए आरक्षित नहीं है, बल्कि आरक्षित वर्ग का कोई भी पात्र अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी में भी चयनित हो सकता है। केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि सभी सरकारी भर्तियों में आरक्षण नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए कार्मिक विभाग द्वारा 30 दिसम्बर 2025 को शासनादेश जारी किया जा चुका है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप हो।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 84273.92
निफ्टी 25935.15

सोना 157550
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 257567
प्रति किलो

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन रही तेजी

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 200 अंक से अधिक के बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 208.17 अंक (0. 25 प्रतिशत) चढ़कर 84,273.92 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 67.85 अंक यानी 0. 26 प्रतिशत ऊपर 25,935.15 अंक पर रहा। यह दोनों का 7 जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है।

चौतरफा लिवाली के बीच निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.32 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.49 प्रतिशत चढ़ गया। टॉटो, मीडिया, धातु, रियलटी और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली का जोर रहा जबकि फार्मा, स्वास्थ्य, रसायन और सार्वजनिक बैंकों के समूहों में बिकवाली हावी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर पांच प्रतिशत से अधिक चढ़ा। टाटा स्टील में भी करीब तीन फीसदी की तेज रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी और एक्सिस बैंक के शेयर एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त में रहे। हिंदुस्तान यूनीलिवर और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.86 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच टूटे। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स और आईटीसी के शेयर भी लाल निशान में रहे।

चांदी और सोने की कीमतों में गिरावट

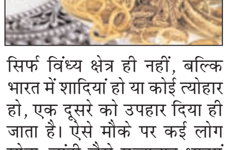

नई दिल्ली। मंगलवार को एमसीएक्स पर सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी गई। सोना 1,525 गिरकर 1,57,550 पर आ गया, चांदी भी 3,129 सस्ती होकर 2,57,567 प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है। मंगलवार को खरीदारों और निवेशकों के लिए अच्छी खबर आई।

चांदी 4.20 लाख के ऑल टाइम हाई से अब तक 1.63 लाख रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई है। वहीं सोना 1.94 लाख के ऑल टाइम हाई से अब तक 37,000 रुपये से ज्यादा नीचे जा चुका है। अगर कोई भारतीय नागरिक एक साल से ज्यादा समय विदेश में रहा है, तो वह सीमित मात्रा में सोने के गहने बिना ड्यूटी भारत ला सकता है। पुरुषों के लिए यह सीमा 20 ग्राम और महिलाओं के लिए 40 ग्राम है। यानी पुरुष यात्री 20 ग्राम और महिला यात्री 40 ग्राम तक के सोने के गहने बिना किसी टैक्स यानी ड्यूटी फ्री ला सकते हैं। रीवा के सर्राफा व्यपारी लखनलाल खंडेलवाल कहते हैं कि सिर्फ विंध्य क्षेत्र ही नहीं, बल्कि भारत में शादियां हो या कोई त्योहार हो, एक दूसरे को उपहार दिया ही जाता है। ऐसे मौके पर कई लोग सोना-चांदी जैसे मूल्यवान धातुएं तोहफे में देते हैं, लेकिन इन मेटल्स की कीमत बढ़ने के कारण अब लोग सोना चांदी खरीदने का प्लान कैंसिल करके दूसरे ऑप्शन (हीरा, प्लैटिनम, आभूषणों के अलावा अन्य उपहार) की तलाश कर रहे हैं। सोने चांदी की कीमतें बढ़ने के पीछे भू राजनीतिक तनाव का बढ़ना, फेड रेट कट की बढ़ती उम्मीद और मार्केट में बढ़ रही अनिश्चितताओं की स्थिति है। सोने के दाम बढ़ने के कारण मध्य और गरीब परिवारों के लिए सोना खरी. दना महंगा हो गया है।

चावल, चीनी, खाद्य तेलों के दाम बढ़े, दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ चीनी और खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी रही, जबकि गेहूं के भाव गत दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 2,849 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा चार रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा। चना दाल औसतन 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल की औसत कीमत 42 रुपये और उड़द दाल की 20 रुपये बढ़ गई। मसूर दाल 12 रुपये और मूंग दाल सात रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम टॉयल का अप्रैल वायदा 63 रिंगिट टूटकर 4,097 रिंगिट प्रति टन रह गया।

अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.49 प्रतिशत फिसलकर 56.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में वनस्पति की औसत कीमत 60 रुपये और मूंगफली तेल की 28 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। पाम टॉयल 13 रुपये और सोया तेल 10 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल छह रुपये और सूरजमुखी तेल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव गत दिवस के स्तर पर ही टिके रहे, जबकि चीनी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

लोकसभा अध्यक्ष...

फरवरी और तीन फरवरी का विवरण दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। विपक्ष के नोटिस में श्री बिरला के उस बयान को भी दिया गया है, जिसमें उन्होंने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नहीं आने का कारण बताया है। तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल का है, जबकि दूसरे स्थान पर द्रमुक के टीआर बालू का और फिर समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव का है। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से मंगलवार से उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि मंगलवार को दोपहर 1:14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सां. सदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी।

पेंग्विन रैंडम...

दौरान संस्मरण के कुछ हिस्सों का जिक्र किया, जिसे उन्होंने 'प्रिंट से पहले का' स्वरूप बताया। उनकी बातों का सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध किया, जिससे सदन में बार-बार रुकावट आई। इस मुद्दे पर कई बार रोक लगने के बावजूद, लोकसभा ने आखिरकार विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ध्वनि मत से धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और न्यूज़ फ़ोरम पर 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' की कथित प्रिंट-पूर्व संस्करण की मौजूदगी के बारे में चल रहे दावों पर ध्यान दिया है। विशेष सेल ने एक मामला दर्ज किया है, ताकि 'मंजूरी मिलने से पहले प्रकाशन के कथित वितरण' की जांच की जा सके। पुलिस अधिका. रियों ने पुष्टि की कि इन दावों की असलियत जांच करने और कथित वितरण के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

वाहनों की खुदरा बिक्री जनवरी में 17.6 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों और अच्छी फसल के कारण वाहनों की खुदरा बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 17.61 प्रतिशत बढ़कर 27,22,558 इकाई पर पहुंच गई। वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जनवरी में दुपहिया की बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 20.82 फीसदी बढ़कर 18,52,870 इकाई पर पहुंच गई। इस दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 5,13,475 इकाई रही, जो 7.22 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 15.07 प्रतिशत और तिपहिया की 18.80 प्रतिशत बढ़ी। देश में जनवरी में कुल 1,07,486 वाणिज्यिक वाहन और 1,27,134 तिपहिया वाहन बिके। ट्रैक्टरों की बिक्री 22.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,14,759 इकाई पर पहुंच गई। निर्माण उपकरणों की बिक्री में 21.09 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 6,834 इकाई दर्ज की गई। बिक्री बढ़ाने में सबसे अधिक योगदान दुपहिया वाहनों का रहा। दुपहिया वाहनों की 56 प्रतिशत बिक्री ग्रामीण क्षेत्रों में और 44 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में हुई।

जानबूझकर अस्थिरता व भ्रम का माहौला बना रहा विपक्ष

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय जनता पार्टी के र्प्वक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को विशेष गहन पुनीरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि वह संसद और संवैधानिक संस्थानों को लेकर देश में जानबूझकर अस्थिरता और भ्रम का माहौल बना रही है।

पात्रा ने मंगलवार को यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला आज का नहीं है, बल्कि जब से भाजपा-राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर उच्चतम न्यायालय, चुनाव आयोग, लोकसभा अध्यक्ष और प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक संस्थानों पर लगातार हमले कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस और अब ममता बनर्जी एसआईआर को फर्जी बताकर भाजपा एवं भारतीय लो. कतंत्र के खिलाफ एक खास नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह प्रचार कर रहा है कि एसआईआर चुनावी सूची की शुचिंता के लिए नहीं, बल्कि भाजपा के राजनी. तिक लाभ के लिए है और यह पूरी प्रक्रिया गैरकानूनी है। पात्रा ने कहा कि बीते सप्ताह सुश्री ममता ने उच्चतम न्यायालय में दावा किया था कि एसआईआर के माध्यम से पश्चिम बंगाल में अत्याचार हो रहा है और इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। लेकिन न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट कर दिया कि एसआईआर को रोका नहीं जाएगा, जिसे उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार के लिए करारा झटका बताया। उन्होंने कहा कि शीर्ष न्यायालय का यह निर्णय लो. कतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को और मजबूत करता है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ईपीएफ राशि खातों में जमा कराने की उठी मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने नियम 115 के अंतर्गत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन से की जा रही ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) कटौती की राशि कर्मचारियों के खातों में अनिवार्य रूप से जमा कराए जाने की मांग उठाई। उन्होंने इस विषय को लोक महत्व का बताते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने कहा कि राज्य में आउटसोर्सिंग के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आउटसोर्सिंग सेवा निगम बनाए जाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी पूरे प्रदेश में सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण आम बात थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक पहल की है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों से लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ की कटौती तो नियमित रूप से की जा रही है, लेकिन संबंधित धनराशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं हो रही है। इस स्थिति से कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है और वे लगातार संबंधित विभागाध्यक्षों से शिकायत कर रहे हैं।

प्रदेश ने खोए जमीन से जुड़े व जनजातीय समाज के नेताः सीएम

मुख्यमंत्री ने विधानसभा के दिवंगत सदस्यों के प्रति अर्पित की श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शोक जताते हुए सदन में कहा कि वर्तमान विधानसभा के सदस्य प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का निधन 2 जनवरी 2026 को 60 वर्ष की आयु में हो गया।

वह दूसरी बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे और फरीदपुर (बरेली) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक थे। प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल मिलनसार और जमीन से जुड़े जनप्रतिनिधि थे। शिक्षा जगत से उनका गहरा जुड़ाव रहा। वह इतिहास संकलन समिति, बरेली के अध्यक्ष तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कार्यसमिति के सदस्य भी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी विकास कार्यों को गति दी और पिछड़े, वंचित व गरीब वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर काम किया।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य विजय सिंह गौड़ के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने सदन को बताया कि समाजवादी पार्टी से विधायक विजय सिंह का निधन 8 जनवरी 2026 को 71 वर्ष की आयु में हो गया था। वह आठवीं बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वर्ष 1980 से उनका राजनीतिक सफर शुरू हुआ था। उन्होंने सर्वप्रथम वर्ष 1980, फिर 1985, 1989, 1991, 1993, 1996, 2002 में चुनाव जीता था। वर्ष 2024 के उप चुनाव में वह दुद्धी विधानसभा से निर्वाचित हुए थे। वह जनजातीय समाज की सशक्त आवाज के रूप में जाने जाते थे। सीएम योगी ने कहा कि विजय सिंह गौड़ ने जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों को सदैव प्राथमिकता दी। उनके निधन से न केवल जनजातीय समाज, बल्कि पूरे प्रदेश ने संघर्षशील समाजसेवी और अनुभवी राजनेता को खो दिया है।

समाजवादी व्यापार के जिला अध्यक्ष बने संजय यादव

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल द्वारा संजय यादव को समाजवादी व्यापार सभा जनपद लखनऊ का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय कैसरबाग लखनऊ पर जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत एवं जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान की उपस्थिति में नवनियुक्त व्यापार सभा जिलाध्यक्ष संजय यादव का स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर नवनियुक्त व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष ने कहा कि वह पार्टी हित में कार्य करेंगे और पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। जिस मकसद से मुझे व्यापार सभा का अध्यक्ष बनाया गया है मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष की कसौटी पर खरा उतारूंगा। इस मौके पर पूर्व विधायक अम्बरीश सिंह पुष्कर, जिला उपाध्यक्ष टीवबीव सिंह, इन्द्रा हिम मंसूरी, जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान, जलाल अकबर खान, विधानसभा अध्यक्ष मोहनलालगंज उमाशंकर वर्मा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष सलीम काकोरी, आक. श एवं शौकत अली के साथ तमाम नेताओं ने बधाई दी।

सीएमओ ने फीता काटकर एनडीडी कार्यक्रम का किया शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के अंतर्गत सनातन धर्म सरस्वती बालिका विद्या मंदिर मिश्राना में मंगलवार को (एनडीडी) कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष गुप्ता द्वारा फीता काटकर किया गया। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि फाइलेरिया अभियान संचालित होने के चलते बांकेगंज ब्लॉक को छोड़कर संपूर्ण जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान आयोजित किया जा रहा है,

जिसका उद्देश्य 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य, पोषण और शैक्षणिक स्तर में सुधार हो सके। उन्होंने जानकारी दी कि 1 से 2 वर्ष आयु के बच्चों को 200 मिलीग्राम, 2 से 3 वर्ष के बच्चों को 400 मिलीग्राम दवा चूरा बनाकर पानी के साथ दी जाती है,

जबकि 3 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों को 400 मिलीग्राम एल्बेंडाजोल की पूरी गोली चबाकर खिलाई जाती है। दवा पूर्णतः सुरक्षित है और इसके कोई गंभीर दुष्प्रभाव नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों की सक्रिय भागीदारी से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य शिप्रा बाजपेई जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनिल यादव, सचिन गुप्ता (आरकेएसके), राहुल शाक्य (अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर) सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रंजिश में ग्राम प्रधान को मारी गोली, भतीजे पर आरोप

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद जिले के थाना रामगढ़ क्षेत्र में एक कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान को उनके भतीजे ने गोली मार कर घायल कर दिया। घायल प्रधान को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार ग्राम जाखई के प्रधान सोम प्रकाश सोमवार रात एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम स्थल के बाहर घात लगाकर बैठे आरोपी ने पीछे से उनकी पीठ में गोली मार दी। जिससे कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। घायल प्रधान को तत्काल जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस अधीक्षक नगर रविशंकर प्रसाद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रधान के भतीजे ललित ने व्यक्तिगत रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया।

एक भी घुसपैठिया नहीं मिलने पर लखनऊ मेयर मांगें माफी, दें इस्तीफाः शाहनवाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम ने सरकार के दावे के विपरीत लखनऊ में एक भी कथित घुसपैठिया, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नहीं मिलने पर लखनऊ की मेयर सुषमा खरकवाल से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग की है। शाहनवाज आलम ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले साल दिसंबर में मेयर ने लखनऊ में रह रहे असम के बांग्लाभाषी लोगों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बताया था।

जिसके बाद पुलिस और एलआईयू से कथित घुसपैठियों की जांच भी करवायी थी. लेकिन अब लखनऊ जॉइंट पुलिस कमिश्नर बबलू कुमार ने जांच के बाद स्वीकार किया है कि पूरे लखनऊ में एक भी घुसपैठिया बांग्लादेशी और रोहिंग्या नहीं मिला है. सारे ही बांग्लाभाषी लोग असम के रहने वाले हैं. कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले साल 7 दिसंबर को उन्होंने लखनऊ कांग्रेस शहर अध्यक्ष शहजाद आलम और अन्य नेताओं के साथ थाना गुडंबा स्थित फूलबाग झुग्गी बस्ती का दौरा किया था जहां के बांग्लाभाषी लोगों को मेयर ने घुसपैठिया बताते हुए उनके पचास से ज्यादा ठेले उठवा लिये थे। मेयर ने तब उनके असम की नागरि. कता साबित करने वाले कागजों को फर्जी भी बताया था।

शाहनवाज आलम ने कहा कि अपने ही देश के लोगों को विदेशी कहकर अपमानित करना और उनके खिलाफ नफरत फैलाना एक भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 के तहत आपराधिक कृत्य है। इसलिए प्रदेश सरकार को चाहिए कि लखनऊ में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की अफवाह फैलाने वाले राज्यसभा सांसद बृजलाल, लखनऊ मेयर सुषमा खरकवाल और अपर्णा यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए।

किसानों के भविष्य को नई दिशा देती शॉर्ट मूवी का निर्माण शुरू

शॉर्ट मूवी में डॉ. अय्यूब हुसैन सीईओ एग्रोहब एक वैज्ञानिक के रूप में भूमिका निभाएंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों पर राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा जल संचय एवं जलीय खेती पर आधारित एक प्रेरणादायक शॉर्ट मूवी का निर्माण किया जा रहा है।

इस फिल्म में विशेष रूप से पर्ल्स (मोती) फाह्मग और उत्तर प्रदेश सरकार की खेत-तालाब योजना को प्रमुखता से दर्शाया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों को शामिल किया गया है। फिल्म का मुख्य उद्देश्य किसानों

को जलीय खेती के प्रति प्रेरित करना, कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के आधुनिक तरीकों की जानकारी देना तथा किसानों की आय को दोगुना करने की संभावनाओं को उजागर करना है। शॉर्ट मूवी में प्रधानमंत्री द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है, ताकि किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ सकें। इस शॉर्ट मूवी में डॉ. अ"यूब हुसैन, सीईओ, एग्रोहब उत्तर प्रदेश, एक वैज्ञानिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वे जलीय खेती, आधु. निक कृषि तकनीकों और कम लागत में अधिक आय के व्यावहारिक उपायों को सरल और सहज भाषा में किसानों तक पहुंचा रहे हैं। पूरी फिल्म में उनकी भूमिका को बेहद अहम माना जा रहा है। फिल्म की शूटिंग में प्रसिद्ध कलाकारों के साथ-साथ वास्तविक किसानों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे फिल्म की विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। किसानों के बीच यह शॉर्ट मूवी पहले से ही काफी सराहना बटोर रही है।

आईजीआरएस में जालौन का उत्कृष्ट प्रदर्शन, प्रदेश में छठा स्थान

जालौन। उत्तर प्रदेश सरकार की जनशिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) में जालौन ने उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का परिचय देते हुए प्रदेश स्तर पर छठा स्थान प्राप्त किया है। वहीं, तहसील कौंच ने शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निस्तारण के आधार पर पूरे प्रदेश में पुनः प्रथम स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि यह सफलता राज्य सरकार की पारदर्शी शासन व्यवस्था, मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशन तथा प्रशासनिक अधिकारियों की सतत मॉनिटरिंग का परिणाम है।

सीएमओ ने भ्रमण कर लोगों को फाइलेरिया की दवा खाने के लिए किया प्रेरित

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखीमपुर/खीरी। जनपद के बांकेगंज ब्लॉक में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर सीएमओ ने स्वयं कई लोगों को फाइलेरिया की दवा का सेवन कराया और क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर घर-घर पहुंचकर लोगों को दवा खाने के लिए प्रेरित किया। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि बांकेगंज ब्लॉक में 10 फरवरी से 28 फरवरी तक फाइलेरिया अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 2 लाख 62 हजार 609 लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य

निर्धारित किया गया है। इसके लिए क्षेत्र में 277 टीमें लगाई गई हैं। इसके साथ ही 55 सुपरवाइजरों की तैनाती की गई है। ब्लॉक और जनपद स्तर पर कुल 5 रैपिड रिस्पांस टीमें गठित की गई हैं। मच्छरों के काटने से फैलता है। यह रोग हाथीपांव, सूजन, दर्द और विकलांगता का कारण बन सकता है। फाइलेरिया की दवा का सेवन करने से शरीर में मौजूद परजीवी नष्ट हो जाते हैं और रोग की रोकथाम होती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि फाइलेरिया की दवा पूरी तरह सुरक्षित है और इसके कोई गंभीर साइड इफेक्ट नहीं हैं। लोगों को फाइलेरिया रोग के प्रति जागरूक करने और दवा सेवन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने क्षेत्र में पैदल भ्रमण किया।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा यूपी में विधानसभा व पंचायत चुनाव में उतारेगी प्रत्याशी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय 1, तालकटोरा रोड नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश में आगामी विधान सभा व पंचायत चुनाव हेतु पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार उपेन्द्र कुशवाहा की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई।

जिसमें पार्टी अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि पार्टी को आगामी चुनाव हेतु बूथ स्तर तक मजबूत करें और आम जन तक पार्टी की विचार धारा को बताएं साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी निष्ठावान, क्रियाशील व मेहनती पदाधिकारियों/ कार्यकर्ताओं को ही आगामी चुनाव हेतु अपना

उम्मीदवार बनाएगी। बैठक में सुमिता बनर्जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला मोर्चा), पृथ्वीराज यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भानु श्रीनिवास, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जॉय बनर्जी, राष्ट्रीय महासचिव, परीक्षित कुमार, प्रदेश अध्यक्ष, तेलंगाना, हरिप्रक. श, प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली, महेंद्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पूर्वी उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में फायरिंग, एक की मौत, दो घायल

भदोही। उत्तर प्रदेश में भदोही जिलेद के औराई थाना क्षेत्र में मंगलवार को पुराने जमीनी विवाद को लेकर हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि ग्राम बनपुरवा जंगल में आज सुबह लगभग 10:30 बजे दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद गाली-गलौज से शुरू होकर लाठी-डंडों तक पहुंच गया। इसी दौरान एक पक्ष के बृजेश कुमार यादव ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायर कर दिया। फायरिंग में दूसरे पक्ष के आशीष यादव (28) की पीठ में गोली लगने से घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। वहीं अखिलेश यादव पुत्र उमाशंकर यादव के हाथ में गोली लगी।

यूजीसी इक्विटी गाइडलाइंस 2026 के समर्थन में छात्रों का जोरदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में बड़ी संख्या में छात्रों ने यूजीसी इक्विटी गाइडलाइंस 2026 के समर्थन में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उच्च शिक्षा में समानता, प्रतिनिधित्व और जवाबदेही की मांग को लेकर छात्रों की बढ़ती एकजुटता का स्पष्ट संकेत है। इस प्रदर्शन में आइसा, एनएसयूआई, एससीएस और बीएएसएफ ने एकजुट होकर भागीदारी की।

प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित होने के बावजूद परिसर में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों की केंद्रीय मांग बिल्कुल स्पष्ट है कि यूजीसी इक्विटी गाइडलाइंस 2026 को रोहित

एक्ट के साथ लागू किया जाए, ताकि विश्वविद्यालयों में दलित, बहुजन, आदिवासी, अल्पसंख्यक और अन्य हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए जवाब. देही, सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित की जा सके। हर्षवर्धन, संयुक्त सचिव, आइसा उत्तर प्रदेश, ने कहा कि भारी पुलिस तैनाती और पहले से दिए गए नोटिस यह दिखाते हैं कि प्रशासन समानता और न्याय की मांग से असहज है। शुभम खरवार, महासचिव, एनएसयूआई उत्तर प्रदेश, ने कहा कि छात्र बराबरी और न्यायपूर्ण शिक्षा की मांग कर रहे हैं। नवीन यादव, अध्यक्ष, एससीएस लखनऊ विश्वविद्यालय न्यू कैंपस, ने कहा कि न्यू कैंपस में हुआ प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक था। इसके बावजूद भारी पुलिस मौजूदगी यह बताती है कि प्रशासन छात्रों को कानून-व्यवस्था की समस्या की तरह देख रहा है, जबकि उसे छात्रों की जायज मांगों पर गंभीरता से बातचीत करनी चाहिए। इस प्रदर्शन और संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के साथ समर, आइसा, शांतम निधि, आइसा, आर्यन कुमार, छात्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, रोहित कुमार, छात्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लुप्स प्रकाश, राष्ट्रीय समन्वयक, एनएसयूआई, अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष, एनएसयूआई उत्तर प्रदेश, रंजीत वर्मा, बीएएसएफ, तथा डॉ. अखिलेश यादव, पीएचडी ने भी अपना समर्थन व्यक्त किया।

जेंडरट्रांस्फरमेटिव शिक्षा के माध्यम से ही आएगा शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक बदलाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य में बालिका शिक्षा को अधिक समान, गुणवत्तापूर्ण और परिवर्तनकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ गर्ल एजुकेशन एलायंस नेटवर्क (यूटीजीएन) का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को लखनऊ में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए स्वतालीम फाउंडेशन के सह संस्थापक वैभव कुमार ने न्न्ळाह की यात्रा बताते हुए सभी संस्थानों के मंच पर आने को एक सुनहरा अध्याय बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. पवन सचान, संयुक्त निद. शक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी),

उत्तर प्रदेश, ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बालिका शिक्षा में वास्तविक बदलाव केवल नामांकन तक सीमित नहीं रह सकता है और इसके लिए न्न्ळाह जैसे समूहों को आगे आ कर साथ मिल कर कार्य करने की जरूरत है। डॉ. पवन सचान के अनुसार बालिका शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन तभी संभव है जब पाठ्यक्रम, शिक्षण प्रक्रिया और सामाजिक सोच-व्रतीनों में समानांतर बदलाव हो। उत्तर प्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक पुष्पेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाए तो प्रयास और प्रभावशाली होगा औऱ इस अवसर पर डॉ. अनन्या तिवारी, सह-संस्थापक, स्वतालीम फाउंडेशन, ने सभी सहभागी संगठनों को इस सहयोगी पहल के लिए बधाई दी और कहा कि यह प्रयास उत्तर प्रदेश में बालि. का शिक्षा को लेकर एक नई सोच और दिशा प्रस्तुत करता है। इस सहयोगी नेटवर्क में स्वतालीम फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन, यूनिसेफ, स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन, एजुकेट गर्ल्स, एक्शनएड, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन और मिलान फाउंडेशन शामिल हैं। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के अधिकारी, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सीएसओ प्रतिनिधि, शिक्षाविद और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक शाह टाइम्स

मे समाचारों एवं विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिये सम्पर्क करें।

नोटः इच्छुक पत्रकार-शाह टाइम्स में विज्ञापन प्रतिनिधि एवं संवाददाता के रूप में कार्य करने के लिए संपर्क करें।

मौहम्मद जान तुर्की,
ब्यूरो चीफ लखनऊ

कार्यालयः 21, शाह टावर, स्टेशन रोड लखनऊ, उ0प्र0।
Mob. 8630533498
E-mail: shahtimeslko313@rediffmail.com

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए, मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 21, स्टेशन रोड, शाह टावर लखनऊ-226001 (उप्र) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द ब्रत 'सुमन'
☎ 0522-4041004
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
RNI No. UPHIN/2009/31463
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन संपन्न कराने के निर्देश

हाईस्कूल के 28583 एवं इण्टरमीडिएट के 24694, कुल 51277 छात्र देंगे परीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो,

अमरोहा। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2026 को नकल. विहीन, शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने मंगलवार को नगर के कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज में जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक संचालित होगी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी, प्रथम पाली प्रात: 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 2:00 बजे से 5:15 बजे तक होगी। जनपद में कुल 68 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिनपर हाईस्कूल के 28583 एवं इण्टरमीडियेट के 24694, इस प्रकार कुल 51277 छात्र/छात्रा परीक्षा देंगे। डीएम ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश देते हुए कहा कि छात्र

और छात्राओं की तलाशी के लिए अलग-अलग चेकिंग रूम बनाए जाएं, जहां छात्राओं की तलाशी महिला कर्मचारी तथा छात्रों की तलाशी पुरुष कर्मचारी द्वारा की जाए। उन्होंने स्टैटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि कल को केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाएं जांच लें अगर कहीं कोई कमी है तो समय रहते उसको दूर कराएं। बच्चों के लिए पीने के पानी और बैठने की सीट की उचित व्यवस्था की जाए। यदि परीक्षा के दौरान किसी छात्र की तबीयत खराब होती है तो प्राथमिक उपचार की व्यवस्था उपलब्ध रहे, परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त रोशनी, पंखे एवं बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ बिजली कटौती की स्थिति में जनरेटर की व्यवस्था अनिवार्य रखने को कहा गया। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन एवं सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे। प्रश्न पत्र परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के बाद उनकी सुरक्षा एवं उत्तर पुस्तिकाओं की संपूर्ण जिम्मेदारी केंद्र व्यवस्थापक की होगी। जिलाधिकारी ने सभी जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं बाह्य केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि उन्हें सौंपे गए दायित्वों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराएं। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी तथा नकल करने या कराने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

कल आयोजित होगा कौशल महोत्सव

पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौ.अजित सिंह की जयंती पर होगा कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह की जयंती पर 12 फरवरी को होने वाले कौशल महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कार्यक्रम में मुख्य

■ केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी होंगे सम्मिलित

अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी सम्मिलित होंगे। कौशल महोत्सव कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार देने के लिए विभिन्न संस्थानों/इकाईयों के स्टॉल भी लगेंगे। यहां पर 55 प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। यह आयोजन युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। युवाओं के साथ-साथ पूर्व सैनिकों के लिए भी विशेष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसी क्रम में कार्यक्रम स्थल पर किसान ट्रस्ट के तत्वावधान में पर एक विशेष नि:शुल्क मेडिकल कैम्प का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श देंगे। उन्होंने लोगों व युवाओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। इस अवसर पर नमित चौधरी, पुष्पराज सिंह, सुमित चौधरी एवं सुरेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहे।

मजदूर की मौत में सुपरवाइजर पर रिपोर्ट दर्ज

बीते दिन लिफ्टिंग चैन टूटने से हुई थी मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बछरायूं। स्टेट हाईवे स्थित रोस इंटरप्राइजेज आलू भंडारण कंपनी में हुए दर्दनाक हादसे में मजदूर की मौत के मामले में अब पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक के पिता शमशाद की तहरीर पर कंपनी में कार्यरत सुपरवाइजर आशीष कुमार के खिलाफ थाना बछरायूं में रिपोर्ट लिखी गई है।

बताया गया कि सोमवार शाम काम के दौरान क्रेन से भारी लोहे का पिलर उठाया जा रहा था। इसी दौरान लिफ्टिंग बेल्ट अचानक टूट गई और पिलर नीचे गिर पड़ा। उसकी चपेट में आकर मोहल्ला पीरजादगान निवासी करीब 28 वर्षीय अरशद पुत्र शमशाद गंभीर रूप से घायल हो गया। साथी मजदूर उसे तुरंत सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा भी किया, जिसे पुलिस ने समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पिता शमशाद ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा नोएडा के अंतर्गत सुपरवाइजर आशीष कुमार के साथ रोस कंपनी बछरायूं में काम कर रहा था। काम के दौरान लिफ्टिंग बेल्ट टूटने से यह हादसा हुआ, जिसमें उनके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दू वर्ग अपनी आबादी बढ़ाए: चव्हाण

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। नगर स्थित एमडीए कॉलोनी में आयोजित हिंदू सम्मेलन में हिंदु समन्वय समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चव्हाण ने कहा कि देश में हिंदु लगातार घट रहा है। 09 राज्यों व एक हजार नगरों में हिंदू

■ एमडीए कॉलोनी में हिन्दू सम्मेलन आयोजित

अल्पसंख्यक हो गया है। उन्होंने हिंद. ुओं से अपनी संख्या बढाने का आग्रह किया। देश व हिंदु धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देने व बलिदान लेने की शपथ कराई और संकल्प भी कराया। गजरौला क्षेत्र के बलिदानियों के नाम गिनाए और लोगों से अपना इतिहास याद रखने को कहा। कहा कि सरकार होने के बाद भी बंगाल व कश्मीर से हिंदु भगाए गए और सब कुछ सरकार नहीं करती है। हमें भी अपनी सुरक्षा के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने गजरौला के कई मुहल्लों के नाम लेते हुए कहा कि आक्रमणकारियों के नाम पर मुहल्लों के नाम क्यों रखे गए हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक शरद कुमार ने संघ की सौ वर्षों की यात्रा के बारे में बताया और पंच परिवर्तन के बारे में बताते हुए पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी अपनाने, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य व सामाजिक समरसता का पाठ पढाया। महामंडलेश्वर मनोज हरदास महाराज ने हिंदुत्व का इतिहास बताते हुए कहा कि हिंदु के मजबूत होने से ही भारत देश विकसित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नेमपाल सिंह ने जातिवाद मिटाने का आहवान किया। कार्यक्रम की शुरूआत में जूनियर हाई स्कूल की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर जिला संघचालक रणवीर सिंह, जिला प्रचारक योगेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, जगदीप सिंह सिद्धू, प्रदीप कुमार, अमरेन्द्र सिंह, अनुपम सिंघल, पूर्व सांसद देवेन्द्र नागपाल, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, तेजपाल सिंह, चौ.महावीर सिंह, नेमपाल सिंह, कमल अग्रवाल, मगन सिंह, रामरतन सिंह, सुनील गुप्ता, नवीन गर्ग, गौरव चौधरी, सोनू गर्ग, सम्राट अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण गर्ग, उधम सिंह, आयुष चौधरी, निहार त्यागी, सतेन्द्र सिंह, पुस. विंदर सिंह, विपिन पंघाल, जोगेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कीड़ों से बचाव को बच्चों को खिलाई एल्बेंडाजोल

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर स्कूलों में अध्यापकों के द्वारा आंगनवाडी सेन्टरों आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा एवं मदरसों में मदरसों के अध्यापकों द्वारा 01 वर्ष से 19 वर्ष के सभी बच्चों को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई गई।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारम्भ जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स द्वारा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज अमरोहा मे बच्चो को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाकर किया गया। इस मोके पर डॉ0 योगेन्द्र सिहँ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी डॉ. जसकरन सिहँ गंगवार, श्रीमति स्नेहलता, विपुल कुमार, मुर्करब हुसैन, अहसान अली, याकूब अली, सरिता कन्नोजिया, श्रीमति माला कुशवाह व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहे। डॉ0 योगेन्द्र सिंह द्वारा बताया गया कि बच्चे बिना हाथ धोए अक्सर कुछ भी खा लेते हैं या नंगे पावं ही संक्रमित स्थानों पर चले जाते है। जिससे उनके पेट मे कृमि विकसित हो जाते है यही कृमि एल्बेण्डाजोल की एक खुराक खाने से बच्चों के पेट से बाहर निकल जाते हैं या मर जाते है।

कांग्रेसियों ने मनाई पायलट की जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीयों द्वारा कैंप कार्यालय सैद नगली पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता

भारत सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनको पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट जी किसान, मजदूर, नौजवान की सशक्त आवाज थे। उन्होंने हमेशा किसानों मजदूरों नौजवानों के हितों की लिए संघर्ष किया पायलट जी हमेशा कहते थे जब तक किसानों के मजदूरों के बच्चे पढ़ लिखकर उन कुर्सियों पर नहीं बैठेंगे जहां से भारत के विकास के लिए नीतियां बनाई जाती हैं। तब तक सही मायनों में भारत का विकास नहीं होगा। भारत के गृह राज्य मंत्री रहते हुए उन्होंने पूरे भारत में नकल्सवाद को आतंकवाद को खत्म किया। अपने प्राणों की परवाह किए बगैर भारत की सेना के साथ जाकर आतंकवाद का सफाया किया। निर्भीकता और निडरता और भारत माता के प्रति प्रेम उनके रोम रोम में बसा था केंद्र की भाजपा सरकार एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को स्वर्गीय राजेश पायलट को भारत रत्न सम्मान प्रदान करना चाहिये। स्वर्गीय राजेश पायलट भी भारत रत्न सम्मान पाने के पूरे अधिकारी हैं क्योंकि उन्होंने भारत के विकास के लिए शांति के लिए उत्थान के लिए किसानों मजदूरों नौजवानों के लिए पिछड़ों के लिए दलितों के लिए वंी. चतों के लिए शोषित वर्ग के लिए हमेशा कार्य किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया, डॉक्टर अहमद, राजपाल सैनी हसनपुर ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम पुष्कर, मनोज कटारिया, सोनू पाल मकसूर अंसारी हरस्वरूप प्रधान, दीपक गौतम ललित चौधरी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

भाषण में माचिका व निबंध में मोना रहीं प्रथम

भाषण में माचिका व निबंध में मोना प्रथम

शाह टाइम्स ब्यूरो,

अमरोहा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वाधान में जिला विज्ञान क्लब अमरोहा द्वारा 'अंधविश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन खंडसाल कलां स्थित राणा सिंह मैमोरियल सिख इंटर कॉलेज में किया गया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता एवं वैज्ञानिक व्याख्यान में प्रतिभाग किया। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश अंधविश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेंद्र सिंह

■ राणा सिंह मैमोरियल कॉलेज में हुआ आयोजन

ढिल्लों हमें अंधविश्वास और पाखंड से दूर रहते हुए भविष्य में अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि तहसीलदार नौगावां सादात लकी सिंह ने कहा कि जहां विज्ञान नहीं वहीं, अंधविश्वास जन्म लेता है, इसलिए हमें विज्ञान को बारीकी से समझना चाहिए। हमें जीवन में कामयाब होने के लिए अंधविश्वास से दूर रहना होगा। **भाषण प्रतियोगिता** में माचिका प्रथम, यशप्रीत द्वितीय व चाहत तृतीय रहे। **निबंध प्रतियोगिता** में मोना प्रथम, कशिश चौहान द्वितीय व विवेक तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक मंडल में विक्रांत चौहान,मंजीत सिंह, अरशद फारूकी रहे। कार्यक्रम में सम्भल से आए विज्ञान संचारक राजू यादव ने अंधविश्वास को प्रयोगात्मक रूप में विस्तार पूर्वक समझाया, जिसमें उन्होंने पानी से दीपक जलाना, छलनी में पानी रो. कना, मुंह से आग निकलना, वस्तुओं को गायब करना आदि प्रयोग को करके दिखाया और उनका वैज्ञानिक आधार बताया। इस मौके पर विज्ञान संचारक संतराम सिंह यादव, प्रधानाचार्य अजय कुमार, क्लब के समन्वयक शाने हैदर, पिंकल सिद्धू, राकेश कुमार, मोहन सिंह, तरुण कुमार, नरेंद्र यादव,फाखिर गजाली, अरशद नवाज, कोषाध्यक्ष हुसैन मोहम्मद आदि उपस्थित रहे।

■ अमरोहा।प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

'कौशल प्रशिक्षण' महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन हेतु नाबार्ड और

■ बीस दिवसीय प्रशिक्षण के बाद वितरित किए गए प्रमाण पत्र

स्पर्श सोशल फाउंडेशन की पहल के अर्न्तगत 60 महिलाओं को उन्नत सिलाई एवं फैशन डिजाइनिंग के बीस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

बता दें कि नाबार्ड और स्पर्श के तत्वाधान में 13 जनवरी से 02 फरवरी तक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं को कौशल विकास के साथ साथ व्यवसाय प्रबंधन व एक्सपोजर विजिट का कार्यक्रम भी रखा गया। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि, कौशल आधारित प्रशिक्षण ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है। जिला प्रशासन स्वयं सहायता समूहों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने के लिए पूरी तरह प्रतिवद्ध है। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक रजत सहगल ने कहा कि, जनपद में नाबार्ड के सहयोग से दो महिला आधारित एफपीओ सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं, जिनका टर्नओवर 01 करोड़ रुपये से अधिक है। इसी तरह सिलाई कढ़ाई के भी समूह बनाकर महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में नाबार्ड प्रयासरत है। इस मौके पर पीडी-डीआरडीए अम्बरीश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक रामेंद्र सिंह, उमंग डेयरी से प्लांट हैड आरपी सिंह, एवं मैनेजर एचआर अबोध कौशिक के साथ साथ स्पर्श सोशल फाउंडेशन के सीनियर मैनेजर एस.आनंद एवं सहायक प्रबंधक कृष्ण गोपाल, शिव प्रसाद, दिनेश मैहर, अरविंद, सुमन, मीनू एवं हेमंत उपस्थित रहे।

कालेज गयी छात्रा प्रेमी के साथ हुई फरार

पिता की तहरीर पर युवक पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। कॉलेज से घर लौट रही बीएससी की छात्रा रास्ते से प्रेमी संग फरार हो गई। परिजनों ने उसे काफी तलाश किया लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ बहलाकर ले जाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है। युवती की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है। मामला अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाले किसान की बेटी शहर की एक डिग्री कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा है। किसान की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक बीती 2 फरवरी को उनकी बेटी कॉलेज गई थी लेकिन वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने कॉलेज जाकर पता किया तो छात्रा के दोपहर में लगभग 12 से एक के कॉलेज से जाने की बात सामने आई। किसान का आरोप है कि उनकी बेटी को क्षेत्र के गांव भटपुरा सकैनिया का रहने वाला युवक कमल बहलाकर ले गया है। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले में आरोपी कमल के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। युवती को जल्द ही बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, गांव में दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिसके चलते ही छात्र प्रेमी के साथ फरार हुई है।

दाह संस्कार में आया अधेड़ गंगा में डूबा

परिजनों में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता,

ढवारसी। थाना आदमपुर क्षेत्र के ग्राम खाजेपुर के सामने गंगा नदी में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। दोपहर करीब तीन बजे राकेश उम्र 50 वर्ष पुत्र महिपाल सिंह, निवासी दढियाल गंगा में डूबकर लापता हो गए। वह ग्राम दढियाल निवासी बाला उम्र 95 वर्ष पत्नी स्वर्गीय प्रभु सिंह के निधन के बाद उनके दाह संस्कार में शामिल होने घाट पर पहुंचे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंतिम संस्कार के बाद राकेश गंगा किनारे अन्य लोगों के साथ गंगा में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह अचानक गहरे पानी में चले गए। देखते ही देखते वह तेज बहाव की चपेट में आ गए और कुछ ही क्षणों में पानी में ओझल हो गए। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाकर उन्हें बचाने का प्रयास किया। कुछ लोगों ने गंगा में उतरकर तलाश भी की, लेकिन तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। सूचना मिलने पर थाना आदमपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू कराया। पुलिस द्वारा देर शाम तक गंगा में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक राकेश का कोई सुराग नहीं लग सका था। ग्रामीणों ने प्रशासन से गंगा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, चेतावनी बोर्ड लगाने तथा गोताखोरों की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

25 हजार के ईनामी के घर कुर्की का नोटिस चस्पा

न्यायिक कर्मी राशिद की हत्या में है नामजद

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। पेशकार राशिद हुसैन की हत्या के मामले में फरार 25 हजार रुपये के इनामी नवाजिश के घर पर डिडौली पुलिस ने कुर्की का नोटिस चस्पा किया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गांव में मुनादी कराई है तथा दस दिन के भीतर हाजिर नहीं होने पर अगली कार्रवाई की चेतावनी दी है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नल निवासी राशिद हुसैन सिविल जज जूनियर डिवीजन की कोर्ट में पेशकार थे। बीती 11 जनवरी की दोपहर राशिद हुसैन कार में सवार होकर मुरादाबाद के गांव पट्टी स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। उनके साथ में पत्नी रुखसार और भतीजे सलमान के अलावा तीन बच्चे भी थे। जब उनकी कार बंबूगढ़ से आगे पतकोई-हुसैनपुर की पुलिया के पास पहुंची तो गलत दिशा से आ रही बाइक की ओवरटेक करते समय कार से मामूली टक्कर हो गई थी। बाइक सवार लोगों ने फोन कर गांव से अन्य लोगों को बुला लिया था। लगभग तीन किमी पीछा कर कार को हाईवे पर घेर लिया था। हमलवारों ने कार चला रहे राशिद हुसैन को पत्नी और बच्चों के सामने बेहरमी से पीटा था, हमले गंभीर घायल राशिद हुसैन की उपचार को ले जाते समय मृत्यु हो गई थी। मामले में चार नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ हत्या के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। घटना में गांव हुसैनपुर का रहने वाला कलीम मुख्य आरोपी था। पुलिस ने कलीम की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके बाद 12 घंटे के भीतर पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया था। वहीं, पुलिस इससे पहले नामजद आरोपी शान को पकड़कर जेल भेज चुकी थी। घटना में शामिल संभल जिले के असमौली थाना क्षेत्र के गांव इटायला माफी का रहने वाले नवाजिश की गिरफ्तारी पर भी एसपी ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस का दावा है कि नवाजिश ही मुख्य आरोपी कलीम को अपनी बाइक पर बैठाकर घटनास्थल पर पहुंचा था। नवाजिश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हुए कलीम का बहनोई है। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह ने आरोपी नवाजिश के घर पर कुर्की नोटिस चस्पा करने की पुष्टि की। बताया कि आरोपी अगर दस दिन के भीतर हाजिर नहीं होता है तो अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बंदरों के हमले में छत से गिरी महिला, मौत

परिजनों में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

जोया। दूसरी मंजिल पर बने घर के आंगन में चारपाई पर बैठी महिला पर अचानक बंदरों ने हमला कर दिया। जिससे महिला नीचे गिर गयी। घायल हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव कालाचोड़ा निवासी स्व. जयप्रकाश की पत्नी गीता शर्मा मंगलवार को अपने घर की दूसरी मंजिल पर बने आंगन में चारपाई पर बैठी थी। इस दौरान वहां कई बंदर आ गये तथा उन्होंने महिला पर हमला कर दिया। जिससे डरकर महिला भागने लगी। पैर फिसलने से महिला छत से गिर गयी। जिससे उसके काफी चोट आयी। परिजन महिला को लेकर अस्पताल पहुंचे परन्तु वहां पहुंचने से पहले की गीता शर्मा की मौत हो गयी।

आल्हा-उदल की धरती महोबा बनेगी यूपी का नया पर्यटन हब

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ/महोबा। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत चंदेलों की सांस्कृतिक राजधानी महोबा में पर्यटन विकास कार्यों को तेज गति दी गई है। वीर आल्हा-उदल की गाथाओं से जुड़ी यह ऐतिहासिक भूमि अब सांस्कृतिक एवं शैक्षिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होने की दिशा में अग्रसर है। अयोध्या, काशी और मथुरा के बाद उत्तर प्रदेश सरकार का फोकस अब बुंदेलखंड क्षेत्र पर है, ताकि इसकी ऐतिहासिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित किया जा सके।

केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय के निर्देश पर 24.98 करोड़ रुपये की लागत से महोबा में एकीकृत पर्यटन विकास परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। कुल स्वीकृत धनराशि का 10 प्रतिशत भाग कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल, बांदा को जारी किया जा चुका है। परियोजना के अंतर्गत सन इंटरप्रिटेशन सेंटर का निर्माण, त्रिकोणीय उद्यान का विकास, भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण तथा आधुनिक साइनेज की व्यवस्था शामिल है। परियोजना को वर्ष 2026 के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड भारत की सभ्यतागत विरासत का जीवंत अध्याय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में स्वदेश दर्शन 2-0 जैसी योजनाएं महोबा की ऐतिहासिक धरोहर को नया आयाम दे रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में महोबा में लगभग 28 लाख पर्यटक पहुंचे, जो जिले की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। यह परियोजना पर्यटक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को संरक्षित करने में सहायक होगी। परियोजना का प्रमुख आकर्षण 4,210 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित किया जा रहा सन इंटरप्रिटेशन सेंटर है। यह केंद्र भारतीय परंपरा में सूर्य के वैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व को आधुनिक और रोचक माध्यमों से प्रस्तुत करेगा।

भवन की छत दिन के आठ प्रहर-उषा, पूर्वान्ह, मध्यान्ह, अपरा]न, सायंकाल, प्रदोष, निशीथ और त्रियामा-का प्रतीक होगी। परिसर में स्थापित विशेष सूर्यघड़ी (सनडायल) सूर्य की किरणों के आधार पर समय प्रदर्शित करेगी। केंद्र में सौर पैनल, वर्षा जल संचयन प्रणाली, घास पेवर्स और एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन जैसी पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी, जिससे हरित और सतत पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सन इंटरप्रिटेशन सेंटर में विभिन्न विषयगत दीर्घाएं विकसित की जाएंगी। एक दीर्घा में भारतीय और पाश्चात्य धार्मिक परंपराओं को जोड़ते हुए सूर्य देव और प्राचीन ग्रीक देवता हेलिओस की कथा भित्ति चित्रों और मूर्तियों के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। दूसरी दीर्घा में कोणार्क और मार्तंड जैसे प्रमुख सूर्य मंदिरों को स्थापत्य मॉडल और दृश्य माध्यमों के जरिए दर्शाया जाएगा। 'सूर्य एवं खगोल विज्ञान' दीर्घा में ऋतुओं, पंचांग और आक.ाशीय गतियों में सूर्य की भूमिका को समझाया जाएगा, जबकि 'सूर्य एवं ज्योतिष' दीर्घा में त्रिआयामी प्रोजेक्शन और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से सूर्य और मानव जीवन के संबंध को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। सन इंटरप्रिटेशन सेंटर से लगभग चार किलोमीटर दूर शिवतांडव रोड पर एक आकर्षक त्रिकोणीय उद्यान विकसित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त तीन भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जा रहा है, जिनके शीर्ष पर बलुआ पत्थर से निर्मित सूर्य देव की कलात्मक प्रतिमाएं स्थापित होंगी। अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य, अमृत अभिजात ने कहा कि यह परियोजना केवल पर्यटन सुविधाओं के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य ऐसे ज्ञान-कें.द्रित स्थल विकसित करना है, जहां छात्र और युवा इस क्षेत्र की ऐतिहा.सिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समझ सकें। उन्होंने कहा कि यह पहल विरासत, विज्ञान और पारंपरिक ज्ञान को जोड़ते हुए बुंद.ेलखंड को सतत और शैक्षिक पर्यटन के नए मानचित्र पर स्थापित करेगी।

दो सगी बहनें झारखंड के गढ़वा में मिलीं, परिजनों को सौंपा गया

शाह टाइम्स ब्यूरो

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिल के पटहेरवा थाना क्षेत्र से पखवाड़े भर पहले घर से विद्यालय जाने की बात कहकर निकलीं दो सगी बहनें झारखंड के गढ़वा शहर में सकुशल मिलीं। पुलिस टीम सात फरवरी को गढ़वा पहुंची और दोनों को अपने साथ लेकर लौटी।

सोमवार को विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार बीएससी और इंटरमीडिएट में अध्ययनरत दोनों बहनें 24 जनवरी को घर से निकली थीं, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटीं। परिजनों द्वारा मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, पर फोन बंद मिला। 27 जनवरी को थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पता चला कि घर से कुछ नकदी और आभूषण बंधक रखे गए थे। मोबाइल के आईएमईआई नंबर के आधार पर लोकेशन झारखंड के गढ़वा में मिली, जहां दोनों एक कपड़ा शोरूम में कार्य करती पाई गईं। पूछताछ में दोनों ने बताया कि परिजन पढ़ाई पूरी होने से पहले विवाह करना चाहते थे, जबकि वे आगे पढ़ना चाहती थीं। इसी कारण वे घर छोड़कर चली गईं। गढ़वा में उनके एक इंस्टाग्राम मित्र ने उन्हें काम और रहने की व्यवस्था दिलाई थी। थाना प्रभारी धीरेंद्र राय ने बताया कि आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर दोनों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

बजट में निवेश बढ़ाने और स्थायी रोजगार के प्रावधान हों: आराधना

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बुधवार को पेश किए जाने वाले आम बजट को लेकर कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने योगी आदित्यनाथ सरकार से युवाओं, किसानों और महिलाओं के हित में ठोस और प्रभावी प्रावधान किए जाने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि बजट में लोककल्याणकारी नीतियों को प्राथमिकता देते हुए स्थाई रोजगार, किसान कल्याण और निवेश बढ़ाने की स्पष्ट योजना होनी चाहिए।

बजट से एक दिन पहले प्रतिक्रिया देते हुए आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि प्रदेश के नौजवान आज रोजगार संकट से जूझ रहे हैं। सरकारी विभागों में बड़ी संख्या में स्थाई पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार उन्हें भरने के बजाय आउटसोर्सिंग के माध्यम से न्यूनतम मानदेय पर लोगों को काम पर रख रही है।

उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में 10 से 15 हजार रुपये के मानदेय में न तो व्यक्ति का गुजारा संभव है और न ही वह अपने परिवार की जिम्मेदारी उठा सकता है। बजट में स्थाई नौकरियों की भर्ती और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय में बढ़ोतरी का प्रावधान होना चाहिए। किसानों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के बजट में मुफ्त बिजली का वादा किया गया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ। वर्ष 2017 के कर्ज माफी के वादे को भी सरकार ने केवल आंशिक रूप से निभाकर समाप्त मान लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि बजट में किसानों के लिए निरंतर कर्ज माफी की योजना, सिचाई हेतु मुफ्त बिजली और खाद-बीज व यूरिया की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के ठोस प्रावधान किए जाएं, ताकि किसानों को हर साल खाद के लिए लाइनों में न लगना पड़े। आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके लिए सरकार की ईमानदार नियत और दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी है। उन्होंने कहा कि केवल इन्वेस्टर्स मीट कराकर लाखों करोड़ के एमओयू साइन कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी जरूरी है कि उन समझौतों को धरातल पर उतारा जाए। निवेश योजनाएं इवेंट तक सीमित न रहकर रोजगार और विकास के स्थाई अवसर पैदा करें। महिलाओं के संदर्भ में उन्होंने कहा कि बजट में ऐसे प्रावधान होने चाहिए जिससे महिलाएं केवल लाभार्थी बनकर न रह जाएं।

दुधवा नेशनल पार्क बनेगा इको-टूरिज्म का आधुनिक केंद्र: मंत्री जयवीर सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को कहा कि इको-टूरिज्म को रफ्तार देने के मकसद से उनके विभाग ने 'सफारी सीजन-2026' के मद्देनजर दुधवा नेशनल पार्क में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं और इसके तहत दुधवा बेल्ट के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप दुधवा टाइगर रिजर्व के व्याख्या केंद्र (इंटरप्रिटेशन सेंटर) को आधुनिक स्वरूप देने की योजना पर कार्य तेज कर दिया गया है। इसके तहत मौजूदा कैंप कार्यालय की मरम्मत, नया आकर्षक रिसेप्शन ब्लॉक, आधुनिक सुविधाओं से युक्त इंटरप्रिटेशन सेंटर, 3-डी म्यूरल और आर्ट पेंटिंग, कैंटीन, मीटिंग हॉल, लाइब्रेरी तथा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। मंत्री ने बताया कि परियोजना में पार्क में स्थापित पशु आकृतियों का नवीनीकरण, पर्यटकों के लिए गार्डन बेंच, डस्टबिन और बेहतर मार्गदर्शन हेतु साइनेज भी शामिल हैं। दीवारों पर जंगल और वन्यजीवों को दर्शाती 3-डी चित्रकारी के माध्यम से दुधवा की जैव विविधता को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि दुधवा को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए साइनेज, आवासीय सुविधाओं और डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। पलिया और दुधवा मार्ग पर आधुनिक संकेतक लगाए जाएंगे। साथ ही टॉनलाइन जानकारी और बुकिंग व्यवस्था को सशक्त किया जा रहा है।

यूपी पर्यटन और यूपीटीडीबी की वेबसाइट पर दुधवा टाइगर रिजर्व के लिए अलग पेज तैयार किया जाएगा, जहां होटल, रिसॉर्ट और होमस्टे से संबंधित पूरी जानक.ारी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र में 23 होमस्टे, दो रिसॉर्ट और पांच होटलों का पंजीकरण किया जा चुका है। वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक वातावरण में योग और ध्यान (मेडिटेशन) स्थल विकसित किए जाएंगे। दुधवा क्षेत्र में पर्यटन के साथ स्थानीय थारू संस्कृति को जोड़ने की दिशा में भी विशेष पहल की जा रही है। पर्यटकों को पारंपरिक 'थारू थाली' और मोटे अनाज से तैयार 'श्री अन्न थाली' परोसी जाएगी, जिससे स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा मिलेगा। अधिकांश होमस्टे संचालक महिलाएं होने के कारण उन्हें होमस्टे संचालन, डिजिटल भुगतान (यूपीआई), अतिथि संवाद, स्टोरी टेलिंग और आतिथ्य प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। थारू समुदाय को पारंपरिक भोजन, हस्तशिल्प और आतिथ्य कौशल में प्रशिक्षित कर उनके उत्पादों के विपणन की व्यवस्था होटल और पर्यटन केंद्रों के माध्यम से की जाएगी। श्री सिंह ने बताया कि कौशल विकास कार्यक्रम के तहत लगभग 150 स्थानीय युवाओं को नेचर गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच जंगलों, वेटलैंड्स और वन्यजीव क्षेत्रों में 44 इको-टूरिज्म अवसंरचना परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें दुधवा, पीलीभीत, रानीपुर और कतर्नियाघाट टाइगर रिजर्व के अलावा हैदरपुर, बखिरा, सुर सरा.ेवर, समसपुर और नवाबगंज जैसे प्रमुख वेटलैंड्स शामिल हैं। मंत्री ने बताया कि दुधवा टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या वर्ष 2022 में लगभग 1.2 लाख से बढ़कर 2025 में करीब 2.1 लाख हो गई है, जिनमें 70,000 से 85,000 पर्यटकों ने सफारी का आनंद लिया। साम.ुदायिक भागीदारी के तहत 53 जिलों में 57 क्यूरेटेड ट्रिप आयोजित की गईं, जिनमें करीब 3,000 छात्र शामिल हुए। वहीं पीलीभीत, दुधवा और कतर्नियाघाट में 143 स्थानीय युवाओं को नेचर गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया गया। पर्यटन विभाग का मानना है कि इन पहलों से दुधवा नेशनल पार्क इको-टूरिज्म, संस्कृति और सतत विकास के समन्वित मॉडल के रूप में स्थापित होगा।

संक्षिप्त समाचार

किसान नेतृत्व का आर-पार की लड़ाई का ऐलान

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह द्वारा आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को 8 माल एवेन्यू में किसान संगठनों के साथ एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें किसान संगठन के नेताओं ने अमे.रिका के दबाव में किए जा रहे तथाकथित भारतख्रअमेरिका व्यापार समझौते को किसान विरोधी, संविधान विरोधी और राष्ट्र विरोधी बताया, इस बैठक में लोकदल के पदाधिकारी और संगठनों के वक्ताओं ने कहा कि यह समझौता देशहित में नहीं, बल्कि दबाव में आए प्रधानमंत्री की राजनीतिक मजबूरी का परिणाम है, जिसकी कीमत भारतीय किसान चुका रहा है। यह समझौता भारतीय ख्रषि को तबाह करने की एक सोची-समझी साजिश है। किसान नेताओं ने कहा कि जहां अमेरिका में एक किसान को हर साल 60 लाख से 2 करोड़ रुपये तक की सरकारी सब्सिडी, आधुनिक तकनीक, सस्ती बिजली, सस्ता डीजल और पूरी सरकारी सुरक्षा मिलती है, वहीं भारत का किसान महंगे बीज, महंगी खाद, महंगे डीजल, कर्ज और बिना डैपी की कानूनी गारंटी के खेत में खड़ा है। आपात बैठक में देश के वरिष्ठ किसान नेताओं ने एक स्वर में संघर्ष का एलान किया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल रहे बी. एम. सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ऋषिपाल अचलावत राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन (अम्बावत) कर्नल राजेंद्र सिंह ख्र राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन मनीष यादव भारतीय किसान यूनियन (दसहरी), लोकदल अध्यक्ष अखिलेश सिंह मुन्ना प्रदीप हुड्डा प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा हरीश हूण किसान नेता एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता के साथ सैकड़ों किसान शामिल हुए।

स्वयं रची फर्जी लूट का खुलासा, ज्वैलर्स सहित तीन गिरफ्तार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले की थाना देल्हूपुर पुलिस ने स्वाट/सर्विलांस सेल और स्पेशल टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक सोना व्यवसाई द्वारा षड्यंत्रपूर्वक स्वयं कराई गई फर्जी लूट की घटना का सफल अनावरण किया है। पुलिस ने मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नौ लाख 60 हजार रुपये नकद, तीन किलोग्राम चांदी, एक अवैध शस्त्र तथा घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने मंगलवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि सोना व्यवसाई रितेश मौर्य ने अपने साथियों के साथ मिलकर सुनियोजित ढंग से लूट की झूठी कहानी रची थी। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने नकदी और चांदी को छिपाकर फर्जी लूट की घटना के माध्यम से भ्रामक स्थिति उत्पन्न करने का प्रयास किया। उल्लेखनीय है कि छह फरवरी को वादी रितेश मौर्य निवासी रामगंज बाजार, थाना रामगंज, जनपद अमेठी ने तहरीर देकर बताया था कि वह प्रयागराज से जेवरात खरीदकर अपने मित्र के साथ टाटा पंच कार से अमेठी जा रहे थे। थाना देल्हूपुर क्षेत्र के गजेहड़ा जंगल के पास स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात व्यक्तियों ने वाहन रोककर बैग छीन लिया, जिसमें तीन किलो चांदी और 9.60 लाख रुपये नकद थे। तहरीर के आधार पर अज्ञात आरो.पियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को घटना संदिग्ध लगी। तकनीकी साक्ष्यों और गहन पूछताछ के आधार पर सच्चाई सामने आई कि लूट की घटना स्वयं वादी द्वारा रची गई थी। गिरफ्तार अभियुक्तों में रितेश मौर्य पुत्र राजाराम मौर्य निवासी रामगंज बाजार थाना रामगंज जनपद अमेठी, अवनीश कुमार तिवारी उर्फ आयुष तिवारी पुत्र जगनारायण तिवारी निवासी राजगढ़ थाना कोतवाली देहात जनपद प्रतापगढ़ तथा अनुज दुबे उर्फ अनोज कुमार दुबे पुत्र हरीराम दुबे निवासी लोकई का पुरवा थाना कोहंडौर जनपद प्रतापगढ़ शामिल हैं।

इटावा में युवक की हत्यारोपी पत्नी प्रेमी संग गिरफ्तार

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के भरथना क्षेत्र के पड़ियापुरा गांव में ट्रक चालक रणवीर सिंह की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर उसकी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को अहनैया नदी के पास से पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकार की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया कि सोमवार तड़के कुल्हाड़ी से वार कर रणवीर सिंह की हत्या कर दी गई थी। मृतक के परिजनों की तहरीर पर उसकी पत्नी पूजा, गांव निवासी अर्पित तथा अर्पित के पिता सर्वेश के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया था। मंगलवार सुबह लगभग 10:20 बजे मुखबिर की सूचना पर भरथना-बिधूना रोड स्थित अहनैया नदी के पास से बाइक पर भागने की फिराक में खड़े पूजा और अर्पित को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके कब्जे से एक बाइक, खून से सनी शर्ट सहित अन्य साक्ष्य बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक के पिता लाखन सिंह ने सोमवार सुबह घर से करीब 150 मीटर दूर खेत में बने मकान पर बेटे का खून से लथपथ शव चबूतरे पर पड़ा देखा था। शव के पास खून से सनी कुल्हाड़ी भी बरामद हुई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पूछताछ में सामने आया कि पूजा और अर्पित के बीच लगभग एक वर्ष से प्रेम संबंध थे। इसकी जानकारी रणवीर को हो गई थी, जिसके चलते दंपति के बीच विवाद होता रहता था। थाना प्रभारी विक्रम सिंह के अनुसार, आरोप है कि रविवार रात रणवीर के घर लौटने पर उसे शराब पिलाई गई और नशे की हालत में कुल्हाड़ी से कई वार कर हत्या कर दी गई।

सीटीईटी परीक्षा में देवरानी के स्थान पर परीक्षा देने आई जेठानी गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी के थाना सिधोरा पुलिस ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) के दौरान कूटचित दस्तावेजों के माध्यम से दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने के मामले में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। देवरानी के स्थान पर परीक्षा देने आई जेठानी समेत दोनों अभियुक्ता पकड़ी गई हैं। पकड़ी गई अभियुक्ताओं में आजमगढ़ निवासी अंजू यादव को परीक्षा केंद्र से ही गिरफ्तार किया गया जबकि अर्चना यादव (27) को आजमगढ़ स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना सिधोरा में धारा 318(4)/319/336(2)/336(3)/61(2) बीएनएस एवं धारा 8(3)/13(4) उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनु.चित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

समाज व ट्रांसजेंडर समुदाय के बीच सेतु होगा 'गरिमा गृह': आनंदीबेन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बस्ती। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि गरिमा गृह समाज और ट्रांसजेंडर समुदाय के बीच सेतु का कार्य करेगा तथा उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

इंदिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लैबुड़वा ताल के समीप निर्मित ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए 'गरिमा गृह' के शिलान्यास अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ट्रांसजेंडरों के उत्थान के लिए नीति बनाकर राज्यों को कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर समाज का अभिन्न अंग हैं और परिवारों को ऐसे बच्चों को अपनाकर शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि गरिमा गृह ट्रांसजेंडरों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देगा। उन्होंने समाज से पूर्वाग्रह त्यागकर संवे.दनशीलता के साथ इस समुदाय को स्वीकार करने की अपील की। कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, डीआईजी संजीव त्यागी, जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना, पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

असम में मुसलमानों के प्रति असवैंधानिक बयानों पर ओलमा कौंसिल का सख्त विरोध

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं असम राज्य प्रभारी मो. नसीम तथा असम प्रदेश अध्यक्ष मौलाना औबेदुर्रहमान कासमी ने आज गुवाहाटी में एक प्रेस वार्ता को संबो.धित किया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने असम के मुख्यमंत्री की नीतियों व मुसलमानों के खिलाफ साम्प्रदायिक व असंवैधानिक बयानों और कार्यशैली के विरोध में सर पर कफन बांधकर प्रतीकात्मक ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मो. नसीम ने कहा कि असम में गरीब मुसलमानों को परेशान किया जा रहा कभी मुख्यमंत्री के बयानों से और डी वोटर्स के नाम पर वोटर लिस्ट मुसलमानों के नाम को काटा जा रहा, मुख्यमंत्री हेमंत कुमार बिस्वा शर्मा मुसलमानों को गोली मारना चाहते है तो हमारे सीने मौजूद है, अगर हमारे खून से उनकी प्यास बुझती है तो आए गोली मारे,एक संवैधानिक पद पर बैठ कर एक मुख्यमंत्री जिस तरह की भाषा बोल रहे है। असम प्रदेश अध्यक्ष मौलाना औबेदुर्रहमान कासमी ने कहा कि सर पर कफन बांधकर प्रेस वार्ता करना इस बात का प्रतीक है कि यदि जरूरत पड़ी तो राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल पार्टी हक और इंसाफ की लड़ाई के लिए किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत कुमार बिस्वा शर्मा की मुसलमान विरोधी नीतियों की घोर निंदा करते हुए कहा कि संविधान की शपथ लेकर मुख्यमंत्री बने हेमंत आये दिन असम के मुसलमानों को प्रताड़ित कर रहे हैं। देश की तमाम संवैधानिक संस्थाएं, न्यायालय, प्रधानमंत्री और अल्पसंख्यक आयोग सब खामोश हैं तो ऐसे में हम ही कफन बांध कर मुख्यमंत्री को चुनैती देते हैं कि आइये अपनी ख्वाहिश को पूरा कर लीजिए।

वाराणसी के दालमंडी आग प्रकरण में दो नामजद, कई अन्य पर मुकदमा

वाराणसी। वाराणसी दालमंडी में मार्ग चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चल रही है। इसी बीच सोमवार को एक दुकानदार ने विरोध जताते हुए छज्जे पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी थी। इस प्रकरण में दालमंडी चौकी प्रभारी प्रकाश सिंह चौहान की तहरीर पर अजमत, फारूक खान तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ चौक थाने में बीएनएस की धारा 221 तथा 7 सीएल एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मंगलवार को सहायक पुलिस आयुक्त डा. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि फारूक को पकड़ लिया गया है, जबकि अजमत अभी भी फरार है।

अजमत ने ही आग लगाई थी। कल जिन 21 जर्जर मकानों को ध्वस्त करना था, आज भी उन बचे हुए मकानों के ध्वस्तीकरण का कार्य जारी रहेगा। टीम द्वारा चिन्हित भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। अब तक 30 से अधिक मकानों को ध्वस्त किया जा चुका है।

यूजीसी रेगुलेशन के समर्थन में डा. पल्लवी पटेल उतरी सड़क पर

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। अपना दल कमेरावादी और विभिन्न सामाजिक, छात्र-युवा संगठनों के द्वारा यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर विशाल मार्च निक.ाला गया।

पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को विश्वविद्यालय के पास स्थित आईटी चौराहे पर प्रदेश भर के विभिन्न जनपदों से आए प्रदर्शनकारियों ने सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल के नेतृत्व में आन्दोलन किया। फूट डालो और राज करो की नीति पर चलने वाली भाजपा सरकार की नियत कभी भी इस देश के वंचित एससी एसटी ओबीसी और अल्पसंख्यकों के प्रति ठीक नहीं रही है। अगड़ा और पिछड़ा के बीच में खाई को और चौड़ा करने तथा जनता की बुनियादी कमाई दवाई एवं पढ़ाई जैसे सवालों पर सरकारों की विफलता से ध्यान हटाने के दोहरी लाभ की साजिशों के तहत यह सब किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी, बड़े सुनियोजित साजिश के तहत यूजीसी रेगुलेशन 2026 को न्यायिक प्रक्रिया में फंसा कर इससे होने वाले वोट के लाभ हानि के जोड़ घटाना में लग गई और जब इस विषय को लेकर वंचित समुदाय एससी एसटी ओबीसी के छात्र नौजवानों ने जगह-जगह स्टडी सलकल, संवाद एवं शांतिपूर्ण पहलकदमियो की शुरुआत की तो पूरी मशीनरी पुलिस प्रशासन बलपूर्वक रो.कने की कोशिश करने लगी। सामाजिक न्याय के लिए यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 लागू होने तक प्रदेश भर में चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।

उच्च न्यायालय ने एसएम कॉलेज की शिक्षिका की याचिका की खारिज

चन्दौसी। माननीय उच्च न्यायालय प्रयागराज/इलाहाबाद ने एस.एम. कॉलेज, चन्दौसी में संविदा पर कार्यरत शिक्षिका द्वारा दायर रिट 1852/2026 को धोखाधड़ी पाए जाने के आधार पर लागत सहित खारिज कर दिया है। न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड आदेश के अनुसार, याचिकाकर्ता ने 25 जनवरी 2026 को शपथपत्र दिया, जबकि आदेश 27 जनवरी 2026 को पारित हुआ, जिसे न्यायालय ने स्पष्ट रूप से धोखाधड़ी माना। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने याचिका वापस लेने और बेहतर विवरण के साथ नई याचिका दायर करने की अनुमति मांगी, जिस पर न्यायालय ने याचिका को वापस लेकर खारिज करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल में 1000 रु0 का जुर्माना जमा करने का निर्देश दिया तथा नई याचिका दायर करने की स्वतंत्रता दी। इस मामले में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद, प्राधिकृत नियंत्रक एस.एम. कॉलेज/जिलाधिकारी संभल एवं आयोग चयनित प्राचार्य प्रो. डॉ. दानवीर सिंह यादव को पक्षकार बनाया गया था। विधिक जानकारों का कहना है कि न्यायालय की इस टिप्पणी के आधार पर महाविद्यालय द्वारा कठोर कार्रवाई संभव है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी शिक्षिका को अपनी याचिका वापस लेनी पड़ी थी तथा 6 फरवरी 2025 को दर्ज कराई गई शिकायत पुलिस जांच में खारिज हो चुकी है। प्राचार्य प्रो. डॉ. दानवीर सिंह यादव की ओर से एडवोकेट गिरीश कुमार यादव और विश्वविद्यालय की ओर से एडवोकेट प्रशांत माथुर ने पैरवी की, जबकि याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट नारायण दत्त शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में फार्मेसी मार्केटिंग पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के संयुक्त तत्वावधान में फार्मेसी छात्र-छात्राओं के लिए ''फार्मेसी कक्षा से फार्मा मार्केटिंग क्षेत्र: एक व्यावहारिक यात्रा'' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने सत्र के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सत्र के मुख्य वक्ता व विश्वविद्यालय के बी.फार्मा 2017 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में एल्केम लेबोरेट्रीज लिमिटेड, बरेली में एरिया बिजनेस मैनेजर के पद पर कार्यरत श्री उमेश गुप्ता ने अपने व्याख्यान में फार्मेसी की पढ़ाई से लेकर फार्मा मार्केटिंग के व्यावहारिक क्षेत्र तक की अपनी पेशेवर यात्रा के संस्मरण को साझा किया। उन्होंने फार्मा मार्केटिंग की संरचना, मेडिकल

रिप्रेजेंटेटिव की भूमिका, बिक्री रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फार्मा मार्केटिंग एक रणनीतिक एवं उत्तरदायी क्षेत्र है, जिसमें वैज्ञानिक ज्ञान के साथ-साथ संचार कौशल, प्रस्तुतीकरण क्षमता, समय प्रबंधन और नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक चुनौतियों से अवगत कराते हुए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक एवं उद्योग-उन्मुख सत्र फार्मेसी छात्रों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं। ऐसे कार्यक्रम छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं और कार्य-संस्कृति से परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि फार्मेसी के विद्यार्थियों के लिए फार्मा मार्केटिंग एक महत्वपूर्ण करियर विकल्प है, जिसमें ज्ञान, कौशल और नैतिकता के संतुलन की आवश्यकता होती है। इस तरह के सत्र विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें अपने भविष्य की दिशा तय करने में भी सहायता प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक व एसओएस स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने सत्र के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस सत्र के आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव एवं सुश्री अंजली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन सुश्री ऋतिका सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर फार्मेसी संकाय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सहभागिता की।

एक नजर

कलश स्थापना पर निकाली गांव में कलश शोभायात्रा

कांठ (शाह टाइम्स)। सलेमपुर गांव में आज मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज और कलश की स्थापना की गई। भाजपा नेता अनुज बिश्नोई ने बताया की कलश स्थापना से पहले गांव में शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से आरंभ होकर गांव में भ्रमण करती हुई चामुंडा देवी स्थान पहुंची और उसके बाद स्वामी जगदेवानंद महाराज ने विधिपूर्वक मंदिर के शिखर पर कलश और धर्म दिवस की स्थापना कराई। यात्रा का मुख्य आकर्षण कलश लेकर चलती हुई छोटी-छोटी कन्याएं रही इसमें सलोनी बिश्नोई बंसी बिश्नोई पन्नू बिश्नोई दिव्यांशी कनिका राखी बिश्नोई ममता बिश्नोई श्रद्धा बिश्नोई आरती बिश्नोई उषा देवी केला देवी अर्चना बिश्नोई भावना बिश्नोई एवं सभी महिलाओं का सहयोग रहा।

छात्र-छात्राओं ने ग्रामीणों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

सुरजन नगर। गांधी स्मारक महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. कुलदीप कुमार व्यास ने इस कार्यक्रम का शुभारंभकिया।शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए पास के गांवों का भ्रमण किया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने की अनिवार्यता पर जोर दिया।इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य भूपेंद्र सिंह के साथ शिक्षक स्वर्ण पाल शर्मा अरुण कुमार और विजय कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में कुलदीप, प्रदीप, कनिका, कविता, निशा, विशाखा, मनीषा, राहुल, अमित, सुमित और कपिल सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

कुलदीप शर्मा को विश्व हिंदू परिषद में मिली जिला विधि प्रमुख की जिम्मेदारी

कांठ(शाह टाइम्स) विश्व हिन्दू परिषद ठाकुरद्वारा जिले की बैठक मे विभाग संघठन मंत्री ब्रजेश कुमार, जिला संघटन मंत्री देवेश राणा की उपस्थिति मे कांठ छेत्र के पचोकरा गांव निवासी एडवोकेट कुलदीप शर्मा को जिला विधि प्रमुख विश्व हिन्दू परिषद(ठाकुरद्वारा)मुरादाबाद जिला घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त छजलेट के गांव दुहलपुर निवासी रंजीत कुमार को विश्व हिन्दू परिषद के छजलेट खण्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, खुशहालपुर निवासी हरवीर सैनी को विश्व हिन्दू परिषद छजलेट खंड का मंत्री बनाया गया है। जिला बैठक मे सचिन विश्नोई, बिर्जेश कुमार, देवेश कुमार राणा, कुलदीप शर्मा, हरवीर सैनी, रंजीत कुमार, शंकर राजपूत, अजय कुमार, सुभाष कुमार,रवि कुमार, रजनीश गर्ग,अलका कुमारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला से मारपीट में छह पर एफआईआर

कांठ(शाह टाइम्स) पुलिस ने महिला से मारपीट किए जाने के आरोप में छ: पर एफआईआर दर्ज की है। पाठन्गी निवासी रेशमा पत्नी आसिफ का आरोप है की 9 फरवरी की शाम करीब 6:00 बजे उसके घर में गांव के आलमगीर व इंतजार पुत्रगण अलाउद्दीन नवाजिश पुत्र अल्तमश अल्तमस पुत्र इंतजार नरगिस पत्नी आलमगीर रुखसाना पत्नी इंतजार ने आकर उसकी मां अनीशा के साथ गाली-गलौज करनी शुरू कर दी इसका विरोध किया तो उन्होंने मारपीट कर उसकी मां को चोट पहुंचाई गांव वाले आए तो वह जान से मारने की धमकी देकर चले गए। रेशमा थाने पहुंची और उसने सभी के खिलाफ थाने में तहरीर दी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

टीम ने दलपतपुर पराग डेयरी का किया विजिट

शाह टाइम्स संवाददाता बिलारी। विकासखंड बिलारी से एक टीम को पराग डेयरी के लिए रवाना किया गया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जैन, खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राजपाल सिंह, ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार के अलावा व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जैन, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राजपाल सिंह ने स्कूली बच्चों की एक टीम को दलपतपुर स्थित पराग डेरी के लिए रवाना किया। एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत बच्चों ने पराग डेयरी के अंदर घूम कर जानकारी हासिल की, वहां होने वाले कार्य आदि के बारे में जाना, अध्यापक राजीव कुमार, स्वदेश कुमार, मोहम्मद सुलेमान अंसारी, वरुण कुमार, पुष्पेंद्र, पराग आदि अध्यापक भी टीम में शामिल रहे। जहां बच्चों को जानकारी दी गई कि किस तरह से पराग डेयरी के भीतर कार्य किया जाता है और किस-किस उत्पाद का निर्माण किया जाता है, कहां-कहां से दूध कलेक्ट करके यहां से जनता तक सप्लाई किया जाता है। इसके अलावा हर चीज का बारीकी से अध्ययन और निरीक्षण भी कराया गया।

बार एसोसिएशन ने अधिवक्ता पर हमले के प्रयास को लेकर की कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी, मुरादाबाद ने अपने सम्मानित सदस्य एडवोकेट मोहम्मद मुस्तफा के साथ हुई गंभीर घटना को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वही अधिवक्ताओं ने बुध बाजार चौकी पर पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा भी किया। जानकारी के अनुसार एडवोकेट मोहम्मद मुस्तफा 10 फरवरी की सुबह लगभग 10 बजे रोज की तरह कचहरी परिसर जाने के लिए भोजपुर बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान काशीपुर की ओर से आ रही एक प्राइवेट सुपर फास्ट बस को उन्होंने रोकने का इशारा किया, लेकिन बस चालक ने जानबूझकर बस की रफ्तार तेज कर दी और उन्हें टक्कर मारने के इरादे से बस चढ़ाने का प्रयास किया। समय रहते वे पीछे हट गए, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।इसके बाद मोहम्मद मुस्तफा दूसरी बस से मुरादाबाद बस स्टैंड पहुंचे और बस न रोकने की शिकायत प्राइवेट बस यूनियन के अध्यक्ष पप्पी लाला से की। आरोप है कि इस पर यूनियन अध्यक्ष ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और कहा कि उनके लिए बस नहीं रुकेगी। विरोध करने पर बस कर्मचारियों बृजेश, हाजी शाहीद, इरफान, आबिद, शरीफ सहित करीब 20 लोगों ने गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और मारपीट पर आमादा हो गए।मौके पर मौजूद सुमित मिश्रा और शाकिब ने किसी तरह अधिवक्ता को बचाया। आरोपियों ने भविष्य में बस रोकने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना से आहत अधिवक्ता ने न्याय की गुहार लगाई है। बार एसोसिएशन ने एसएसपी से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

एएसपी अनुज चौधरी पर एफआईआर के आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को वर्ष 2024 के विवादित संभल शाही जामा मस्जिद सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के मामले में एएसपी अनुज चौधरी (पूर्व सीओ, संभल) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के जिला न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है। इससे पहले जनवरी में संभल की सीजेएम अदालत ने हिंसा के दौरान एक युवक को गोली लगने के आरोपों को लेकर एएसपी अनुज चौधरी, इंस्पेक्टर अनुज तोमर सहित अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। उल्लेखनीय है कि उक्त आदेश पारित होने के तुरंत बाद सीजेएम विभान्शु सुधीर का संभल से तबादला कर दिया गया था। गौरतलब है कि 19 नवंबर 2024 को उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसक झड़पें हुई थीं। वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दायर

याचिका पर अदालत के आदेश से यह सर्वे कराया गया था, जिसका उद्देश्य यह तय करना था कि मस्जिद मूल रूप से मंदिर थी या नहीं। हिंसा के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई थी,

जबकि पुलिसकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित लगभग दो दर्जन लोग घायल हुए थे। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का प्रयोग करना पड़ा था। वहीं, पिछले वर्ष अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कथित रूप से संलिप्त तीन आरोपियों मोहम्मद दानिश, फैजान और नाजिर को जमानत प्रदान की थी।

नगला पूर्वा प्राथमिक विद्यालय मामला: एआरपी नाजिम ने आरोपों को बताया साजिश

चन्दौसी। थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के नगला पूर्वा प्राथमिक विद्यालय में आयतें लिखे पोस्टर लगाए जाने के मामले में विद्यालय में कार्यरत एआरपी नाजिम ने अपनी सफाई पेश की है। नाजिम ने बताया कि वह विद्यालय में एआरपी का कार्य देखते हैं और उन्हें कार्य के सिलसिले में अक्सर बाहर जाना पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना से एक दिन पूर्व ही बीएसए अलका शर्मा द्वारा विद्यालय का निरीक्षण किया गया था, उस समय विद्यालय की दीवारों पर किसी भी प्रकार के पोस्टर नहीं लगे हुए थे।

एआरपी नाजिम का कहना है कि उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानाध्यापिका पुष्पा रानी पूर्व में भी निलंबित हो चुकी हैं और जहां-जहां उनकी तैनाती रही है, वहां किसी न किसी विवाद में उनका नाम सामने आता रहा है। फिलहाल इस प्रकरण में एआरपी नाजिम व प्रधानाध्यापिका पुष्पा रानी को निलंबित कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने की मांग की, वन विभाग ने दिया आश्वासन

शाह टाइम्स संवाददाता

सुरजननगर। दूल्हापुर पट्टी गांव में एक तेंदुए ने विजयपाल सिंह के घर में घुसकर पालतू कुत्ते को मार डाला। यह घटना शनिवार रात को हुई, जिसके बाद रविवार रात को भी तेंदुआ दो बार घर में आया। लगातार तेंदुए के आने पर सोमवार को ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी और घटनास्थल पर प्रदर्शन कर पिंजरा लगाने की मांग की। रात को कुत्ते को मारने के बाद, रविवार रात को रवि कुमार घर के आंगन में कार में शीशे बंद करके बैठे थे। रात करीब 12 बजे तेंदुआ दीवार कूदकर आंगन में आ गया। रवि ने फोन पर परिजनों को सूचना दी, लेकिन जब तक वे उठे, तेंदुआ भाग गया। सुबह 4 बजे तेंदुआ फिर घर में आया। रवि ने दोबारा परिजनों को बताया, जो छत पर पहुंच गए। शोर सुनकर तेंदुआ परिजनों के सामने ही छलांग लगाकर घर से भाग गया।सोमवार को ग्राम प्रधान वेद प्रकाश सिंह ने वन विभाग को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर वन दरोगा पीयूष जोशी अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाने की मांग की।वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को खेतों में काम करने के लिए समूह में लाठी-डंडे लेकर जाने की सलाह दी। पीयूष जोशी ने ग्रामीणों को जल्द ही गांव में पिंजरा लगाने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में आनंद सिंह, रविकुमार, शैलेंद्र कुमार, छोटे सिंह, नरपत सिंह, देवेंद्र सिंह सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

किसानों के भविष्य को नई दिशा देती शॉर्ट मूवी का निर्माण शुरू

शॉर्ट मूवी में डॉ. अय्यूब हुसैन सीईओ एग्रोहब एक वैज्ञानिक के रूप भूमिका निभाएंगे

मुरादाबाद। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों पर राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (NFDC) द्वारा जल संचय एवं जलीय खेती पर आधारित एक प्रेरणादायक शॉर्ट मूवी का निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म में विशेष रूप से पर्ल्स (मोती) फार्मिंग और उत्तर प्रदेश सरकार की खेत-तालाब योजना को प्रमुखता से दर्शाया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों को शामिल किया गया है। फिल्म का मुख्य उद्देश्य किसानों को जलीय खेती के प्रति प्रेरित करना, कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के आधुनिक तरीकों की जानकारी देना तथा किसानों की आय को दोगुना करने की संभावनाओं को उजागर करना है। शॉर्ट मूवी में प्रधानमंत्री द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है, ताकि किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ सकें।

इस शॉर्ट मूवी में डॉ. अय्यूब हुसैन, सीईओ, एग्रोहब उत्तर प्रदेश, एक वैज्ञानिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वे जलीय खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों और कम लागत में अधिक आय के

व्यावहारिक उपायों को सरल और सहज भाषा में किसानों तक पहुंचा रहे हैं। पूरी फिल्म में उनकी भूमिका को बेहद अहम माना जा रहा है। फिल्म की शूटिंग में प्रसिद्ध कलाकारों के साथ-साथ वास्तविक किसानों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे फिल्म की विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। किसानों के बीच यह शॉर्ट मूवी पहले से ही काफी सराहना बटोर रही है। इस परियोजना के निर्माण में कृषि विभाग, कानपुर तथा बीएसए कानपुर का विशेष सहयोग रहा है। उम्मीद की जा रही है कि शूटिंग पूर्ण होने के बाद यह शॉर्ट मूवी आधुनिक खेती और जलीय कृषि को बढ़ावा देने में किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस पूरे कार्यक्रम में डायरेक्टर आनंद कुमार त्रिपाठी, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी कुशवाहा तथा कृषि विभाग, कानपुर का अत्यंत सहयोग रहा। यह समस्त शूटिंग NFDC द्वारा की जा रही है।

एसडीएम ने बच्चों को खिलाई एल्बेंडाजोल की टेबलेट

शाह टाइम्स संवाददाता

बिलारी। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के तहत एसडीएम विनय कुमार सिंह राजकीय इंटर कॉलेज नगलिया जट एवं कंपोजिट विद्यालय बिलारी में बच्चों को अल्बेंडाजोल की टेबलेट खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंगलवार को एसडीएम विनय कुमार सिंह ने बच्चों को स्वस्थ रहने और स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया तथा स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं से लाभ उठा कर बच्चे स्वस्थ रह सकते हैं। जिस प्रकार माह अगस्त और फरवरी में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम में सभी बच्चों को अल्बेंडाजोल की टेबलेट खिलाई जाती है।

बताया कि पेट में पनप रहे कीड़ों से बच्चों का स्वास्थ्य खराब हो जाता है और वह बीमारी की चपेट में आ जाते हैं, इसलिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस योजना का लाभ उठाते हुए सभी बच्चे इस टैबलेट का सेवन करें, चिकित्सा अधीक्षक डां राजपाल सिंह, डॉ श्वेताम्बरी त्यागी द्वारा कंपोजिट विद्यालय बिलारी में बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

बच्चों को साफ रहने, हैंड वॉश करने खाना खाने से पूर्व हाथों को साफ करने साफ सफाई रखना आदि के विषय में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक चंचल सिंह आजाद, प्रधानाचार्य के साथ-साथ सभी अध्यापक उपस्थित रहे।

एमआईटी संस्थान में वार्डन व स्वयंसेवक के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मुरादाबाद। केंद्रीय गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं निदेशालय नागरिक सुरक्षा उ0 प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार एम आई टी संस्थान में आयोजित वार्डन एवं स्वयंसेवक के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ सत्र के पंचम दिन आज प्रशिक्षण सत्र में सर्वप्रथम ष्इतनी शक्ति हमें देना दाताष प्रार्थना की गई। प्रथम सेशन में श्री आर के सिंह, ए सी एम ओ द्वारा बचाव के तरीके को समझाया गया और सीपीआर का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बताया कि कैसे आपदाओं के समय में लोगों को बचाया जा सकता है और उनकी जान बचाई जा सकती है। दूसरे सेशन में डॉ अनुपमा मिश्रा द्वारा जतपंहम के बारे में विस्तार से समझाया गया और वार्डन की भूमिका पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि कैसे वार्डन आपदाओं के समय में लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा सकते हैं और उनकी मदद कर सकते हैं। तत्पश्चात नीरज चक, उपनियंत्रक द्वारा अतिथि वक्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। तीसरे सेशन में श्री सतीश कुमार सहायक उपनियंत्रक (व0वे0) द्वारा बचाव का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बताया कि कैसे आपदाओं के समय में लोगों को बचाया जा सकता है और उनकी जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा कार्यालय से चमन कुमार शर्मा, तुषार अग्रवाल मास्टर ट्रेनर अखिल अग्रवाल, विवेक कुमार यादव, डिविजन वार्डन सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता, मो खालिद, स्टाफ अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता, वसीम अंसारी, वसीम अख्तर, डॉ शफीक अहमद, शरीफ अहमद अनुज कुमार गुप्ता आदि ने उपस्थित रह कर सहयोग प्रदान किया।

नाबालिग को भगा ले जाने वाले युवक सहित 6 लोगों पर रिपोर्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। एक नाबालिग लड़की को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। लड़की अपने साथ घर में रखे सोने के जेबरात और नगदी भी ले गई है। जब लड़का पक्ष से लड़की पक्ष ने लड़की को वापस करने के लिये कहा तो वह टाल मटोल करने लगे।

इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मोहल्ला ठाकुरध्द्वारा कस्बा फरीदपुर थाना बहेड़ी निवासी एक युवक का कहना है कि उसकी 16 साल की नाबालिग पुत्री बीती 5 फरवरी की शाम 5 बजे घर से कहीं चली गई। पुत्री के न मिलने पर पूछताछ के दौरान उसे पता चला कि पुत्री को धर्मवीर पुत्र ताराचन्द निवासी ग्राम जनकपुरी थाना न्यूरिया जिला पीलीभीत बहला-फुसला कर अपने साथ भगा ले गया है।

उसकी पुत्री घर में रखी सोने की एक चौन, अंगूठी, एक हार, चांदी की पायल व नकद 50,000/- रुपये अपने साथ ले गयी है।

उसने जब धर्मवीर के परिवार वालों से शिकायत की तो उक्त लोग उसको मां बहन की गन्दी-गन्दी गालियां देने लगे और बोले हां तेरी बेटी को हमारा बेटा भगा ले गया है। उनके सामने गिड़गिड़ाने पर उक्त लोगों ने कहा कि वह उसकी लड़की लालाश कर वापस कर देंगे।

लड़की के पिता का कहना है कि उक्त लोगों ने अभी तक उसकी पुत्री को वापस नहीं किया है और टाल मटोल कर रहे हैं। गाली गलौज करते हुए कहा कि अगर तू अब यहाँ आया या कहीं शिकायत की तो तुझे व तेरी बेटी को जान से मार देंगे।

इस मामले में पुलिस ने लड़की के पिता की तहरीर पर आरोपी युवक धर्मवीर, उसके परिवार के ताराचंद, आकाश, देवेंद्र, आरती, चंद्र प्रकाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर हुई कार्यशाला

■ साइबर स्वच्छता, एआई के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव पर दिया गया प्रशिक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे ने की। इस अवसर पर स्मार्ट तकनीक के सुरक्षित विकल्पों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार उपयोग, साइबर स्वच्छता तथा बढ़ते साइबर खतरों से बचाव को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यशाला का उद्देश्य नागरिकों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देना रहा। बताया गया कि सुरक्षित इंटरनेट दिवस हर वर्ष फरवरी माह के दूसरे मंगलवार को विश्वभर में मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य इंटरनेट के सुरक्षित, सकारात्मक और जिम्मेदार उपयोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है।

इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मो. सिबतेन एवं अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी कृष्ण मुरारी द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन और जागरूकता वीडियो के माध्यम से साइबर फ्रॉड एवं अन्य डिजिटल खतरों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किसी भी कॉल, मैसेज या ई-मेल पर ओटीपी, पिन, पासवर्ड, आधार, पैन या बैंक विवरण साझा न करें। अज्ञात नंबरों से आने वाले लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा अधिक लाभ का लालच देने वाले निवेश प्रस्तावों से सतर्क रहें।

कार्यशाला में यह भी स्पष्ट किया गया कि कोई भी सरकारी एजेंसी जैसे पुलिस, सीबीआई, ईडी आदि वीडियो या वॉयस कॉल के माध्यम से जांच या गिरफ्तारी की बात नहीं करती। भुगतान प्राप्त करने के नाम पर क्यूआर कोड स्कैन कराना या ओटीपी मांगना साइबर ठगी का तरीका हो सकता है। संवेदनशील लेन-देन के लिए सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग न करने की सलाह दी गई।

साइबर क्राइम इंस्पेक्टर नीरज सिंह ने बताया कि अज्ञानता, डर और लालच साइबर फ्रॉड के मुख्य कारण हैं।

डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकियों से न डरें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 या वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने मजबूत पासवर्ड, डबल फैक्टर ऑथेंटिकेशन और ऐप्स को नियमित अपडेट रखने पर जोर दिया।

कार्यशाला में नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, जिला सूचना अधिकारी नीतू कनौजिया, आईटीआई बरेली के शिक्षक व छात्र-छात्राएं, जनसेवा केंद्र संचालक तथा कलेक्ट्रेट कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी से अपील की गई कि स्वयं सुरक्षित इंटरनेट का उपयोग करें और अपने आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

एक नजर

गन्ना भुगतान को लेकर सीएम से मिले विधायक

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। ओसवाल और बजाज चीनी मिल पर गन्ना किसानों का करोड़ो रुपए का बकाए भुगतान कराए जाने की मांग को लेकर आज विधायक डॉक्टर एमपी आर्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिले, जिसपर उन्होंने कार्यवाही का भरोसा दिया है।

अपने विधानसभा क्षेत्र की कई समस्याओं को लेकर विधायक डॉक्टर एमपी आर्य मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके कार्यालय में मिले। विधायक ने क्षेत्र की ओसवाल चीनी मिल के साथ ही बरखेड़ा बजाज चीनी मिल पर क्षेत्र के गन्ना किसानों का करोड़ों रुपए बकाया है, बकाए का भुगतान न होने से क्षेत्र का किसान बेहद परेशान है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस मामले में एक पत्र देकर तत्काल ही बकाए गन्ने का भुगतान कराए जाने की मांग की। इसके साथ ही विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ने क्योलड़िया डैम की अप्सरा नदी के पुल के जर्जर होने पर इसका पुनर्निर्माण कराए जाने, ग्राम अधकटा रव्वानी बेगम और दलेलनगर के बीच अप्सरा नदी पर बना पुल काफी पुराना और जर्जर है। दोनों ओर सड़क के चौड़े होने की वजह से कई हादसो में कई जाने जा चुकी हैं, उन्होंने इस पुल के स्थान पर नया पुल बनवाए जाने की मांग की।

इसके साथ विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ने पिछले काफी दिनों से शासन में लम्बित पड़े निष्प्ररोज्य रोडवेज की भूमि के प्रस्ताव की पत्रावली को राजस्व विभाग से परिवहन विभाग को अन्तरण किए गए की मांग की। विधायक डॉक्टर एमपी आर्य द्वारा की गई इस मांगों पर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कार्यवाही का आश्वासन दिया। उनके साथ कैंट के विधायक संजीव अग्रवाल भी शामिल थे।

परिवार से बिछड़ी तीन वर्षीय बच्ची को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुबह कस्बे के मोहल्ला गढ़ी में एक 3 वर्षीय मासूम बच्ची के रोते हुए मिलने की सूचना मिलते ही थाना शीशगढ़ मिशन शक्ति टीम महिला उपनिरीक्षक काजल कौशल, मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार व सिपाही तरुण एवं महिला आरक्षी अलका मौके पर पहुंचे और बच्ची को अपनी सुरक्षा में ले लिया। बच्ची से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम विधि बताया। पुलिस टीम ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए सोशल मीडिया, स्थानीय लोगों से संपर्क साधा तथा अन्य उपलब्ध माध्यमों से बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप मात्र एक घंटे के अंदर बच्ची के परिजनों का पता लगाया गया, और उन्हें सूचित कर बच्ची विधि को परिजनों को सौंप दिया। कस्बे के मोहल्ला जाटवान निवासी बच्ची के पिता जयेंदर ने बताया कि बच्ची घर से अकेले घूमते-घूमते बाहर कहीं चली गई थी। बच्ची के परिजनों ने पुलिस टीम को धन्यवाद देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाई गई योजना की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

सड़क पर खड़े गन्ना लदे ट्रक में घुसी कार, तीन गंभीर घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। धनेटा-शीशगढ़ रोड पर गांव जुन्हाई व फिरोजपुर के बीच सोमवार की रात करीब 11:30 बजे सड़क पर खराब हालत में खड़े ओवरलोड गन्ना लदे ट्रक में पीछे से एक आल्टो कार जा घुसी। टक्कर में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में धनेटा फाटक निवासी सुखनंदन, अवधेश कुमार और उनके चाचा सुम्मेरी लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकलवाकर इलाज के लिए निजी अस्पताल भिजवाया। बताया गया कि कार सवार चाचा भतीजे शीशगढ़ में रिश्तेदार की शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार गन्ना लदा ट्रक रविवार दोपहर से सड़क पर खराब हालत में खड़ा था। ट्रक के आगे-पीछे किसी भी प्रकार का चेतावनी संकेतक या पार्किंग लाइट नहीं लगी थी। इसी लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ। टक्कर के बाद ट्रक से बाहर निकले गन्ने कार में घुस गए, जिससे घायलों के सीने में गंभीर चोटें आईं और वे लहूलुहान हो गए।

गनीमत रही कि कार के एयरबैग खुल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया, अन्यथा जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता था। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क सुरक्षा रैली से युवाओं ने दिया जागरूकता का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। अनुबिस डिग्री कॉलेज, मीरगंज में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के तहत स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकालकर नारों व स्लोगनों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के पालन व सुरक्षित सफर के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. नागेश्वर प्रसाद शुक्ल ने कहा कि सरकार युवाओं में कौशल विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। युवा शक्ति देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी ताराचंद, गयाराम सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। स्वास्थ्य विभाग ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) पर राजकीय हाई स्कूल बल्लिया, दिव्य कृपाल विद्या मंदिर इंटर कालेज एवं कंपोजिट विद्यालय हल्दी खुर्द, फिरोजपुर, में मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित किए।

कार्यक्रमों में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर पुनीत सक्सेना, किशोर स्वास्थ्य काउंसलर अवधेश शर्मा एवं सीकेडी के प्रियंशु शर्मा ने विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को कृमिनाशक टेबलेट खिलाई। उन्होने पेट के कीड़ों से होने वाले दुष्प्रभावों, एनीमिया की रोकथाम और स्वच्छता एवं पोषण के महत्व की जानकारी दी। मीरगंज ब्लाक के स्कूल, कालेजों, बेसक स्कूलों एवं मान्यता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों ने छात्र छात्राओं को उनकी उम्र के अनुसार कृमि नाशक टेबलेट खिलाईं।

यातायात के नियमों के पालन की ली शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत एनएसएस छात्रों द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली गई। प्राचार्य एस.के. सिंह के निर्देशन में सड़क सुरक्षा क्लब के तत्वावधान में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई।

रैली के दौरान पोस्टर व नारों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि यातायात नियमों का पालन कर ही सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और जीवन को सुरक्षित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा संयोजक डॉ. आतिफ खान, बी.के. प्रधान, वीरेंद्र शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अवैध शराब के साथ एक पकड़ा

■ पुलिस ने पांच लीटर शराब खाम व उपकरण किए बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पांच लीटर अवैध शराब खाम तथा शराब बनाने के उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुबेन्दर सिंह उर्फ सोनू पुत्र निर्मल सिंह, निवासी ग्राम डांडी अभयचंद, थाना बहेड़ी, जनपद बरेली के रूप में हुई है। आरोपी अवैध रूप से शराब रखने व बनाने की गतिविधियों में संलिप्त पाया गया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। ब्लॉक संसाधन केंद्र चुरई दलपतपुर, मीरगंज में परिषदीय विद्यालयों की विद्यालय प्रबंध समितियों एवं प्रधानाध्यापकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने की।

अवनीश कुमार ने विद्यालय प्रबंध समिति के उद्देश्य, संरचना एवं दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय की विकास योजना एवं शैक्षिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन में समिति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने प्रधानाध्यापकों से आह्वान किया कि वे विद्यालय प्रबंध समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर विद्यालय विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्षों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में एआरपी सचिन मुरारी शर्मा, पूनम देवी, राजेश कुमार एवं अरविंद कुमार ने विद्यालय प्रबंध समिति के कार्यों एवं दायित्वों पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में शिक्षक तेज बहादुर, अमित कुमार, तेजपाल, घनश्याम शर्मा, अरविंद शर्मा, सर्वेश कुमार, रमेश मौर्य, विजय आर्य, ज्ञान स्वरूप, धन सिंह एवं देवेंद्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि व आगामी त्योहारों को लेकर पीस कमेटी बैठक सम्पन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। महाशिवरात्रि एवं अन्य आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे ने की। बैठक में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान क्षेत्रवार लोगों से समस्याओं की जानकारी ली गई, जिस पर अपर जिलाधिकारी नगर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। आयोजकों द्वारा शोभायात्रा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति, मांस-मदिरा की दुकानों को बंद कराने, आवासीय क्षेत्रों की संकरी गलियों में लटकी विद्युत केबलों को दुरुस्त कराने जैसे मुद्दे उठाए गए।

धोपेश्वर नाथ मंदिर के महंत ने मंदिर परिसर में पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य के कारण फैली निर्माण सामग्री से महाशिवरात्रि पर आने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली संभावित असुविधा से अवगत कराया। इस पर संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि जनपद के सातों प्रमुख शिव मंदिरों पर एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तथा जलकुंड वाले मंदिरों में गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। शोभायात्रा आयोजकों को निर्देशित किया गया कि यात्रा में शामिल वाहनों की फिटनेस जांच कराई जाए और शोभायात्रा निर्धारित समय पर ही निकाली जाए। डीजे संचालन के दौरान शासन द्वारा तय मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा आपत्तिजनक व माहौल बिगाड़ने वाले गीत न बजाने के निर्देश भी दिए गए।

मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश व निकास द्वार अलग-अलग रखने, फर्श को फिसलन रहित बनाने, खुले विद्युत तारों को सुरक्षित करने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों को समय रहते दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए।

अपर जिलाधिकारी नगर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि महाशिवरात्रि के अवसर पर बिना अनुमति बड़े झूले नहीं लगाए जाएंगे। झूलों के लिए मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल सर्टिफिकेट अनिवार्य होगा तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। पार्किंग स्थलों को पूर्व से चिन्हित करने एवं शोभायात्रा मार्गों का पहले निरीक्षण कराने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि थानावार पीस कमेटी की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी तय कर ली जाए। आयोजकों के पास अपने क्षेत्र के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क नंबर होना आवश्यक बताया गया।

कमरे में घुसकर देवर ने भाभी से जबरन किया बलात्कार

■ दहेज में स्कार्पियों व 30 लाख न लाने पर महिला को किया जा रहा था प्रताड़ित

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। एक महिला ने अपने देवर पर कमरे में घुसकर उसके साथ जबरन बलात्कार करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि जब उसने इसकी शिकायत अपने पति व ससुराल वालों से की तो उन्होंने उससे कहा कि जब तक तू दहेज में 30 लाख रुपये लेकर नहीं आएगी तब तक उसे यह सब सहना पड़ेगा। महिला इसके बाद अपने मायके आ गई और मामले की तहरीर पुलिस को दी, जिसपर पुलिस ने पति समेत ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर के मोहल्ला लाईनपार नई बस्ती निवासी एक महिला का कहना है कि उसकी शादी इन्तेखाब पुत्र मुश्ताक अहमद निवासी मोहल्ला लाईनपार कस्बा व थाना बहेड़ी के साथ हुई थी। शादी में उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत के मुताबिक लगभग 20 लाख रुपये खर्च किये थे। शादी के कुछ समय बाद पति इंतेखाब, सास महरू निशा, देवर परवेज, शाहदाब, जेठ मुमताज, फुफिया सास दहेज में एक स्कार्पियों कार व 25-30 लाख रुपये की मांग करने लगे, जिसपर उसने उनकी मांग पूरी करने से मना कर दिया। महिला का कहना है कि उसका देवर परवेज उसपर बुरी नियत रखता है, और चोरी छिपे उसके नहाने की वीडियो बनाता है। जब उसने इसकी शिकायत पति, सास जेठ से की तो वह लोग उल्टा उसको ही डांटने लगे, और गाली गलौज करते हुए कहा कि वह जैसा कर रहा है उसे वैसा करने दो। धमकी दी कि अगर तूने उसकी बात को नहीं माना तो तेरी नहाते हुए वाली वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करवा दूंगा।

दिनांक 27.01.2026 जब घर के बाकी लोग कहीं गए हुए थे तब उसका देवर कमरे में घुस आया, और उसको अकेले देखकर उसके साथ अश्लील छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर देवर ने उसके कपड़े फाड़ दिये और जबरन बेड पर गिराकर उसके साथ बलात्कार किया। दिनांक 28.01.2026 को पति के वापस आने पर जब उसने देवर परवेज की करतूत के बारे में बताया तो उसका पति कहने लगा कि मेरा भाई जैसा कह रहा है उसे करने दे, तेरे लिये वही अच्छा होगा। जब इसने इसकी शिकायत मायके वालों से की तो पति व ससुरालीजन ने उसको एक कमरे में बन्द कर दिया। अगले दिन दिनांक 29.01.2026 को समय लगभग 01:00 बजे उसका भाई, पिता ससुराल पहुंचे और कमरा खोलकर उसे कमरे से बाहर निकाला। इसके बाद भाई ने तुरंत 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुला लिया। उसके मायके वालों के आने से पहले ससुराल वाले मौके से भाग गए। इसी दिन वह भाई व पिता के साथ अपने मायके आ गयी। महिला की तहरीर पर पुलिस ने पति इन्तेखाब, सास महरून्शिा, देवर परवेज व शाहदाब, जेठ मुमताज, फुफिया सास आसमा निवासीगण लाइनपर कस्बा व थाना बहेड़ी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

डीएम से की गई शिकायत पर आखिर देर शाम पालिका ने आवासों की सूची की चस्पा

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 485 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। अभ्यर्थियों के नाम की सूची को सार्वजनिक न किए जाने को लेकर कस्बे में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं थीं।

बीते शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे डीएम के सामने प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ा घोटाला किए गए जाने का मामला प्रमुखता से उठाया गया था। साथ ही जिलाधिकारी से अभ्यर्थियों की सूची को गोपनीय रखे जाने का आरोप नगर पालिका परिषद प्रशासन पर लगाया गया था, जिस पर डीएम ने परिषद के अधिशासी अधिकारी को सूची सार्वजनिक किए जाने के साथ ही इस मामले की जांच के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी के निर्देशों पर मंगलवार देर शाम को नगर पालिका कार्यालय में आवासों की सूची चस्पा कर दी गई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या- 2305 /न0पा0प0 ब0/कर/2025-26 दिनांक-20.01.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तगर्त आराजी-424 वार्ड-05 जो मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखों में श्री मो0 अहमद मुन्ने पुत्र श्री अहमद रजा के नाम से दर्ज है। उक्त आराजी को दान विलेख पत्र दिनांक-23.03.2024 के द्वारा श्री मो0 अहमद मुन्ने पुत्र श्री अहमद रजा निवासी मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने श्रीमती सूराज जहां पत्नी स्व0 श्री तनवीर अहमद निवासी मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली को दान कर दिया गया है। श्रीमती सूराज जहां पत्नी स्व0 श्री तनवीर अहमद निवासी मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न करते हुए आराजी को अपने नाम से पालिका कर अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

टोलकर्मी की मौत प्रकरण में मुआवजे की मांग को लेकर थाने पर जुटे ग्रामीण, प्रशासन की मौजूदगी में हुआ समझौता

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सतुईया पट्टी गांव के पास सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में टोल कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। डिवाइडर के बीच लगे पेड़ों में पानी दे रहे कर्मचारी को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

परमानन्द गंगवार पुत्र रोशन लाल गंगवार निवासी ग्राम खिरका जगतपुर टोल प्लाजा पर कई वर्षों से कार्यरत थे। सोमवार को वह टैंकर के माध्यम से हाईवे के डिवाइडर पर लगे पौधों में पानी दे रहे थे। इसी दौरान मीरगंज की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी परमानन्द की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस स्थिति को नियंत्रित कर लिया। परमानन्द अपने पीछे पत्नी जमुना देवी, दो बेटियां वंदना व मनु और एक बेटा आनंद को छोड़ गए हैं। वह परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनकी अचानक मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मंगलवार सुबह सैकड़ों ग्रामीण और परिजन फतेहगंज पश्चिमी थाने पहुंचे और टोल प्रबंधन से 20 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। भीड़ बढ़ने पर थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। मौके पर एसडीएम मीरगंज, सीओ हाईवे शिवम आशुतोष, टोल मैनेजर ऐश्वर्या चौहान एनएचआई टीम व कई थानों की पुलिस पहुंची। दोनों पक्षों के बीच लंबी वार्ता के बाद समझौता हुआ। कंपनी की ओर से मृतक परिवार को आर्थिक सहायता देते हुये बीस हजार अंतिम संस्कार को तथा मृतक की पत्नी को पंद्रह हजार प्रतिमाह सहयोग राशि देने का आश्वासन दिया गया। साथ ही वर्कमैन कम्पेनसेशन पॉलिसी के तहत मिलने वाली धनराशि की प्रक्रिया पूरी कराने और कानूनी खर्च वहन करने की बात कही गई। समझौते के बाद पुलिस की मौजूदगी में गांव पहुंचकर अंतिम संस्कार कराया गया।

सम्बन्ध विच्छेद

मैंने अपने पुत्र मोहम्मद उमैर और मोहम्मद आलिश को गलत चाल चलन व अभद्र व्यवहार करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति व अपने परिवार से बेदखल कर सम्बन्ध बिच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कृत्यों, लेनदेन व मुकदमेबाजी आदि के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारे परिवार का कोई भी सदस्य उपरोक्त के किसी भी कृत्य के लिए किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।

मोहम्मद जुबैर पुत्र मल्लू
निवासी-मोहल्ला मस्तान
कस्बा रिछा, थाना देवरनियां
तहसील बहेड़ी, जिला बरेली

समाचार एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
मो. इरफान मुनीम जिला प्रभारी (बरेली)
मो0- 9456212547 8077380691
Email: irfanggnewslive@gmail.com

लूट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नोएडा। चोरी की बाइक पर सवार होकर राहगीरों का मोबाइल झपटने वाले शातिर बदमाश को सेक्टर 58 थाने की पुलिस ने मंगलवार को दबोच लिया। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल होने वाली दो मोटरसाइकिल, लूट और चोरी के 11 फोन व चाकू बरामद हुआ है। बदमाश के खिलाफ विभिन्न थानों में 26 केस दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी काफी समय से नोएडा और दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में मोबाइल छीनने की वारदातें कर रहा था। आरोपी की पहचान दिल्ली के मयूर विहार निवासी रिषभ दयाल के रूप में हुई है। 32 वर्षीय रिषभ ने पूछताछ के दौरान कई स्नैचिंग की घटनाओं में अपनी संलिप्तता कबूल की।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर सुनसान सड़कों या भीड़भाड़ वाले इलाकों में राह चलते लोगों को निशाना बनाता था। मौका मिलते ही वह लोगों के हाथ से मोबाइल फोन छीनकर फरार हो जाता था। आरोपी के कब्जे से बरामद आईफोन-16 को उसने दो दिन पहले सेक्टर-62 की मॉल रोड से एक व्यक्ति से छीना था। इस संबंध में सेक्टर-58 थाने में पहले से मुकदमा दर्ज था। इसके अलावा बरामद अन्य 10 मोबाइल फोन सेक्टर-62, सेक्टर-63, सेक्टर पांच, सेक्टर-24 और दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों से छीने गए बताए जा रहे हैं। पुलिस अब इन मोबाइल फोन के असली मालिकों की पहचान कर रही है। आरोपी कई बार जेल जा चुका है। आरोपी के खिलाफ सेक्टर-58, सेक्टर-24 और सेक्टर-20 थानों में मोबाइल स्नैचिंग, लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी एक आदतन अपराधी है और पहले भी कई बार जेल से छूटने के बाद फिर से अपराध करने लगा था। वारदात का विरोध करने पर लोगों को डराने के आरोपी अपने पास चाकू भी रखता था।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने दनकौर रेलवे स्टेशन के पास एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 515 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। उसे मंगलवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति गांजे की तस्करी कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और बताए गए स्थान पर दबिश देकर आरोपी को मौके से पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान अलीगढ़ निवासी रिंकू के रूप में हुई। उसने बताया कि वह पिछले कई महीनों से दनकौर रेलवे स्टेशन के पास किराए के मकान में रहकर यात्रियों को गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बेचता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है और उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

यूपी बोर्ड: 30 मिनट तक भी देर हुई तो परीक्षा केंद्र में मिल सकेगा प्रवेश

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा के दौरान देर से पहुंचने वाले छात्रों को केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा हॉल में बैठने की अनुमति दे सकते हैं। बोर्ड के अधिकारियों ने बैठक करके इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश जारी किया है। कहा है कि किसी प्रश्नपत्र के लिए अधिकतम आधा घंटा तक देर से पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा में बैठने की अनुमति दे सकेंगे। इससे ज्यादा देर वालों को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा उत्तर पुस्तिका पर मुद्रित क्रमांक को उपस्थिति पत्रक पर परीक्षार्थियों की ओर से अंकित किया जाना अनिवार्य है। इसे कक्ष निरीक्षक सुनिश्चित कराएंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक राज.ेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रश्नपत्रों की परीक्षा अवधि 3:15 घंटे निर्धारित है जिसमें से शुरू के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए हैं। दिव्यांग और दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों को परीक्षा के लिए निर्धारित अवधि के अतिरिक्त 20 मिनट प्रति घंटे के हिसाब से मिलेगा। इसके अलावा प्रत्येक परीक्षा केंद्रों में कम से कम 50 प्रतिशत स्टाफ बाह्य विद्यालयों से नियुक्त किए जाएंगे। स्ववित्तपोषित विद्यालयों में राजकीय और अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 50 प्रतिशत स्टाफ नियुक्त किए जाएंगे। रिजर्व सेट से संबंधित अलमारी लाक करने और आकस्मिक स्थिति में उसे खोलने की कार्यवाही माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव से निर्देश प्राप्त करने के बाद ही कराई जाएगी। उस समय केंद्र व्यवस्थापक, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और संबंधित थानाध्यक्ष या नामित इंस्पेक्टर की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

प्रत्येक कक्ष में दो कक्ष निरीक्षक अनिवार्य: हर परीक्षा कक्ष में दो कक्ष निरीक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य होगी। कक्ष निरीक्षकों के पास उनका परिचय पत्र, आधार कार्ड रहना व्यवस्थापक सुनिश्चित कराएंगे। सचल दल में महिला निरीक्षणकर्ता का होना अनिवार्य है। बालिका परीक्षार्थी वाले केंद्र पर सचल दल के पुरुष सदस्य तलाशी नहीं ले सकेंगे। सभी कक्ष निरीक्षकों के लिए फोटो युक्त परिचय पत्र अनिवार्य है।

शिकायतों के निवारण में नोएडा पुलिस पूरे प्रदेश में अव्वल

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। आईजीआरएस पोर्टल पर मिली जनशिकायतों के निवारण में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस बार जिले के 26 थाने की रैंक पहली रही। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जनवरी माह की मूल्यांकन रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई। आईजीआरएस टीम प्रभारी, सभी थाने के प्रभारी और ऑपरेटर को पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुरस्कृत करने की बात कही है। पुलिस कमिश्नर द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पत्रों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए हर महीने के प्रत्येक शुक्रवार को समीक्षा की जाती है, जिसके कारण कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर रैंकिंग में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। आईजीआरएस एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जिसको सरकार की तरफ से नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए स्थापित किया गया है। इस प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को एक आसान और प्रभावी माध्यम प्रदान करना है। इसके माध्यम से वे अपनी शिकायतें दर्ज कर सकें और उनका त्वरित समाधान प्राप्त कर सकें। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का कहना है कि इस प्रणाली के तहत गौतमबुद्धनगर का जनवरी माह में प्रथम रैंक पर आना एक बड़ी उपलब्धि है। यह नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान का प्रमाण है।

इन थानों की रैंक रही पहली: बीटा टू, इकोटेक थर्ड, सेक्टर-20, सेक्टर-63,जेवर, सूरजपुर, दनकौर, सेक्टर-142, सेक्टर-49, बादलपुर, दादरी, कासना, बिसरख, रबुपुरा, सेक्टर-113, फेज थर्ड, सेक्टर-39, फेज वन, सेक्टर-24, सेक्टर-126, इकोटेक वन, एक्सप्रेसवे, सेक्टर-58, फेज थर्ड और महिला थाना।

विला के लिए भूखंड देने के नाम पर ठगी

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। फेज-दो के सी ब्लॉक में रहने वाले एक अधिवक्ता ने बिल्डर समेत 11 लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। पीड़ित का आरोप है कि करीब छह वर्ष पूर्व आरोपियों ने विला के लिए भूखंड देने के नाम पर धोखाधड़ी की। पीड़ित सत्यनारायण द्विवेदी ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता हैं। मैसर्स जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड ने वर्ष 2002 में ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रींस के नाम से एक परियोजना शुरू की थी। विश्व स्तरीय टाउनशिप विकसित करने का वादा किया था। शिकायतकर्ता ने आरोपी कंपनी की विश्वसनीयता पर विश्वास करके नौ मार्च 2020 को स्पोर्ट्स विला खरीदा।

12 मार्च 2020 को आवंटन पत्र मिल गया। इसका भुगतान पीड़ित ने अपने घर से किया। 14 मार्च 2020 को शिकायतकर्ता के हक में सब लीज डीड पंजीकृत कराई गई। इसके बाद पीड़ित को भूखंड का कब्जा सौंपा गया। आरोप है कि सुनील शर्मा और मंजू शर्मा जेपी ग्रींस सोसाइटी के प्रमोटर और रिश्तेदार हैं। जबकि, दलजीत सिंह, संजीव शेखर, मुकेश चौपड़ा, केसी बत्रा, अश्वनी सिंह, शैलेंद्र नेगी, सीबी सिंह और विकास चौधरी कर्मचारी हैं। इसके बाद आरोपी उनके घर पर आए और बिल्डिंग प्लान दिखाते हुए संबंधित भूखंड पर निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए कहा। जैसे ही पीड़ित ने निर्माण प्रक्रिया शुरू की तो पता चला कि जो बिल्डिंग प्लान आरोपियों ने दिखाया था वह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की योजना में स्वीकृत ही नहीं है। इसके चलते पीड़ित को 46.82 लाख रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ। मजबूरीवश पीड़ित ने दोबारा भवन योजना तैयार कर प्राधिकरण से जनवरी 2024 में स्वीकृत कराया।

स्वीकृति प्राप्त करने के बाद जब पीड़ित ने भूखंड पर निर्माण कार्य शुरू कराया तो सुनील शर्मा और मंजू शर्मा ने उस पर अतिक्रमण कर लिया। इस संबंध में जब बिल्डर से शिकायत करने पहुंचे तो हेल्प डेस्क के अधिकारियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। आरोपियों ने कार्य रुकवाते हुए मिस्त्री और मजदूरों को बंधक भी बना लिया। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर बिल्डर समेत 11 के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

शाक-भाजी और पुष्प प्रदर्शनी में जिला कारागार अव्वल, आठ पुरस्कार मिले

नोएडा (शाह टाइम्स)। जनभवन लखनऊ में आयोजित शाक-भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में जिला कारागार गौतमबुद्ध नगर को पहला स्थान मिला।कारागार परिसर की 21.50 एकड़ कृषि भूमि में की गई शाक-भाजी और मशरूम की खेती को लेकर आठ पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कारागार अधीक्षक बृजेश कुमार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रतिष्ठित चल वैजयंत प्रदान की। वहीं, कारागार महा. निदेशक पीसी मीणा ने इसे सुधारात्मक प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि पद्धतियों, श्रम-कौशल विकास और बंदियों के पुनर्वास से जुड़े ऐसे प्रयास अन्य कारागारों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।

हाईवे पर घायल ड्राइवर की मदद कर रहे दो चालकों की मौत, ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

नोएडा (शाह टाइम्स)। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में मेरठ-दिल्ली हाईवे पर एक पिकअप और ट्रक की टक्कर के बाद बचाव में जुटे तीन ट्रक चालकों को तेज रफ्तार सब्जी ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में दो चालकों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार सोमवार की रात मेरठ से दिल्ली की ओर आने वाली बीच वाली लेन पर एक पिकअप (डीएल 1सीएएच1790) पीछे से ट्रक (एमपी 07 जीए 9111) से टकरा गई। टक्कर के बाद पिकअप चालक अमित वाहन में फंस गया। इसी दौरान तीन ट्रक चालक अपने-अपने वाहन सड़क किनारे रोककर उसे बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे।तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार सब्जी से लदे ट्रक (यूपी37एटी 6693) ने लापरवाही से तीनों चालकों को टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया।मृतकों की पहचान देवेंद्र (34), पुत्र कमलेश, निवासी ढकिया हमीद नगर, जिला शाहज. हांपुर (उप्र) और गोविंद चौहान (करीब 35), निवासी फददपुर ऐरावाला बास गांव, आजमगढ़ (उप्र) के रूप में हुई है। घायलों में वीरेंद्र (24), पुत्र अमर सिंह यादव, निवासी ग्राम भावरी थाना जैतीपुर जिला शाहजहांपुर, साहिल पुत्र अख्तर अली निवासी ग्राम जोहड़ी जिला बागपत और हरिओम (35), पुत्र नरेंद्र निवासी मंगोलपुरी दिल्ली शामिल हैं। तीनों का उपचार जारी है।

टैक्सी चालक ने उठाया खौफनाक कदम, चाकू से गला काटकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (शाह टाइम्स)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में शमशान घाट में हनुमानजी की प्रतिमा के सामने टैक्सी चालक ने चाकू से गले की नस काट कर आत्महत्या कर ली। चालक गांजा का नशा करने का आदी था। इसी लत के चलते कुछ साल पहले पत्नी उसे छोड़ कर चली गई थी। इसके बाद से वह मानसिक तनाव में रहता था। स्वजन ने आरोप से किसी आरोप से इनकार किया है। पुलिस ने घटना स्थल से घरेलू सब्जी काटने वाला चाकू बरामद किया है।

क्षेत्र के डेल्टा-दो स्थित शमशान घाट में स्थित हनुमानजी की प्रतिमा के सामने सोमवार सुबह लोगों ने युवक का खून से लथपथ शव पड़ा देख डायल 112 पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। युवक के गले की नस कटी मिली और हाथों में भी खून लगा मिला।आसपास के लोगों ने युवक की पहचान पड़ोस के साकीपुर गांव निवासी राहुल (30) पुत्र प्रीतम के रूप में हुई। घटना की जानकारी पर पिता समेत अन्य स्वजन पहुंचे। पिता ने बताया कि राहुल किराए पर टैक्सी चलाता था। वह गांजा के नशे का आदी था। पिछले चार दिन से वह टैक्सी चलाने नहीं गया था। नशे में कई बार पत्नी के जाने के कारण जान देने की बात बड़बड़ा रहा था। पूर्व में भी नशे में वह इसी तरह से बड़बड़ाया करता था। रविवार देर शाम बिना बताए घर से निकल गया था।

मानसिक तनाव में आत्महत्या का शक: पिता ने पत्नी के जाने के कारण मानसिक तनाव के चलते चाकू से गले की नस काट कर जान देने की आशंका जताई। मौके से बरामद चाकू उनके घर का ही होना बताया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया प्रथम दृष्टया चाकू से नस काट कर आत्महत्या करना प्रतीत हो रहा है। पता चला कि पत्नी करीब छह साल पहले नशे की लत के कारण ही उसे छोड़ कर चली गई थी। फारेंसिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित किए हैं। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण पता चलेगा।

अधिवक्ता का पैन और आधार दुरुपयोग कर जीएसटी इनपुट लेने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के एक अधिवक्ता के पैन और आधार कार्ड के दुरुपयोग कर जीएसटी इनपुट लेने का आरोप है। कोर्ट के आद.ेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। कस्बा सूरजपुर निवासी अधिवक्ता शकील अहमद ने बताया कि रिटर्न दाखिल कराने के दौरान पता चला कि उनके पैन कार्ड और आधार कार्ड से एक फर्म एम/एस शकील ट्रेडिंग कंपनी के नाम से 1 जुलाई 2017 को रजिर्स्टड हुआ है। वेबसाइट पर यह फर्म दरियाबाद, जनपद बाराबंकी स्थित है और उसका जीएसटी नंबर वर्तमान में सक्रिय है। उन्होंने कभी कोई जीएसटी नंबर नहीं लिया है। न ही किसी प्रकार की ट्रेडिंग फर्म संचालित की है। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी इनपुट क्रेडिट हासिल करने का प्रयास किया गया है।

किसान एकता महासंघ ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। मंगलवार को किसान एकता महासंघ ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक बाली सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के नाम ओएसडी मुकेश कुमार को दिया गया।

संगठन के जिला अध्यक्ष अरविंद सैकेटरी ने बताया कि किसान लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर प्राधिकरण के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा उनकी अनदेखी की जा रही है। इसी क्रम में महासंघ ने सात सूत्रीय मांग पत्र प्रस्तुत किया। ज्ञापन में प्रमुख मांग ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित भूमि के बदले किसानों को मिलने वाले छह प्रतिशत आवासीय भूखंडों का अब तक न दिया जाना था। बादलपुर, बिसरख, सुनपुरा, बिरोडा, बैदपुरा, रिठौड़ी और सिरसा सहित दर्जनों गांवों के किसानों को उनका हक नहीं मिला है। इसके साथ ही, बिना आबादी सर्वे के ग्रामीण आबादी में लगाए गए भूखंडों को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की गई। महासंघ ने भूमिहीन और खेतीहर मजदूरों को 100 वर्ग मीटर के आवासीय भूखंड देने की भी मांग की। पुरानी आबादियों का निस्तारण प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत कराने तथा लीज बैक व शिफ्टिंग से जुड़े लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने की मांग भी की गई। इसके अलावा, प्राधिकरण क्षेत्र की कंपनियों में स्थानीय किसानों के बच्चों को योग्यता के आधार पर रोजगार देने और शिक्षण संस्थानों में उनके लिए आरक्षण सुनिश्चित करने की बात कही गई।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आज जनपद गौतम बुद्ध नगर में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य इंटरनेट के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं सकारात्मक उपयोग के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जागरूक करना था।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, ऐसे में साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक रहें तथा आमजन को भी साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी प्रदान करें।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने अपने संबोधन में बच्चों में बढ़ते मोबा. इल एवं इंटरनेट उपयोग पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों का अत्यधिक समय मोबाइल और इंटरनेट पर व्यतीत होना एक गंभीर विषय बनता जा रहा है। अभिभावकों का दायित्व है कि वे बच्चों को अनावश्यक रूप से मोबाइल से दूर रखें तथा यदि शैक्षिक या अन्य आवश्यक कारणों से मोबाइल का उपयोग कराया जा रहा है तो उस पर निरंतर अभिभावक निगरानी (पैरेंटल मॉनिटरिंग) सुनिश्चित करें।

कार्यशाला में जनपद गौतम बुद्ध नगर के साइबर क्राइम इंचार्ज बलजीत व साइबर थाने के इंस्पेक्टर अनुज कुमार सैनी द्वारा इंटरनेट के उपयोग के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने व्हाट्सएप, फोन-पे, पेटीएम जैसे डिजिटल भुगतान माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, किसी भी प्रकार के अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी एवं व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने तथा प्ले स्टोर से किसी भी एप्लीकेशन को डाउनलोड करते समय उसकी प्रामाणिकता जांचने पर विशेष बल दिया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नोटिस सुनवाई केंद्र का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज जनपद भ्रमण के दौरान अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने मिलेनियम पब्लिक स्कूल, सेक्टर 119 नोएडा स्थित नोटिस सुनवाई केंद्र का निरीक्षण किया तथा पंचशील बालक इंटर कॉलेज, सेक्टर 91 नोएडा में विधानसभा 61-नोएडा, 62-दादरी एवं 63-जेवर के बीएलओ एवं सुप. रवाइजरों से संवाद स्थापित किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सर्वप्रथम मिलेनियम पब्लिक स्कूल स्थित नोटिस सुनवाई केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं, कार्यप्रणाली, शिकायत निस्तारण व्यवस्था एवं नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र पर उपस्थित नागरिकों एवं मतदाताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ में टॅ। व ।ठ। द्वारा उत्कृष्ट सहयोग करने पर प्रशंसा की, उनके द्वारा पूर्ण सहयोग जो किया जा रहा है उनसे वार्ता कर सुझाव भी लिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नोटिस सुनवाई केंद्रों पर आने वाले नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है और प्रशासन का दायित्व है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार के प्रयोग में कोई असुविधा न हो, साथ में उन्होंने लोकल स्तर पर जाकर लोकल स्तर पर कैम्प रखने के निर्देश दिए ताकि सभी के लिए सुविधाजनक रहें। इसी तर्ज पर जिले में 114 विशेष कैम्प आयोजित किए हैं बूथ व सोसाइटी स्तर पर ताकि नागरिकों को तकलीफ ना हो। साथ में सभी के सुविधा के लिए बीएलओ स्तर पर सुनवाई, विडोइकॉल पर वेरिफिकेशन व सॉफ्ट कॉपी पर आईडी चेक करने की पहल के बारे में जानकारी करी । निरीक्षण के उपरांत पंचशील बालक इंटर कॉलेज नोएडा में आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ एवं सुप. रवाइजरों से मतदाता सूची के अद्यतन कार्य, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थानांतरण एवं विलोपन से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बीएलओ एवं सुपरवाइजरों ने अपने अनुभव भी साझा किए व उनके काम की तारीफ की व प्रोत्साहन दिया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्य में विशेष सतर्कता बरतते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां जनसुनवाई केंद्रों पर फार्म 06 एवं मैपिंग कार्य के लिए अधिक संख्या में नागरिक आ रहे हैं, वहां जिला प्रशासन द्वारा आवश्यकतानुसार कैंप आयोजित कर कार्य सुग. मता से संपन्न कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जनपद में संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति, जनजागरूकता गतिविधियों तथा बीएलओ के माध्यम से किए जा रहे घर घर सत्यापन कार्यों की जानकारी दी।

ट्रक चालक की हत्या के दोषी को उम्रकैद

नोएडा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अदालत ने ट्रक चालक की हत्या के मामले में परचून दुकानदार हाथरस निवासी बंटी उर्फ दिनेश को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में आरोपी को एक वर्ष और तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। मामला 15 दिसंबर 2023 की रात का है। शिकायतकर्ता सीमा अपने पति पवन (27) और पुत्र प्रिंस के साथ संतोष नगर कॉलोनी तिलपता सूरजपुर में किराये के मकान में रहती थीं। वहीं आरोपी बंटी उर्फ दिनेश की दुकान और घर शिकायतकर्ता के घर के सामने स्थित था। अभियोजन पक्ष के अनुसार आरा.ेपी को अपनी पत्नी और मृतक पवन के बीच अवैध संबंध का संदेह था। घटना की रात आरोपी बंटी शिकायतकर्ता के घर आया और गाली-गलौज की।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर चलती कैंटर में आग लगी

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार दोपहर एक चलती कैंटर गाड़ी में भीषण आग लग गई। इस घटना में गाड़ी के ड्राइवर और हेल्पर ने कूदकर अपनी जान बचाई, जिससे कोई जनहा. नि नहीं हुई। आग लगने से कैंटर पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

यह घटना दनकौर कोतवाली क्षेत्र के पास हुई। जानकारी के अनुसार, कैंटर गाड़ी फरीदाबाद से ग्रेटर नोएडा की ओर आ रही थी। दनकौर निवासी गाड़ी मालिक संजय ने बताया कि उनका ड्राइवर एक कंपनी का सामान खाली करने के बाद हेल्पर के साथ वापस लौट रहा था। जैसे ही कैंटर दनकौर क्षेत्र के पास पहुंची, अचानक इंजन से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और तेजी से फैल गई। ड्राइवर को स्थिति का अंदाजा होने से पहले ही आग काफी बढ़ चुकी थी। हालात की गंभीरता को समझते हुए ड्राइवर और हेल्पर ने तुरंत चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह से कैंटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को सुचारू कराया। दनकौर कोतवाली पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस ने पुष्टि की है कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

भंगेल एलिवेटेड के नीचे बन रही रोड

ब्रिज कारपोरेशन बना रहा सड़क, 4.5 किमी पर खर्च हो रहे 35 करोड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। भंगेल एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे बनने वाली 4.5 किमी लंबी सड़क का काम शुरू कर दिया गया है। ये निर्माण ब्रिज कारपा. ेरेशन करवा रही है। निर्माण मार्च अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इससे एलिवेटेड के नीचे लगभग बंद हो चुके बाजार को नया जीवन मिलेगा।

हाल ही में प्राधिकरण में स्टेट ब्रिज कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के साथ एक बैठक की गई थी। जिसमें भंगेल एलिवेटेड निर्माण के एग्रीमेंट की जानकारी दी गई। इसके बाद ब्रिज कारपोरेशन ने इस रोड का निर्माण खुद करवाने के लिए कहा। रोड का निर्माण करीब 35 करोड़ में किया रहा है। इसे मार्च अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। भंगेल एलिवेटेड के नीचे सड़क बनने से भंगेल और सलारपुर के बाजार की रौनक बढ़ जाएगी। ये बाजार नोएडा के प्रमुख बाजारों में शामिल है। लेकिन विगत चार सालों से सड़क टूटी होने और एलिवेटेड निर्माण के चलते कारोबारी पलायन को मजबूर तक हो गए थे।

लूप के लिए जारी होंगे टेंडर: एलिवेटेड रोड पर चढ़ने और उतरने के लिए सेक्टर-49-107 चौराहे पर दोनों ओर दो-दो लूप बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर-37 से आकर सेवन एक्स सेक्टरों की ओर जाने के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। इसी तरह सेवन एक्स से फेज टू की ओर से सूर. जपुर की ओर जाने वालों के लिए लूप चढ़ाया जाएगा। इसके दूसरी तरफ सेक्टर-107 की ओर चढ़ने-उतरने के लिए लूप बनाए जाएंगे। इन लूप को बनाने के लिए अलग से टेंडर जारी किया जाएगा। इसे बनाने में करीब 45 करोड़ खर्च होंगे। इससे बनने के बाद एलिवेटेड रोड की वायबिलिटी काफी बढ़ जाएगी।

यीडा क्षेत्र में अतिक्रमण पर कार्रवाई करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

यमुना सिटी। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) की अधिसूचित भूमि पर अतिक्रमण समेत कई मुद्दों पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई। इसमें उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिसूचित क्षेत्र में जहां भी अतिक्रमण किया गया है, उसे ध्वस्त किया जाए। सीईओ आरके सिंह ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण करने वालों को नोटिस देने के साथ उसे हटाने की कार्रवाई निरंतर होनी चाहिए। कार्रवाई के नाम पर होने वाली खानापूर्ति को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने किसानों के सात प्रतिशत आबादी भूखंड के आवंटन के लिए भी तेजी से कार्रवाई के निर्देश दिए।

सीईओ ने कहा कि जिन किसानों को आरक्षण पत्र जारी हो चुके हैं, उनके भूखंडों का नियोजन व विकास जल्द से जल्द कर उनकी लीजडीड की जाए। बैठक में एसीईओ भूमि विभाग राजेश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे।

शाह टाइम्स

आपके लोकप्रिय अखबार दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन एवं समाचारों के लिए संपर्क करें।

प्रवेश सिंह दतानियां

जिला प्रभारी गौतमबुध नगर/खोड़ा

ए-37, सेक्टर-10, नोएडा, जनपद गौतमबुध नगर

9810967541, 8920145356

Email : parveshnoida@gmail.com

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

न्यायालय में वकील ने दरोगा को जड़े चांटे

चैम्बर में घुसकर दरोगा ने बचाई जान, दरोगा की तहरीर पर तीन के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। नगर स्थित मुंसिफी न्यायालय परिसर में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया। जब पुलिस के एक दरोगा पर अधिवक्ताओं के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा। घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए आरोपी दरोगा के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

पीड़ित अधिवक्ता मनीराम राणा के अनुसार, कोतवाली में तैनात संबंधित दरोगा उनसे पुरानी रंजिश रखते हैं। पूर्व में दरोगा के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र दायर किया गया था। जिससे खुन्नस खाकर दरोगा मंगलवार को न्यायालय परिसर में दाखिल हुए थे। आरोप है कि दरोगा

ने मनीराम के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की और मुकदमा वापस न लेने पर फर्जी केस में फंसाने की धमकी दी। बीच-बचाव करने आये वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि दरोगा ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की की और उन्हें जमीन पर घसीटा, जिससे उनके हाथों और घुटनों में चोटें आई हैं। अधिवक्ताओं का

डीजे बजाने को लेकर छह दिन पहले हुआ था विवाद

कहना है कि न्यायालय परिसर के भीतर इस तरह की घटना न्यायपालिका की गरिमा पर प्रहार है। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी और कोतवाल प्रेमपाल सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गये। प्रदर्शनकारी वकीलों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि दोषी दरोगा के खिलाफ तत्काल विधिक कार्यवाही नहीं की गई। तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। घटना को लेकर बार एसोसिएशन में गहरा रोष व्याप्त है। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया ने बताया दरोगा रामप्रकाश न्यायालय पीड़िता के बयान की अनुमति लेने के लिए गये। वहां पर मनीराम के व्यक्ति ने अपने दो साथियों के साथ दरोगा के साथ मारपीट की। उन्होंने बताया दरोगा ने चैंबर में घुसकर अपने आप को बचाया। पुलिस मौके पर पहुंचकर उन्हें वहां से निकाला। एएसपी अखिलेश भदौरिया ने बताया दरोगा के साथ मारपीट करने सरक. ारी काम में बांधा डालने आदि संबंधित धाराओं में कोतवाली हसनपुर में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। उन्होंने बताया 4 जनवरी को भी मनीराम नाम के व्यक्ति से डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ था। मनीराम से दरोगा से बहस हुई थी इसी को लेकर दरोगा पर हमला किया है।

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ व मारपीट

कोर्ट के आदेश पर पांच पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। जमीनी रंजिश में घर में घुसकर छेड़छाड़ व मारपीट करने के मामले में देहात थाना पुलिस ने महिला समेत पांच लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई के बाद पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

यह मामला अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा है। यहां एक किसान का परिवार रहता है। उनकी पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक गांव के रहने वाले कुछ लोगों ने उनकी खेती की जमीन पर कब्जा कर रखा है। जिसे लेकर रंजिश चल रही है। आरोप है कि बीती 16 जनवरी की शाम में वह घर में अकेली थीं। उसी दौरान आरोपी घर में घुस आए, मारपीट करते हुए धमकी देने लगे, विरोध किया तो दो आरोपियों ने छेड़छाड़ की, इतना ही बुरे इरादे से कपड़े फाड़ दिए। शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा होती देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने थाने में शिकायत की लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उन्होंने कोर्ट की शरण ली। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले में फरमान, फय्यूम, जाहिद, खैरुल निशा व फहीम के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। घटना की जांच की जा रही है, इसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बुर्के की आड़ में सूट चोरी करते तीन दबोची

दुकानदार की सतर्कता से पकड़ी गयीं तीन महिलाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। कंचन बाजार की भीड़भाड़ में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कुंदन वस्त्रालय पर चोरी की अनोखी वारदात सामने आई। दो महिलाएं बुर्का पहने और एक युवक ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुए। तीनों बड़े इत्मीनान से सूट देखने लगे। दुकानदार भी रोज की तरह उन्हें नए डिजाइन दिखाने में जुटा रहा, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि दुकान के अंदर ही चोरी की तैयारी चल रही है।

बताया गया कि सूट देखने के बहाने महिलाएं एक-एक कर कपड़ों को अपने बुर्के के अंदर छुपाती रहीं। कुछ ही देर में दर्जनों सूट गायब हो गए। जब तीनों बाहर निकलने लगे तो दुकानदार को कपड़ों की गिनती में गड़बड़ी लगी। शक होते ही उसने बिना देर किए उनका पीछा कर दिया। दुकानदार की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी दौड़ पड़े। कुछ दूरी पर स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को पकड़ लिया गया। बाजार में लोगों की भीड़ जमा हो गई और तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। व्यापारियों का कहना है कि इससे पहले भी बाजार में इस तरह की चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इस बार दुकानदार की सतर्कता से बड़ा नुकसान होने से बच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है। बाजार में घटना के बाद व्यापारियों ने सतर्कता बढ़ा दी है और दुकानों पर निगरानी रखने की बात कही जा रही है।

मंडी धनौरा। दुकान में चोरी की वारदात के बाद जमा लोगों की भीड़।

विवाहिता के उत्पीड़न में पति समेत पांच पर रिपोर्ट

शादी के पांच माह बाद आयी रिश्ते में दरार

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। शादी के पांच महीने बाद ही रिश्ते में दरार आ गई। ससुराल वालों ने विवाहिता को दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया। आखिर में मारपीट करके घर से बाहर निकाल दिया। मामले में पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बटवाल में स्व.माजिद का परिवार रहता है। उन्होंने अपनी बेटी अरीबा की शादी लगभग पांच महीने पूर्व मोहल्ला नल (नई बस्ती) के रहने वाले उवैस के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वालों ने अरीबा दहेज के लिए परेशान करने लगे। मायके से एसी, कार व अन्य महंगा सामान दिलाने का दबाव बनाते थे। विरोध करने पर मारपीट की जाती थी। आठ फरवरी को पति उवैस ने धक्के देकर घर से निकाल दिया और दूसरी शादी करने की धमकी दी। इससे पहले भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था जिसमें 25 नवंबर को महिला थाने में समझौता हुआ था। इस दौरान उवैस, अरीबा को अलग किराए के मकान में रखने की बात कह कर अपने साथ ले गया था लेकिन एक महीने किराए के मकान में रखने के बाद वह फिर से अपने घर ले गया। फिलहाल, विवाहिता पांच महीने की गर्भवती है। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि मामले में उवैस, फायजा, लायबा, आमिर व रजा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच पूरी होने के बाद मामले में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

दा प्रयास वर्ल्ड स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

वर्किंग मॉडल बनाकर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। दा प्रयास वर्ल्ड स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। बच्चों ने विज्ञान से संबंधित आइटम बनाकर देखने वालों को दंग कर दिया।

स्कूल के शिक्षित होनहार टीचरों के नेतृत्व में नन्हे मुन्ने बच्चों ने बहुत ही शानदार विज्ञान से संबंधित आइटम बनाकर उनका शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता दिखाते हुए वर्किंग मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये। सुरभि चांदनी माही ने चंद्रयान 3 बनाया। अरनाम राघव पुराण हिमांग ने सोलर सिस्टम बनाया। बच्चों ने स्मार्ट सिटी वेस्ट मैनेजमेंट और ऑटोमेटिक लाइट जैसे

वर्किंग मॉडल बनाकर सबको अपनी ओर आकर्षित कर दिया। वर्किंग मॉडल में बच्चों ने हाइड्रोलिक ब्रिज, वोल्केनो (ज्वालामुखी), पवन ऊर्जा टरबाइन और ड्रिप सिंचाई प्रणाली के कार्यत्मक मॉडल बनाये। अंतरिक्ष और तकनीकी चंद्रयान-3 और सोलर सिस्टम के मॉडल बच्चों की अंतरिक्ष में रुचि दिखा रहे थे। वेस्ट से बेस्ट में बच्चों ने कई मॉडल बेकार कार्डबोर्ड, बोतल, पाइप और लाइट का उपयोग करके तैयार किये थे। बच्चों ने किडनी की संरचना, हार्ट का वर्किंग मॉडल, ट्रैफिक लाइट और रिन्यूएबल एनर्जी और सौर ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किये। बच्चों ने विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी विज्ञानी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छोटे-छोटे होनहार बच्चे बनाये गये मॉडल एवं प्रोजेक्ट के बारे में अतिथियों को सफलतापूर्वक जानकारी दे रहे थे। जो इस बात का सबूत दे रहे थे कि बच्चे काफी हॉनर छात्र हैं। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक पुनीत चौहान मुकेश चौहान सौरभ गुप्ता राकेश कुमार आदित्य गुप्ता समेत बड़ी संख्या में अतिथि भी मौजूद थे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

गजरौला। शादी समारोह से लौटते समय बाइक सवार दो दोस्तों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव हाफिजपुर निवासी पुनीत उपाध्याय (27) व उसका दोस्त रविन्द्र बाइक द्वारा एक शादी समारोह से लौट रहे थे। रहमापुर मार्ग पर इनकी बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में पुनीत उपाध्याय व रविन्द्र घायल हो गए। 108 एंबुलैंस द्वारा घायलों को सीएचसी लाया गया, जहां पर चिकित्सक ने पुनीत उपाध्याय को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुँच गयी, वहीँ घटना की जानकारी मिलने पर परिजन भी सीएचसी पहुंच गए।

युवक को रास्ते में रोककर पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक के साथ दो व्यक्तियों ने मारपीट करके घायल कर दिया। युवक के चाचा ने आरोपितों के विरूद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव कांकाठेर निवासी जोगेन्द्र रास्ते में जा रहा था कि गांव के ही निवासी मोहित व राकेश ने उसे रोक लिया और उसके साथ गाली गलौच करते हुए लाठी डंडो से मारपीट की, और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल युवक के चाचा ओमप्रकाश ने दोनों आरोपितों के विरूद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कांवरियों की आस्था की परीक्षा ले रहीं जर्जर सड़कें

कंकर-पत्थरों पर चलकर जल लेने जाने को मजबूर

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है। हरिद्वार से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने-अपने गंतव्यों की ओर रवाना हैं। कई शहरों और कस्बों में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा हो रही है, जगह-जगह स्वागत द्वार, सेवा शिविर और सुरक्षा व्यवस्था की झलक दिख रही है। लेकिन मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र में शिवभक्ति का यह उत्सव बदहाल सड़कों की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है।

बदायूं-बिल्सी स्टेट हाईवे पर गांव पत्थर कुटी के पास स्थित

नौगांवा तिराहा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। सड़क जगह-जगह से टूट चुकी है और मार्ग कंकर-पत्थरों से भरा पड़ा है। इसी रास्ते से बड़ी संख्या में कांवड़िए, बाइक सवार और पैदल श्रद्धालु गुजर रहे हैं। हालत यह है कि लोगों को संभल-संभलकर चलना पड़ रहा है और जरा सी चूक हादसे का कारण बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजाना वाहन चालक और राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं। खासकर नौगांवा तिराहे पर मोड़ लेना बेहद खतरनाक हो गया है। इसके बावजूद न तो सड़क की मरम्मत कराई गई और न ही कंकर-पत्थर हटाने की कोई व्यवस्था की गई है। एक ओर प्रदेश के कई हिस्सों में शिवभक्तों का स्वागत फूलों की वर्षा से किया जा रहा है, वहीं मंडी धनौरा क्षेत्र में कांवड़िए कंकरों और पत्थरो से भरे मार्ग पर चलने को मजबूर हैं। आस्था के इस महापर्व से पहले प्रशासनिक लापरवाही खुलकर सामने आ रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो कांवड़ यात्रा और महा. शिवरात्रि के दौरान यह मार्ग हादसों का कारण बन सकता है।

बिना मान्यता के डिग्री जारी करने का आरोप

वैंक्टेश्वर विश्वविद्यालय एक बार फिर चर्चाओं में

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी एक बार फिर गंभीर आरोपों के चलते विवादों में घिर गई है। यूनिवर्सिटी पर बीएससी ऑप्टोमेट्री के छात्रों को बिना मान्यता वाले कोर्स की डिग्री जारी करने का आरोप लगा है। मामला उस समय उजागर हुआ जब एक छात्र का यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी में रजिस्ट्रेशन आवेदन खारिज कर दिया गया और डिग्री को अवैध बताया गया। इसके बाद पीड़ित छात्रों ने यूनिवर्सिटी पर धोखाधड़ी और करियर से खिलवाड़ करने के आरोप लगाए।

श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी एक बार फिर बड़े विवादों के घेरे में है। रजबपुर थाना क्षेत्र की इस यूनिवर्सिटी पर बीएससी ऑप्टोमेट्री के छात्रों को फर्जी डिग्री थमाने का गंभीर आरोप

लगा है। मामला तब खुला जब पीड़ित छात्र सुदर्शन कुमार ने यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया, जहां फैकल्टी ने डिग्री को अवैध बताते हुए रजिस्ट्रेशन से साफ इनकार कर दिया। जांच में सामने आया है कि यूनिवर्सिटी के पास इस कोर्स का कोई वैध पंजीकरण ही नहीं था। छात्रों का आरोप है कि उनसे डिग्री के नाम पर 10,300 रुपये वसूले गए और अब जाली दस्तावेज देकर उनके करियर से खिलवाड़ किया जा रहा है। न्याय की गुहार लगाने पहुंचे छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर बदतमीजी और धमकी देने का भी आरोप लगाया है। बदहवास छात्र और उनके परिजनों ने एसपी से मिलकर धोखाधड़ी के इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है।

वीसी ने आरोपों को बताया निराधार

अमरोहा। श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. राजीव त्यागी ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें निराधार और बेबुनियाद बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त है और यहां से जारी की गई डिग्रियां पूरी तरह वैध हैं। डॉ. त्यागी ने कहा कि इससे संबंधित समस्त जानक. ारी यूजीसी और यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है, जहां कोई भी व्यक्ति तथ्यों की पुष्टि कर सकता है।

दुष्कर्म के मामले में पुलिस पर फजी मुठभेड़ व बेगुनाह को झूंठे मुकदमे में फंसाने का लगाया आरोप

सैदनगली पुलिस के खिलाफ एसपी कार्यालय पर गरजे ग्रामीण

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। ग्रामीणों ने दुष्कर्म के मामले में पुलिस पर फर्जी मुठभेड़ दिखाने और बेगुनाह को झूठे मुकदमे में फंसाने का आरोप ग्रामीणों ने एसपी कार्यालय पर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में गजेंद्र के परिजन भी शामिल रहे, जिन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

मंगलवार को सैदनगली थाना क्षेत्र के एक गांव के ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्र होकर मुख्यालय पहुंचे। बीते दिनों मुरादाबाद से नानी के घर आई बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में जेल भेजे गए गजेंद्र के परिवार के लोग भी उनके साथ में थे। ग्रामीणों ने मुठभेड़ पर सवालिया निशान लगाया तथा पुलिस कार्यालय पर जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस ने मुठभेड़ फर्जी दिखाई है। गजेंद्र को बाइक चलानी नहीं आती है। दुष्कर्म के आरोप में गजेंद्र को पुलिस ने झूठा फंसाया है, इसकी जांच होनी चाहिए। पूरा गांव उनके पक्ष में है। आरोपी की पत्नी ने बताया कि पति दूसरे गांव की चक्की पर आटा खरीदने गए थे। गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी फोटो आया है। इसी को आधार मानते हुए पुलिस

उन्हें दोषी मान लिया। टांग में गोली मारी और बिना नंबर प्लेट बाइक व तमंचा और दो जिंदा कारतूस मुठभेड़ में बरामद दिखाकर जेल भेज दिया। कहना था कि पति के पास बाइक तो दूर की बात साइकिल तक नहीं हैं। उन्हें बाइक चलानी नहीं आती है। पुलिस वाले घर से बुलाकर ले गए थे बाद में मुठभेड़ में गिरफ्तारी दिखाकर जेल भेज दिया। आरोप लगाया कि 12 जनवरी को गांव के लोगों ने झूठा फंसाने की जानक. ारी होने पर भाकियू भीमराव आंबेडकर के अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में कलक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन दिया था। गजेंद्र सिंह के बेकसूर होने की बात को दबाने के लिए किसान नेता दिग्विजय भाटी और गांव के पांच लोगों के खिलाफ दुष्कर्म पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। जिससे कोई गजेंद्र सिंह की पैरवी नहीं कर पाए, इसके बाद से लोग डरे सहमे हुए हैं। देवेंद्र सिंह की पत्नी विमला देवी का आरोप है कि सीसीटीवी कैमरे के द्वारा पुलिस गजेंद्र को दोषी ठहरा सकती है तो पीड़िता की मां को धमकी देने के मामले की भी सीसीटीवी फुटेज चेक कराई जाएं। इसके अलावा गजेंद्र सिंह के मोबाइल की लोकेशन तड़के चार से आठ बजे तक और मुठभेड़ में शामिल पुलिस कर्मियों के मोबाइल की लोकेशन सात जनवरी की सुबह चार बजे तक, इसकी भी जांच होनी चाहिए। गजेंद्र और पीड़िता के डीएनए की जांच भी होनी जरूरी है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की जांच उच्च स्तरीय अधिकारी या किसी अन्य थाना पुलिस से कराने की मांग की।

डीएम ने दिये पेशकार के वेतन रोकने के निर्देश

लेखपाल-कानूनगो पर दिये विभागीय कार्रवाई के आदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। तहसील में सोमवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के औचक वार्षिक निरीक्षण से प्रशासनिक अमला सकते में आ गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने न्यायालय तहसीलदार, नायब तहसीलदार, उपजिलाधिकारी न्यायिक, संग्रह अनुभाग, नजारत अनुभाग और राजस्व निरीक्षक कार्यालय का बारीकी से निरीक्षण किया।

न्यायालय तहसीलदार में तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित धारा 34 व 67 के वादों में देरी पाए जाने पर पेशकार वरदान से स्पष्टीकरण तलब करते हुए गुणवत्ताप. रक निस्तारण तक वेतन आहरण पर रोक लगाने के आदेश दिए गए। इसी प्रकार उपजिलाधिकारी न्यायिक न्यायालय में धारा 116 व 24 के मामलों में देरी पर पेशकार धर्मेंद्र कुमार का भी वेतन रो. कने के निर्देश दिए गए। एक प्रकरण में समय से रिपोर्ट न लगाने पर लेखपाल राजीव पाल तथा दूसरे मामले में संबंधित राजस्व निरीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए। संग्रह अनुभाग में अमीनवार आरसी वसूली की स्थिति की समीक्षा की गई। खतौनी अंश निर्धारण व ई-परवाने की फीडिंग में लापरवाही मिलने पर कानूनगो धीरे सिंह को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार के निर्देश दिए गए। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व वादों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा व दायरे में सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता पर निपटाने के आदेश दिए गए। वहीं उपजिलाधिकारी न्यायालय में वादों के बेहतर निस्तारण पर पेशकार की प्रशंसा भी की गई। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, पुष्करनाथ चौधरी, तहसीलदार मूसा राम थारू , नायब तहसीलदार योगेश लोधी, राज्यपाल सिंहसहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पाक ने भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार का फैसला वापस लिया

● पाक सरकार ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए उन्होंने पाक टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति दी

लाहौर, वार्ता। पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले टी-20 विश्व कप ग्रुप मैच में उनकी टीम के बहिष्कार के फैसले को वापस ले लिया है। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, उन्होंने पाकिस्तान टीम को भारत के खिलाफ मैच खेलने की अनुमति दे दी है। पाकिस्तान सरकार के भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के फैसले को वापस लेने को लेकर पिछले कुछ दिनों में पीसीबी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच बैठकों का सिलसिला जारी था। आर्थिक नजरिए से यह इस विश्व कप का सबसे अधिक आर्थिक रूप से लाभकारी मैच है। सोमवार शाम को पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मैच पर फ़ैसला अगले 24-48 घंटों में आ सकता है। इससे कुछ मिनट पहले आईसीसी ने भी एक बयान जारी किया, जिसमें उसने बांग्लादेश के प्रति अपना रुख नरम अख्तियार करते हुए कहा कि बांग्लादेश टीम पर टी-20 विश्वकप के लिए भारत की यात्रा से इनकार करने पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा। इसके अलावा, उन्हें 2028-2031 चरण में एक अतिरिक्त आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार भी दिए गए।

आईसीसी के दखल से पाकिस्तान का भारत के साथ खेलना सुनिश्चित हुआ: राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेले जा रहे आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के हिस्सा लेने से जुड़े मसलों को सुलझाने में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की भूमिका की सराहना करते हुए इसे एक ख़ुद्दी कामयाबी और सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए फायदे का सौदा बताया। लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ आईसीसी के प्रतिनिधियों की बातचीत के नतीजे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्ला ने कहा कि क्रिकेट के खेल को प्राथमिकता देकर एक दोस्ताना हल निकाला गया है। शुक्ला ने कहा कि मैं आईसीसी के प्रतिनिधियों द्वारा शुरू की गई बातचीत का नतीजा देखकर बहुत खुश हूं, जो लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से बात करने गए थे। यह एक अच्छा हल है, एक दोस्ताना हल है जो क्रिकेट को प्राथमिकता और खेल को अहमियत देने के लिए निकाला गया है। उन्होंने पहल करने और सभी पार्टियों को कामयाबी से बातचीत की टेबल पर लाने के लिए आईसीसी की तारीफ करते हुए कहा कि यह पहल करने, इस मुद्दे को सुलझाने और क्रिकेट को फिर से सबसे आगे लाने के लिए आईसीसी को बहुत-बहुत बधाई। यह एक बड़ी कामयाबी है। उन्होंने कहा यह हम सभी के लिए अच्छी खबर है।

भारत-पाक मैच सुनिश्चित करने के लिए शहबाज को दिया धन्यवाद

कोलंबो, वार्ता। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने मंगलवार को आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व में हाई-वोल्टेज इंडिया-पाक मैच को सुनिश्चित करने के पाकिस्तान के फैसले का स्वागत करते पीएम शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में, दिसानायके ने टूर्नामेंट को जारी रखने की उनकी कोशिशों के लिए पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और दूसरी संबंधित अथॉरिटीज का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री शहबाज, आपका धन्यवाद कि आपने यह सुनिश्चित किया कि जिस खेल से हम सभी प्यार करते हैं, वह चलता रहे। ख़ुशी है कि कोलंबो में चल रहे टी-20 क्रिकेट विश्व कप में भारत और पाक का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा मैच तय समय पर होगा। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के को-होस्ट के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनकी कोशिशों के लिए धन्यवाद देता है।

खेल विशेष

लखनऊ प्रीमियर लीग में मिलेगी स्थानीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता

लखनऊ, वार्ता। बहुप्रतिक्षित लखनऊ प्रीमियर लीग अब उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुरूप आयोजित की जाएगी। नए प्रारूप के तहत प्रत्येक फ्रेंचाइजी की 20 सदस्यीय टीम में अधिकतम 18 खिलाड़ी लखनऊ के या लखनऊ में पंजीकृत होकर ट्रायल देने वाले होंगे, जबकि केवल दो खिलाड़ी बाहर के शामिल किए जा सकेंगे। लीग अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सात मार्च से शुरू होगी। बीबीडी बैडमिंटन अकादमी स्थित सीएएल मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सीएएल अध्यक्ष ने की। इस दौरान लीग कमिश्नर एसपी मिश्रा, सीएएल सचिव केएम खान समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। डॉ-सहगल ने बताया कि यूपीसीए द्वारा यूपीटी-20 लीग के लिए जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर ही एलपीएल का संचालन होगा और टीम चयन प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्व में हुई खिलाड़ियों की नीलामी के आधार पर गठित टीमों में संशोधन किया जाएगा। लखनऊ से बाहर के खिलाड़ियों में से प्रत्येक फ्रेंचाइजी केवल दो खिलाड़ियों को ही रख सकेगी। शेष स्थानों पर पूर्व सूची में शामिल स्थानीय खिलाड़ियों को अवसर दिया जाएगा। जो खिलाड़ी लखनऊ में पंजीकरण कर विभिन्न प्रतियोगिताओं के ट्रायल देते हैं, उन्हें स्थानीय माना जाएगा, जबकि स्थानीय खिलाड़ी यदि अन्य जिले से पंजीकृत हैं तो उन्हें लखनऊ का खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। एलपीएल की संचालन समिति और फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ बुधवार को बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में बैठक होगी, जिसमें नए प्रारूप की जानकारी दी जाएगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा द. अफ्रीका

अफगानिस्तान सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए मैच जीतना चाहेगा

अहमदाबाद, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के ग्रुप डी मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा। वहीं अफगानिस्तान सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए यह मैच जीतना चाहेगा।

दक्षिण अफ्रीका कनाडा पर बड़ी जीत के बाद अंक तालिका में अभी बेहतर नेट रन रेट के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। न्यूजीलैंड से हार के बाद स्टैंडिंग में चौथे नंबर पर मौजूद अफगानिस्तान के सेमीफाइनल की उम्मीदों को ज़िदा रखने के लिए जीतना ज़रूरी है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज जबरदस्त फॉर्म में हैं। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने पिछली तीन पारियों में 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 56 की एवरेज से रन बनाए हैं। कप्तान एडन मारक्रम भी शीर्ष पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स मध्यक्रम और डेथ ओवरों में फिनिशिंग क्षमता रखते हैं। कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को यानसन की पेस तिकड़ी दक्षिण अफ्रीकी टीम को मजबूती देती है, हालांकि रबाडा हाल के मैचों में काफी महंगे रहे हैं।

वहीं अफगानिस्तान अपनी स्पिन जोड़ी राशिद खान और मुजीब उर रहमान पर भरोसा करेगा ताकि दक्षिण अफ्रीका की आक्रामक बल्लेबाजी को रोका जा सके। मुजीब ने पिछले चार मैचों में 12 के स्ट्राइक रेट से आठ विकेट लिए हैं, जबकि राशिद बीच के ओवरों में अहम गेंदबाज बने हुए हैं। हालांकि, अफगानिस्तान की डेथ बॉलिंग को लेकर चिंता बनी हुई है, जिसकी वजह से हाल के मैचों में उन्हें ज़रूरी रन गंवाने पड़े हैं। अनुभवी टॉलराउंडर गुलबदीन नायब ने अफगानिस्तान के पिछले मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था। रहमानुल्लाह गुरबाज पर टॉप पर अच्छी शुरुआत देने का दबाव होगा।

नीदरलैंड ने नामीबिया को हराया

नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रना बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया

नई दिल्ली, वार्ता। बास डलीडे (दो विकेट और नाबाद 72) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने मंगलवार को टी-20 विश्वकप के 10वें मुकाबले में नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसका पहला विकेट तीसरे ओवर में मैक्स ओ'डाउड (सात) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए बास डलीडे ने माइकल लेविट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 30 रन जोड़े। छठें ओवर में बर्नार्ड शोल्ज ने माइकल लेविट को आउटकर नीदरलैंड्स को दूसरा झटका दिया। लेविट ने 15 गेंदों में तीन छक्के एक चौका लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली। कॉलिन एकरमैन (32) रन 14वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। बास डलीडे ने 48 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 72 रनों की पारी खेली। वहीं कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नौ गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 18 रन बनाए। नामीबिया के लिए बर्नार्ड शोल्ज, रुबेन ट्रम्पलमन और निकोल लॉफ्टी-ईटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां निकोल लॉफ्टी-ईटन (42) और यान फ्रायलिंक (30) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर नामीबिया ने नीदरलैंड्स के खिलाफ आठ विकेट पर 156 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में लॉरेन स्टीनकैंप (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए निकोल लॉफ्टी-ईटन ने यान फ्रायलिंक के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 10वें ओवर में लोगन वैन बीक ने 26 गेंदों में 30 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 13वें ओवर में बास डलीडे ने कप्तान एराड इरास्मस नौ गेंदों में 18 रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

आकृति दहिया ने निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली, वार्ता। भारत की आकृति दहिया ने मंगलवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की व्यक्तिगत 50मी राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। यहां डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में मुकाबला करते हुए, 24 साल की निशानेबाज ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग राउंड के बाद कुल 354-2 का स्कोर किया। कजाकिस्तान की सिर्फ 18 साल की सोफिया शुलजेन्को ने 358-2 के वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि दो बार की ओलंपियन भारत की अंजुम मौदगिल ने 340-4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। एक और भारतीय निशानेबाज, आशी चौकसे, पोडियम फिनिश से चूक गईं, कुल 330-9 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इससे पहले, मौदगिल, चौकसे और दहिया ने मिलकर टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 1756 (86) स्कोर किया। कजाकिस्तान 1760 (90) के साथ टीम स्टैंडिंग में टॉप पर रहा, जबकि जापान ने 1730 (69) के साथ कांस्य पदक जीता। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड में, विदरसा विनोद 590 (35) के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर रहे, लेकिन केवल रैंकिंग पॉइंट्स के लिए मुकाबला कर रहे थे। अंजुम 587 (30) के साथ तीसरे, आशी चौकसे 586 (32) के साथ पांचवें और आकृति दहिया 583 (24) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार 582 (20) के साथ नौवें स्थान पर रहीं, उन्होंने भी आरपीओ के लिए निशानेबाजी की। आज के जीते पदकों के साथ, चैंपियनशिप में भारत के मेडल की संख्या 18 हो गई है।

इंग्लैंड को चुनौती देने को तैयार विंडीज

● यह केवल एक मैच नहीं, बल्कि हेटमायर, शाई होप और रोवमैन पॉवेल के लिए दुनिया को यह याद दिलाने का मौका है कि विंडीज हमेशा क्रिकेट की धड़कन क्यों रही

मुंबई, वार्ता। वेस्टइंडीज की टीम बुधवार रात वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड की मजबूत टीम को चुनौती देने के लिए तैयार है। इंग्लैंड कागज पर भले ही पसंदीदा टीम हो, इस साल चार मैचों में हारा नहीं है और कैरिबियन पर इंग्लैंड की जीत का इतिहास रहा है, लेकिन टी-20 क्रिकेट में और खासकर जब वेस्टइंडीज अपने सबसे अच्छे फॉर्म में हो, तो कुछ भी हो सकता है। यह केवल एक मैच नहीं है, यह शिमरोन हेटमायर, शाई होप और रोवमैन पॉवेल के लिए दुनिया को यह याद दिलाने का मौका है कि वेस्टइंडीज हमेशा से क्रिकेट की धड़कन क्यों रही है। बल्लेबाजी की बात की जाए तो हेटमायर और शाई होप लगातार अच्छा खेल रहे हैं। शाई होप ने इस सीजन में दस पारियों में 264 रन बनाए हैं, और बड़े हिटर्स के आने से पहले शांति से पारी को आगे बढ़ा रहे हैं। रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड बीच के ओवर्स में जबरदस्त फॉर्म में हैं, जो कुछ ही गेंदों में मैच का पासा पलट सकते हैं और निचले क्रम में जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को कम मत समझिए। वे एक ही ओवर में जबरदस्त प्रदर्शन करके हार के मुंह से जीत छीन सकते हैं। वेस्टइंडीज की गेंदबाजी भी उतनी ही खतरनाक है। स्कॉटलैंड के खिलाफ शेफर्ड के पांच विकेट और होल्डर की आईपीएल में भारतीय विकेटों पर पक्की स्किल्स उन्हें असली खतरा बनाती हैं, जबकि स्पिनर अकील होसेन और गुडाकेश मोती ऐसी चालाकी और स्पिन लाते हैं जो इंग्लैंड के बड़े खिलाड़ियों को भी चकमा दे सकती है। कल रात की हर गेंद खतरनाक होगी। इंग्लैंड इस मैच में नेपाल को एक बहुत करीबी ओपनर में हराने के बाद उतरेगा। उनके बैटिंग लाइनअप में फिलिप सॉल्ट और जोस बटलर हैं। सॉल्ट के अटैकिंग स्ट्रोकप्ले और बटलर की किसी भी सिचुएशन में तेजी लाने की काबिलियत ने इंग्लैंड को लगातार तेज शुरुआत दी है, जिससे मध्यमक्रम को फायदा उठाने का मौका मिला है। जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक बीच के ओवरों में मजबूती देते हैं और अच्छा स्कोरिंग रेट बनाए रखते हैं, जिससे यह पक्का होता है कि इंग्लैंड कभी भी बढ़त न खोए। बेथेल ने पहले मैच में 35 गेंदों पर 55 रन बनाकर टॉप स्कोर किया था, जबरदस्त फॉर्म में हैं, और टाइमिंग और पावर को मिलाकर गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ब्रूक का निडर अप्रोच, जो अपने पिछले मैच में 165-62 की स्ट्राइक रेट से खेले, इंग्लैंड की अग्रेसिव सोच को पूरा करता है, जबकि टॉम बैंटन अपनी मज़ी से बाउंड्री पार करने की काबिलियत से एक्स्ट्रा फायरपावर देते हैं। सैम करन और विल जैक्स की आखिरी गेंद पर जोड़ी गहराई और तेजी लाती है, जो पहले से ही मुश्किल स्कोर को एक मुश्किल लक्ष्य में बदल सकती है।

आंध्र प्रदेश को हराकर बंगाल रणजी के सेमीफाइनल में

● बंगाल ने आंध्र प्रदेश को 90 रनों से हराकर 19वीं बार रणजी के सेमीफाइनल में जगह बनाई

कल्याणी, वार्ता। शाहबाज अहमद (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बंगाल ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश पर 90 रनों से जीत दर्ज करते हुए रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 19वीं बार जगह बना ली है।

बंगाल के लिए 299 रनों की पारी खेलने वाले सुदीप कुमार घरामी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। आज यहां आंध्र प्रदेश ने कल के तीन विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया। शाहबाज अहमद ने सुबह के सत्र में कप्तान रिकी भुई (30) को आउटकर बंगाल को चौथी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में सूरज सिंधु जायसवाल ने के वी शशिकांत को खाता खोलने का मौका भी नहीं दिया। सौरभ कुमार (एक) शाहबाज का शिकार बने। कालीडिंडी (25) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए त्रिपुराणा विजय ने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ आठवें विकेट के लिए 85 रन जोड़े और बंगाल के गेंदबाजों के परेशान रखा। 72वें ओवर में शाहबाज ने शतक की ओर बढ़ रहे नीतीश कुमार रेड्डी को अपनी ही गेंद पर आउट कर पवेलियन भेज दिया। नीतीश कुमार रेड्डी ने 144 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 90 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में सुमंता गुप्ता ने त्रिपुराणा विजय (46) को आउट कर 244 के स्कोर पर आंध्रप्रदेश की दूसरी पारी का अंत कर मुकाबला 90 रनों से अपने नाम कर लिया। बंगाल के लिए शाहबाज अहमद ने चार विकेट लिए। सूरज सिंधु जायसवाल को दो विकेट मिले। आकाश दीप, सुमंता और अनुस्तुप ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। आप्र ने पहली पारी में 295 रन का स्कोर बनाया था। बंगाल ने पहली पारी में 629 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

टी-20 विश्व कप के 11वें मैच में यूएई को 28 गेंदें शेष रहते बिना कोई विकेट गवाएं जीते कीवी

चेन्नई, वार्ता। टिम साइफर्ट (नाबाद 89) और फिन एलन (नाबाद 84) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 28 गेंदे शेष रहते 10 विकेट से रौंद दिया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने यूएई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 15-2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाये 175 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से अपने नाम कर लिया। टिम साइफर्ट ने 42 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद 89 रनों की पारी खेली।

फिन एलन और साइफर्ट के बीच 175 रनों की अविजित साझेदारी हुई। फिन एलन ने 50 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए नबाद 84 रन बनाये। इससे पहले कप्तान मुहम्मद वसीम (नाबाद 66) और आलीशान शराफु (55) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 173 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यूएई की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में आर्यंश शर्मा (आठ) का विकेट गंवा दिये।

इसके बाद मुहम्मद वसीम और आलीशान शराफु की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़े। 15वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने आल.शान शराफु को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। आलीशान शराफु ने 47 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। मयंक कुमार 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुये। इसके अलावा हर्षित कौशिक (दो), सोहैब खान (सात) और मुहम्मद इरफान (शून्य) पर आउट हुये। यूएई ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने दो विकेट लिए। जेकब डफी, लॉकी फर्ग्युसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 11 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

संसद में अविश्वास प्रस्ताव

यह देखना बेहद दुखद है कि सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच संसद में टकराव बढ़ता जा रहा है और अब यह टकराव लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला को पद से हटाने तक पहुंच गया है। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा। कांग्रेस सूत्रों की मानें, तो नोटिस लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि 1:15 मिनट पर उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। जबकि अविश्वास प्रस्ताव के लिए केवल 50 की जरूरत होती है। लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध नोटिस पर उसमें लगाए गए आरोपों की जांच होगी और नियमानुसार जांच के बाद इस नोटिस पर आगे की कार्रवाई को लेकर सचिवालय विचार करेगा। नोटिस में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला सदन की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं। सत्ता पक्ष के सदस्यों को सदन में पर्याप्त समय बोलने का दिया जाता है जबकि विपक्षों को बार-बार अनावश्यक रूप से रोका टोका जाता है। नोटिस में 2 फरवरी के दिन का भी जिक्र किया गया है, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। नोटिस में इस बात को उठाया गया है कि किस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री के न आने का कारण बताया गया था। तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर केसी वेणुगोपाल का है जबकि दूसरे पर द्रमुक टीआर बालू का और तीसरे नंबर पर समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव हैं। नोटिस की प्रतिक्रिया में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे पर सदन में नहीं आने की बात कही है। जहां विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष को उनकी कार्यप्रणाली को लेकर कटघरे में खड़ा कर रहा है, वहीं भाजपा उनके साथ पूरी तरह खड़ी दिखाई दे रही है। भाजपा सांसद संबिद पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है। यह आरोप-प्रत्यारोप तो चलते रहेंगे, लेकिन यह तो मानना ही पड़ेगा कि संसद का नजारा आजकल जिस तरह देखने में आता है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और हमारे लोकतंत्र को बुरी तरह प्रभावित करने वाला है। हमारे माननीयों को लगता है कि अब किसी बात की चिंता नहीं रह गई है और वह अपने हितों को ही सर्वोपरि मानकर आगे बढ़ रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो संसद सुचारू रूप से चले, इसका इंतजाम अब तक हो चुका होता। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सभी संसद न चलने को समान रूप से जिम्मेदार हैं, लेकिन यहां यह कहना जरूरी है कि संसद सुचारू रूप से चले इसकी सबसे जिम्मेदार सरकार की होती है।

किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा

खेती से जुड़ी हर चीज विदेश से आएगी, तो देश का किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा, ऐसी स्थिति में किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा और अपनी मेहनत की कमाई से परिवार कैसे चलाएगा, जब किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा, तो वह बच्चों की पढ़ाई, घर के बुजुर्गों का इलाज और बेटियों की शादी जैसे सामाजिक दायित्व कैसे निभा पाएगा, आज का पेट भरना मुश्किल होगा, तो कल के लिए बचत की उम्मीद करना बेमानी है, किसानों को नुकसान पहुंचाकर कोई भी सरकार लंबे समय तक देश नहीं चला सकती, सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह विदेशी ताकतों के सामने अन्नदाता के हितों का समर्पण क्यों कर रही है, कभी भूमि अधिग्रहण के नाम पर खेती छीनने की साजिश रची जाती है, कभी काले कानूनों के जरिए किसानों को संकट में धकेला जाता है। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

तोड़ डाले 1.5 लाख आशियाने और टियर्स टूरिज्म

पवन सिंह

एक घर था, पांव फैलाने लायक, कब्र जितनी जगह थी, 70 से 100 साल पुराना मोहल्ला कालोनी थी। मलिन ही सही। एक बस्ती, बसती थी। फिर हुकूमत बदली। अच्छे दिन आएी लोगों को तालियां बजाकर भजन गाने में लगा दिया गया। इसी बीच गिद्धों के साथ लोमड़ियों और भेड़ियों (नेता, लालफीता कौम व धन्नासेठों) की बैठकें हुईं। फिर न उनको इंसान दिखा, न आशियां दिखा और कुछ ही सालों में 1 लाख 50 हजार बस्तियां जमींदोज कर दी गईं। बेजान बुतों को विशालकाय आशियाना देने के नाम पर। इंसानी बस्तियों को नादिरशाही अंदाज में रौंद कर पार्क बनाने के नाम पर और कहीं किसी पूंजीपति के लिए आलीशान अट्टालिकाएं बनाने के नाम पर। बस्तियां टूटती रहीं, लोग बिलखते रहे, बच्चे अपनी बिखरी किताबों और टूटे स्कूल बैग को समेटते रहे, खाए-पिए-अभागे लोग उल्टा ठीकरा बस्तियों पर ही फोड़ते रहे और गुलाम मीडिया कातिल को ही रहनुमा व मुंसिफ बताता रहा। कुछ ही सालों में 7 लाख 40 हजार लोग खुले आसमां के तले आ गए।

हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क यानी की रिपोर्ट बताती है कि देश में वर्ष, 2022- 2023 के मध्य करीब 1 लाख 50 हजार बस्तियां तोड़ दी गईं। देखते-देखते 7 लाख 40 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि विध्वंस की 95 प्रतिशत यह कार्रवाई गोबर पट्टी राज्यों में हुई। बस एक नोटिस। न कोर्ट, न डेट्स, न जज, न वकील, न तकरीर। एक फरमान। बुल्डोजर और हथियार बंद सिपाही। अंग्रेजी हुकूमत में भी फांसी पर चढ़ने वालों को न्यायालय की दहलीज तक का सफर तय करने का मौका मिलता था, लेकिन उनके मुखबिरों ने यह सुविधा तक छीन ली। अतिक्रमण हटाने व तथाकथित विकास योजनाओं के नाम पर आशियाने उजाड़ दिए गए। लोगों ने रील्स बनाईं। विध्वंस इन्ज्वाय किया। गरीबों के आंसुओं का टियर्स टूरिज्म जैसा आनंद लिया और बात खत्म हुई।

लखनऊ से किस्सागोई करते हैं। एक था अकबर नगर। इसका नाम ही इसका काल बना। वरना जो अकबर नगर बस्ती मुख्य रूप से 1970 से बसनी शुरू हुई थी, उस वक्त लखनऊ विकास प्राधिकरण का गर्भकाल भी आरंभ नहीं हुआ था। लखनऊ विकास प्राधिकरण 1974 में बना और तब तक कुकरैल नदी के किनारे इस तथाकथित अवैध बस्ती का जन्म हो चुका था। बस्ती तथाकथित अवैध थी, लेकिन राशनकार्ड वैध थे। सांसद, विधायक निधि से अंदर बनाई गई नालियां व गलियां वैध थीं। बिजली के कनेक्शन वैध थे। हाऊस टैक्स वैध था और बिजली विभाग के खंभे वैध थे, लेकिन बस्ती अवैध थी। इस बस्ती में ग्रेड थर्ड और ग्रेड-टू के तथाकथित हिन्दुओं की, मुस्लिमों के साथ मिश्रित आबादी थी। आशियाने पर, नाम अकबर भारी पड़ गया और घरों पर पार्क तामीर करवा दिया गया। 1 हजार 800 घर मटियामेट कर दिए गए। लेकिन वहीं पंत नगर बख्श दिया गया। वैसे लोग कहते हैं नाम में क्या रखा है। तोड़ने ही थे आशियाने तो पहले गरीबों का बंदोबस्त कर देते। शहर से दूर ले जाकर कूड़े-कचरे की तरह फेंक दिए गए। कहने को कुछ लाख का आवास दे दिया गया, लेकिन वह भी मुफ्त नहीं। पैसा भरना होगा। बस्ती बसने क्यों दी। किसने बसाई। कौन जिम्मेदार है। बुल्डोजर ने कुछ नहीं देखा। त्वरित न्याय। इसके बाद लखनऊ के सैरपुर पलहरी गांव, मोहन रोड कलिया खेड़ा, अमौसी और काकोरी में विकास का बुलडोजर आया, बिजनौर, सोनई कंजेरा, कल्ली पश्चिम, और भरवारा सहित कई अन्य इलाकों में भी 12 से अधिक अवैध प्लॉटिंग पर बुलडोजर चल गया। सवाल वही कि इतना ईमानदार प्रशासन ने ऐसे प्लाटों व मकानों की रजिस्ट्री कैसे होने दी गई। राजस्व विभाग हर साल गरीब जनता की करोड़ों की स्टांप ड्यूटी कैसे चबा जाता है? रजिस्ट्री ही न होने पाए ऐसी गलती के लिए आम आदमी क्यों भुगते। खैर एक बड़ा तबका खुश हुआ, जिसे विध्वंस पर, लाशों पर, तबाही पर, नफरत पर, हत्याओं पर। खुश होने के लिए इतने सालों में तैयार किया गया था। लेकिन इस खुश तबके के घर और दुकानें भी अब जद में आ चुकी हैं, क्योंकि गिद्धों को नोचना आता है। अब गिद्धों-लोमडियों-भेड़ियों की तिकड़ी आप के घरों और दुकानों की ओर है। बनारस की दाल मंडी और अयोध्या का सौंदईकरण, मेरठ के बाजार और दिल्ली की बस्तियां। यहीं पर वसीम बरेलवी साहेब का शेर याद आता है-

जलते घर को देखने वालों फूस का छप्पर आपका है

आपके पीछे तेज हवा है आगे मुकद्दर आपका है।

उस के कत्ल पे मैं भी चुप था मेरा नम्बर अब आया।

मेरे कत्ल पे आप भी चुप है अगला नम्बर आपका है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने भी विगत तीन वर्षों में 5,000 से अधिक घर तोड़ डाले और एक विध्वंस की कालिख पर लिखा-अतिक्रमण व अवैध बैनर टांगा-विकास परियोजनाएं। बनारस में मंदिर, सुंदरीकरण व कॉरिडोर निर्माण काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, मणिकर्णिका घाट पुनर्विकास के दौरान कई प्राचीन छोटे मंदिर, चबूतरे और रिहायशी इमारतें वैसे ही उड़ा दी गईं जैसे गाजा में इजरायल ने उड़ा दीं हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018-2021 के बीच कॉरिडोर परियोजना के तहत 300 से पुराने मंदिर व घरों के भीतर बने मंदिर तक तोड़ दिए गए। मंदिर छोटे थे इसलिए उनके भीतर बने ईश्वर शायद Below Poverty Line के थे, इसलिए न रोक सके। अब मणिकर्णिका घाट का नंबर लग चुका है और प्रसिद्ध प्राचीन व्यापारिक दाल मंडी टूट रही है। अयोध्या में वर्ष, 2022-2024 के बीच कई पुराने मकानों, दुकानों और छोटे मंदिरों को तहस-नहस कर दिया गया। कभी समय मिले तो आस-पास के दुकानदारों व 100 स्क्वायर फीट के बचे घरों में रहने वालों से मुआवजे का सच पूछिएगा।

वह रो देगा। जो मुआवजा मिला उससे एक कमरा ही बन सकता था। तमाम वीडियो यूट्यूब पर हैं देखिए और अपनी भावना के हिसाब से द्रवित होइए या तालियां बजाइए, यह आपका अपना विवेकाधिकार है। एक रिपोर्ट के अनुसार करीब 4 हजार से अधिक दुकानें और घर नष्ट हुए। अयोध्या में राम पथ यानी नगर चौराहा से सहादतगंज बीच के निर्माण करीब 200 साल पुराने थे। उधर, गिद्धों-लोमड़ियों-भेड़ियों की नजर अब काशी द्वार के नाम पर बनारस के पिंडरा ब्लाक पर पड़ गई है। गिद्ध-लोमडियां-भेड़ियां मिलकर अब करीब 15 गांवों को पूरी तरह से खाली करा रहे हैं। इन गांव के सभी लोगों को हटाकर यहां होटल, रेस्तरां, रिजॉर्ट, विदेशों और देश के अन्य राज्यों से आने वालों के लिए ठहरने के अड्डे बनाए जाएंगे। रखो अपनी खसरा-खतौनी, रजिस्ट्री, पुश्तैनी जमीन। जो जूठन मुआवजे के नाम पर है रखो और चलते बनो। प्रभावित सभी गांव के लोग विगत कई महीनों से तहसील पिंडरा पर प्रदर्शन कर रहे थे पर गिद्ध-लोमडियां व भेड़िए सुनने को तैयार नहीं हैं। दिनांक 6 फरवरी, 2026 को चुनौली गांव में संयुक्त किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले एक सभा आयोजित की गई। लोगों ने खाने की व्यवस्था की लेकिन प्रशासन द्वारा खाने में मिट्टी, राख मिलाकर भोजन खराब कर दिया गया। कुछ गांव वालों के अनुसार जहर डाल दिया गया। ऐसा बताया गया और खबरें आईं। सभा वाले दिन की पूर्व रात्रि को पूरे गांव को पुलिस व सीआरपीएफ ने घेर लिया। चुनौती गांव, छावनी में बदल दिया गया। सुरक्षाबलों ने गांव में घुसकर लोगों के साथ बदतमीजी की, रात में सोए हुए लोगों के दरवाजे जबरिया खुलवाए, गुड़ बनाने वाली भट्टियां तोड़ दी गईं और महिलाओं व पुरुषों के साथ गाली-गलौज हुई। अगले दिन जब लोग सभा में जाने के लिए अपने घरों से निकले तो लाठीचार्ज कर दिया गया। सरकार पूंजीपतियों के लिए जमीन की दलाली पर उतर चुकी है। अभी बनारस में ही रहिए आगे का किस्सा पढ़िए- आईडीएच-कज्जाकपुरा, जिला- बनारस, यहां है नगर निगम का आदमपुर जोन का दफ्तर और यहीं है एक विशाल कूड़ाघर।

विशाल डंपिंग यार्ड। इसी कूड़ेघर के पीछे गन्दगी में सफाई कर्मचारियों की वह बस्ती थी जो शहर को साफ रखती थी। यहां 250 से अधिक हेला यानी दलित समुदाय के यह लोग रहते थे। किसी से कोई शिकायत नहीं। शहर को साफ करते और खुद नर्क में रहते थे। वाराणसी नगर निगम ने खुद इस बस्ती को 2005 में दया के आधार पर बसाया था और अब उसी नगर निगम ने इसे अवैध घोषित कर दिया है। बस्ती पर बेदखली का नोटिस चस्पा कर दिया गया और 17 जनवरी 2025 को बुलडोजर न्याय हो गया। तत्कालीन नगर आयुक्त पुष्पपति सक्सेना जी की मानवीय सोच को निपटा दिया गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मूलभूत विज्ञान की सबसे बड़ी भूमिका

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि मूलभूत विज्ञानों के इनपुट के बिना इन लक्ष्यों को पाना संभव नहीं है। खाद्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान मूलभूत विज्ञानों में अनुसंधानों की बदौलत ही प्राप्त हो सकेगा। यही नहीं मूलभूत विज्ञानों से पृथ्वी पर निवास कर रही लगभग आठ अरब जनसंख्या के विभिन्न अच्छे-बुरे प्रभावों को समझने और किसी-न-किसी तरीके से समाधान खोजने में सहायता मिलेगी।

कोरोना वायरस की सूक्ष्म, गहन और संपूर्ण संरचना को समझने और उससे फैली महामारी का सामना करने के लिए टीका बनाने में मूलभूत यानी बेसिक विज्ञान की अहम भूमिका रही है। महत्वाकांक्षी मानव जीनोम परियोजना को पूरा करने में बुनियादी विज्ञानों का बहुत बड़ा हाथ है। आज हम इंटरनेट पर जिस वर्ल्ड वाइड वेब का उपयोग कर रहे हैं। वह मूलभूत विज्ञान की ही देन है। दरअसल यूरोपीय प्रयोगशाला सर्न में बुनियादी भौतिकी प्रयोगों में वैश्विक सहयोग के दौरान इसका आविष्कार हुआ था। अंतरिक्ष जगत में मिली तमाम छोटी-बड़ी सफलताओं का आधार मूलभूत विज्ञानों में दीर्घकालीन अनुसंधान है। साल 2022 को निर्वहनीय विकास के लिए मूलभूत विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

इसके लिए चुनी गई थीम में जिन मुद्दों को सम्मिलित किया गया है, उनमें अंतर्राष्ट्रीय संवाद और शांति के लिए मूलभूत विज्ञानों की भूमिका, विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ाना, नवाचार और आर्थिक विकास, वैश्विक चुनौतियों का समाधान और शिक्षा तथा मानव विकास प्रमुख हैं। वर्ष 2022 इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स और इंटरनेशनल मैथेमेटिकल यूनियन (आएमयू) का शताब्दी वर्ष भी है। अत: IYBSSD के माध्यम से विज्ञान जगत में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विस्तार में एक और नया अध्याय जोड़ने में मदद मिलेगी। संस्था की वेबसाइट में बताया गया है कि कोई भी वैज्ञानिक संस्थान और विश्वविद्यालय IYBSSD-2022 के लिए गतिविधियां भेज सकता है। 2017 में माइकल स्पाइरो ने यूनेस्को द्वारा आयोजित वैज्ञानिक बोर्ड की बैठक में 2022 को

अंतर्राष्ट्रीय मूलभूत विज्ञान वर्ष के रूप में मनाने का विचार रखा था। उन्होंने बैठक में 2005-2015 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाए गए विज्ञान वर्षों का जिक्र करते हुए इस मुद्दे पर विचार मंथन और समीक्षा का विचार भी रखा था। हम लोग वर्ष 2005 में भौतिकी, 2008 में पृथ्वी ग्रह, 2009 में खगोल विज्ञान, 2011 में रसायन विज्ञान, 2014 में क्रिस्टलोग्रॉफी और वर्ष 2015 में प्रकाश एवं प्रकाश आधारित प्रौद्योगिकी थीम पर अंतर्राष्ट्रीय वर्ष मना चुके हैं। स्पाइरो ने बैठक में एक अहम विचार यह रखा था कि मूलभूत विज्ञानों के सभी विषयों के वैज्ञानिकों को एक साथ लाने की आवश्यकता है, ताकि वैज्ञानिकों के अनुसंधानों का उपयोग टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्यों को पूरा करने में किया जा सकेगा। स्पाइरो फ्रांस के विख्यात भौतिकीविद हैं और पार्टिकल फिजिक्स की सर्न प्रयोगशाला से जुड़े हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्रसंघ की आम सभा के 76 वें सत्र (2 दिसंबर 2021) में साल 2022 को IYBSSD-2022 के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी। घोषणा में कहा गया है कि मूलभूत विज्ञान की चिकित्सा, उद्योग, कृषि, जल संसाधन, ऊर्जा नियोजन, पर्यावरण, संचार और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान, ये चारों विषय मूलभूत विज्ञान के दायरे में आते हैं, जो प्राकृतिक और ब्रह्मांडीय घटनाओं की व्याख्या और गहन समझ बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं, इन्हीं विषयों की बदौलत प्राकृतिक संसाधनों के रूपांतरण में भी मदद मिली है। विज्ञान को मोटे तौर पर मूलभूत और प्रयुक्त विज्ञानों में बांटा गया है। मूलभूत विज्ञान की कोख से ही प्रयुक्त विज्ञान का उद्गम होता है। प्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान से प्रौद्योगिकी और नवाचारों का विस्तार हुआ है। समाज में प्रौद्योगिकी की चकाचौंध, वर्चस्व और विस्तार से मूलभूत विज्ञान की उपेक्षा हुई है। बीते दशकों में विश्वविद्यालयों में मूलभूत विज्ञान में विद्यार्थियों की दिलचस्पी घटी है। विज्ञान संस्थानों में समाज और बाजार की जरूरतों पर आधारित अनुसंधान पर जोर है। विश्व के अधिकांश देशों में सरकारों ने मूलभूत विज्ञानों में शोध-बजट में बढ़ोतरी को आवश्यक नहीं समझा है। इसके कारण हैं। पहला, मूलभूत विज्ञानों का समाज से सीधा सरोकार नहीं है। दूसरा, तत्काल लाभ नहीं मिलता। एक और कारण है कि इसकी बाजार को प्रतिस्पर्धी बनाने में भूमिका दिखाई नहीं देती। IYBSSD-2022 एक महत्वपूर्ण अवसर है, जब आर्थिक और राजनैतिक नेतृत्व और सभी देशों के नागरिकों को इस बात के लिए राजी करने का प्रयास किया जा रहा है कि पृथ्वी ग्रह का संतुलित, टिकाऊ और समावेशी विकास मूलभूत विज्ञानों में अनुसंधानों पर निर्भर है।

...स्रोत फीचर्स

गार्टर सांप दोस्तियां करते हैं

सांपों के बारे में प्राय: माना जाता है कि वे समूह में नहीं रहते वरन अकेले यहां-वहां सरसराते रहते हैं, लेकिन हाल ही में बिहेवियोरल इकॉलॉजी में प्रकाशित अध्ययन इस मान्यता का खंडन करता है और बताता है कि गार्टर सांप Thamnophis butleri समूह बनाते हैं। इस समूह में वे लोग शामिल होते हैं जिनके साथ उनकी मित्रता होती है या जिनका साहचर्य वे पसंद करते हैं। समूह की मुखिया कोई बुजुर्ग मादा होती है जो उस समूह के युवा सांपों का मार्गदर्शन करती है। आम लोगों के अलावा पारिस्थितिकी विज्ञानियों को भी काफी समय तक यही लगता था कि सांप असामाजिक और एकाकी जंतु होते हैं और केवल संभोग और शीतनिद्रा के समय ही साथ आते हैं।

वैज्ञानिकों ने उनके बिलों पर नजर रखी और उन्हें सड़क निर्माण से सुरक्षित रखने के लिए अन्यत्र स्थानांतरित किया। उन्होंने 250 हैक्टर में फैले अध्ययन क्षेत्र में सांपों को पकड़ा, उन पर पहचान चिन्ह लगाए और 3000 से अधिक सांपों पर 12 साल तक नजर रखी। सांप की पूरी उम्र लगभग इतनी ही होती है, लेकिन निगरानी का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि स्थानांतरण के बाद गार्टर सांप ठीक से फल-फूल रहे हैं या नहीं। हालिया अध्ययन में स्किनर इन वैज्ञानिकों के साथ जुड़े और 12 वर्षों में उनके द्वारा जुटाए गए डैटा से सांपों की सामाजिक संरचना या जुड़ाव समझने की कोशिश की। सामाजिक जुड़ाव उन्होंने मनुष्यों की नजर से ही देखा। उन्होंने प्रत्येक सांप को एक बिन्दु या नोड कहा और जब दो सांपों को एक ही दिन, एक ही स्थान पर देखा गया तो उन्होंने उन दो बिंदुओं को एक रेखा से जोड़ दिया, डाटा का निष्कर्ष है कि सांप स्वतंत्र रूप से और बेतरतीब ढंग से यहां-वहां भटकने की बजाय समूह बनाते हैं। इस समूह में वे सदस्य होते हैं जिनका साथ वे पसंद करते हैं और इस तरह के एक समूह में औसतन तीन से चार सांप होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में सदस्यों की संख्या 46 तक भी हो सकती है।

इसका एक कारण यह हो सकता है कि उन पर अध्ययन ही बहुत कम हुए हैं, क्योंकि वे बिलों में या छिपे हुए रहते हैं और उन्हें ढूंढना मुश्किल होता है, लेकिन वर्ष 2020 में, विल्फ्डि लॉरियर विश्वविद्यालय के व्यवहार पारिस्थितिकीविद मॉर्गन स्किनर और उनके दल ने प्रयोगशाला अध्ययनों में देखा कि कृत्रिम आवासों में रखे गए गार्टर सांप मित्र बनाते हैं, उनके ऐसे साथी होते हैं जिनका साहचर्य वे अन्य की तुलना में अधिक पसंद करते हैं। इसके पहले 2009 में, कनाडा के ओंटारियो परिवहन मंत्रालय ने गार्टर सांपों की सुरक्षा के लिए एक अध्ययन करवाया था। इसमें वैज्ञानिकों ने उनके बिलों पर नजर रखी और उन्हें सड़क निर्माण से सुरक्षित रखने के लिए अन्यत्र स्थानांतरित किया। उन्होंने 250 हैक्टर में फैले अध्ययन क्षेत्र में सांपों को पकड़ा, उन पर पहचान चिन्ह लगाए और 3000 से अधिक सांपों पर 12 साल तक नजर रखी। सांप की पूरी उम्र लगभग इतनी ही होती है, लेकिन निगरानी का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि स्थानांतरण के बाद गार्टर सांप ठीक से फल-फूल रहे हैं या नहीं। हालिया अध्ययन में स्किनर इन वैज्ञानिकों के साथ जुड़े और 12 वर्षों में उनके द्वारा जुटाए गए डैटा से सांपों की सामाजिक संरचना या जुड़ाव समझने की कोशिश की। सामाजिक जुड़ाव उन्होंने मनुष्यों की नजर से ही देखा। उन्होंने प्रत्येक सांप को एक बिन्दु या नोड कहा और जब दो सांपों को एक ही दिन, एक ही स्थान पर देखा गया तो उन्होंने उन दो बिंदुओं को एक रेखा से जोड़ दिया, डाटा का निष्कर्ष है कि सांप स्वतंत्र रूप से और बेतरतीब ढंग से यहां-वहां भटकने की बजाय समूह बनाते हैं। इस समूह में वे सदस्य होते हैं जिनका साथ वे पसंद करते हैं और इस तरह के एक समूह में औसतन तीन से चार सांप होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में सदस्यों की संख्या 46 तक भी हो सकती है। यह भी देखा गया कि मादा सांप नर की तुलना में अधिक मिलनसार होती हैं और सबसे अधिक बुजुर्ग मादा सांप दोस्तों के साथ दिखती हैं। इसके अलावा वे ही समूह की मुखिया भी होती हैं, और समूह के युवा सदस्य उनका अनुसरण करते हैं। यह भी देखा गया कि उम्र बढ़ने के साथ नर सांप अधिक असामाजिक होते जाते हैं। यह भी पता चला है कि सांप समान लिंग और हम-उम्र सांपों के साथ भी मेल-जोल रखते हैं।

यानी यह मेलजोल सिर्फ संभोग के उद्देश्य से नहीं होता। इसके अलावा, नर और मादा दोनों में ही यह देखा गया है कि जो भी सांप अधिक सामाजिक था वह अधिक स्वस्थ थाय लगता है कि दोस्तियां करने से उन्हें फायदा होता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि समूह में होने से शिकारियों से बचा जा सकता है, या भोजन और शीतनिद्रा के लिए अच्छे स्थान ढूंढने में मदद मिल सकती है। या यह भी हो सकता है कि दोस्तों के करीब घूमने से उन्हें गर्माहट मिलती हो। अब तक सांप-समाजों में मादाओं का महत्व उपेक्षित था। माना जाता है कि नर संभोग के लिए मादाओं की तलाश में रहते हैं, लेकिन मादाएं बच्चे पैदा करने के अलावा कुछ नहीं करतीं। अध्ययन इसे स्पष्ट रूप से गलत सिद्ध करता है, और बच्चों और युवा सांपों के मार्गदर्शन और सुरक्षा में मादाओं की भूमिका उजागर करता है। यह अध्ययन यह समझने कि दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है कि प्राकृतिक परिस्थितियों में सांपों का समूह कैसे बनता है। स्किनर का मत है कि यदि पारिस्थितिकीविद अपने पूर्व फील्ड नोट्स या अध्ययनों पर दोबारा गौर करेंगे तो सांपों पर ऐसे और भी अध्ययन संभव हो सकेंगे।

-स्रोत फीचर्स

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह के दौरान उनके साथ केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

मैक्सवेल का संसद की समिति के सवालों का जवाब देने से इन्कार

वाशिंगटन। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल ने सोमवार को हाउस कमेटी टॉन ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया है। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, मैक्सवेल टेक्सास की जेल में बंद है, जहां वह यौन तस्करी के लिए 20 साल की सजा काट रही है। जेल के ही बंद कमरे से वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए समिति के सामने पेश हुई थी। समिति के अध्यक्ष जेम्स कोमर ने कहा कि जैसा कि उम्मीद थी, मैक्सवेल ने पांचवें संशोधन (कानून) का सहारा लेते हुए चुप रहने के अपने अधिकार का उपयोग किया।

शबाना महमूद होंगी ब्रिटेन की पहली मुस्लिम पीएम!

कश्मीर मूल की हैं, अमेरिकी यौन अपराधी एपस्टीन फाइल्स विवाद से पीएम स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

लंदन। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इन्कार कर रहे हैं। इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है।

कश्मीरी मूल की शबाना महमूद पीओ. के के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी। दरअसल, ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद की वजह से पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ आफ स्टाफ मार्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा है। मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने

■ लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं

यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने भी माना है कि यह नियुक्ति गलत थी। अमेरिका में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ पीटर मंडेलसन। मंडेलसन पर आरोप है कि जेफ्री एपस्टीन को बच्चों के यौन शोषण के मामलों में सजा होने के बाद भी मंडेलसन उसके संपर्क में रहे और उसका समर्थन किया। लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि चुनौती देने वाले उम्मीदवार को पार्टी के संसदीय सदस्यों से कम से कम 20 प्रतिशत का समर्थन हासिल करना जरूरी है। यह नियम 2021 में पार्टी कान्फ्रेंस में बदलाव के बाद लागू हुआ था। पहले यह सीमा सिर्फ 10 प्रतिशत थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है ताकि कोई भी आसानी से लीडरशिप चुनौती न दे सके और पार्टी में स्थिरता बनी रहे। अभी लेबर पार्टी के कुल सांसदों की संख्या लगभग 404-405 के आसपास है, इसलिए किसी भी चुनौती को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम 81 लेबर सांसदों का लिखित समर्थन जुटाना पड़ता है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच होम मिनिल्टर शबाना महमूद को उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है। 45 साल की शबाना महमूद पहले न्याय मंत्री और लार्ड चांसलर रह चुकी हैं। बर्मिंघम में पाकिस्तानी माता-पिता के यहां जन्मी शबाना महमूद ने आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। वह पेशे से बैरिस्टर हैं। 2010 में रुशानारा अली और यास्मिन कुरैशी के साथ वह ब्रिटेन की पहली महिला मुस्लिम सांसदों में शामिल हुईं। लेबर पार्टी में वे कीर स्टार्मर की करीबी सहयोगी मानी जाती हैं और पार्टी के दक्षिणपंथी (राइट-विंग) गुट से जुड़ी हैं। वे इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों पर काफी सख्त रवैया रखती हैं और कहती हैं कि ब्रिटेन में रहना एक विशेषाधिकार है। 2010 में संसद पहुंचने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें पार्टी की अहम जिम्मेदारी दे दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने कब्जे में लिया वेनेज़ुएला से जुड़ा तेल का टैंकर

वॉशिंगटन। अमेरिका के सैनिक हिन्द महासागर में वेनेज़ुएला से जुड़े एक तेल टैंकर का रात भर पीछा करने के बाद उस पर चढ़ गए। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोमवार को यह जानकारी दी। हेगसेथ ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि रात भर, अमेरिकी सैन्य बल ने बिना किसी घटना के, 'मुआयने के अधिकार' के तहत समुद्री अवरोध को अंजाम दिया, एक्विला-2 पर चढ़ाई की। यह (जहाज़) भागा, और हमने उसका पीछा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने वेनेज़ुएला से आने-जाने वाले तेल के टैंकरों पर प्रतिबंध लगाया है और यह टैंकर उस प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहा था।

जापान में हिमपात के कारण 46 लोगों की मौत, 604 घायल

टोक्यो। जापान के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में भारी हिमपात के कारण 46 लोगों की मौत हो गई है और 604 लोग घायल हुए हैं। रूस की संवाद समिति स्पूतनिक के अनुसार, देश की अग्नि एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के आंकड़ों के विश्लेषण में यह जानकारी दी गई है। घायलों में से लगभग एक-तिहाई (193 लोग) गंभीर रूप से घायल हैं। मौतों की सबसे अधिक संख्या निगाटा प्रान्त में दर्ज की गई, जहां 17 लोगों की जान चली गई। जापान में 20 जनवरी से जारी हिमपात की ताजा लहर आठ फरवरी को टोक्यो पहुंची।

रूस के क्रास्नोडार भूकंप के तेज झटके

मास्को। रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यूरो-मेडिटेरेनियन भूकंप विज्ञान केंद्र (इएमएससी) ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार नोवोरोस्सिय्स्क के महापौर आंद्रेई क्रावचेंको ने मंगलवार को कहा कि भूकंप के झटके शहर से 30 किलोमीटर (18.6 मील) दूर महसूस किए गए और इससे शहर की अवसंरचना को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबावः लावरोव

कहाः अमेरिका एनर्जी सप्लाई कर कंट्रोल चाहता है, ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं। लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे ब्रिक्सदेशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अफ्रीका के देश भी अब सिर्फ कच्चा माल बेचने के बजाय अपने यहां इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता पर लावरोव ने कहा कि भारत जिन मुद्दों को आगे बढ़ा रहा है, वे आज की जरूरतों से जुड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, खाने और ऊर्जा की सुरक्षा, तकनीक और एआई जैसे विषय अहम हैं। उन्होंने बताया कि भारत फरवरी में एआई पर एक बड़ी बैठक करने वाला है, जिसमें रूस भी शामिल होगा। रूस का कहना है कि एआई को लेकर नियम ऐसे होने चाहिए, जिनमें हर देश की आजादी बनी रहे और कोई एक देश बाकी देशों पर हुक्म न चलाए। लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश अपनी पुरानी पकड़ छोड़ना नहीं चाहते। ट्रम्प सरकार के आने के बाद यह और साफ हो गया है कि अमेरिका ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी दुनिया पर कंट्रोल चाहता है और अपने मुकाबले वालों को रोकने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने बताया कि इन हालात का असर रूस के दूसरे देशों के साथ रिश्तों पर भी पड़ रहा है। रूस पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जा रही हैं। खुले समुद्र में रूसी जहाजों को रोका जा रहा है, जो अंतर्राष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। कुछ देशों को रूसी तेल और गैस खरीदने पर टैरिफ भी देना पड़ रहा है। लावरोव ने कहा कि रूस के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि देश सुरक्षित रहे और आगे बढ़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोप में कुछ नेता खुले तौर पर रूस के खिलाफ युद्ध की बात कर रहे हैं। रूस का कहना है कि उसकी सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि यूक्रेन की जमीन से उसे कोई खतरा न हो और क्रीमिया, डोनबास और नोवोरोसिया में रहने वाले रूसी और रूसी भाषा बोलने वाले लोगों की सुरक्षा उसकी जिम्मेदारी है। ब्रिक्स को लेकर लावरोव ने कहा कि इंडोनेशिया के जुड़ने से यह समूह और मजबूत हुआ है। रूस आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक और डब्ल्यूटीओ को खत्म नहीं करना चाहता, लेकिन चाहता है कि तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं को इन संस्थानों में उनका सही हक मिले। पश्चिमी देश इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी वजह से रूस और ब्रिक्स देश मिलकर नए रास्ते तलाश रहे हैं। इसमें अपनी-अपनी करेंसी में व्यापार करना, नए पेमेंट सिस्टम बनाना, निवेश के नए तरीके और अनाज के लिए अलग बाजार तैयार करना शामिल है। लावरोव ने साफ किया कि इसका मकसद किसी के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि खुद को एकतरफा दबाव से बचाना है।

■ अमेरिका भारत और दूसरे ब्रिक्स देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं: लावरोव

ईरान से जुड़े मुद्दे का शांतिपूर्ण हल जरूरीः लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि ईरान के आसपास के हालात को शांति से सुलझाया जाना चाहिए क्योंकि ताकत का इस्तेमाल करने से सिर्फ समस्याएं बढ़ेंगी। लावरोव ने मॉस्को में वल्दाई अंतर्राष्ट्रीय चर्चा क्लब के मौके पर हुए मध्य पूर्व सम्मेलन में कहा कि हम ईरान से जुड़ी कार्यवाही पर करीब से नज़र रख रहे हैं। हम ओमान सल्तनत की तरफ से की गई मध्यस्थता की कोशिशों का स्वागत करते हैं। बेशक, हम इस समझ से आगे बढ़ रहे हैं कि यहां शांतिपूर्ण समझौता होना चाहिए। ट्रम्प प्रशासन ने पश्चिमी एशिया में एक लड़ाकू विमान कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और कई युद्धपोत तैनात किए हैं। अमेरिका ने ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए मजबूर करने की कोशिश में उसे लगातार चेतावनी भी भेजी हैं। लावरोव ने कहा कि रूस ईरान के भविष्य को लेकर परेशान और चिंतित है, और वह ईरान एवं खाड़ी के अरब देशों के लिए सहयोग परिषद के बीच रिश्तों को पूरी तरह से सामान्य करने में दिलचस्पी रखता है। उनकी राय में, ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक रिश्तों की बहाली ने इसके लिए ज़रूरी शर्तें तैयार कर दी हैं।

ईयू-नाटो के बीच एकजुटता की कमजोरी को दर्शाती है ग्रीनलैंड की स्थितिः लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि ग्रीनलैंड के आसपास की स्थिति से उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय संघ (ईयू) के इर्द-गिर्द निर्मित एकजुटता, पारस्परिक सहायता और समझ की छवि की कमजोरी को उजागर हुआ है। रूसी प्रसारक एनटीवी को दिए साक्षात्कार में लावरोव ने कहा कि यूरोप बिखर गया है। ग्रीनलैंड ने दिखाया है कि नाटो और ईयू दोनों के इर्द-गिर्द निर्मित एकजुटता, पारस्परिक सहायता और समझ की छवि कितनी अस्थिर है। मुझे नहीं पता कि यूरोप क्या करेगा। ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बार-बार कहा है कि यह द्वीप अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए।

भारत और चीन ने संबंधों में सकारात्मक गति की समीक्षा

नई दिल्ली। भारत और चीन ने द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति की मंगलवार को यहां समीक्षा की तथा लोगों के बीच संपर्कों को बढ़ाने तथा संवेदनशील मुद्दों पर लचताओं का समाधान करते हुए इन्हें मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यहां भारत-चीन रणनीतिक संवाद के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। यह वार्ता विदेश सचिव विक्रम मिस्री और चीन के कार्यकारी विदेश उप मंत्री मा झाओश्यू के बीच हुई। यह बातचीत भारत की अध्यक्षता में आयोजित पहली ब्रिक्स शेरपा बैठक के इतर हुई। मा झाओश्यू ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लेने के लिए भारत यात्रा पर हैं। प्रवक्ता के अनुसार दोनों पक्षों ने वैश्विक एवं क्षेत्रीय परिस्थितियों तथा बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने भी अपनी पोस्ट में कहा कि चीनी मंत्री मा झाओश्यू ने पहली ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लिया। उन्होंने लिखा कि मा झाओश्यू ने उल्लेख किया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यापक ब्रिक्स सहयोग के उच्च-गुणवत्ता वाले विकास की महत्वपूर्ण अवधारणा तथा शांति, नवाचार, हरित विकास, न्याय और लोगों-से-लोगों के बीच घनिष्ठ संपर्क के लिए प्रतिबद्ध ब्रिक्स के निर्माण से संबंधित पांच सहयोगात्मक रूपरेखाएं प्रस्तुत की हैं। इनसे ब्रिक्स तंत्र के भविष्य के विकास की दिशा तय होती है।

गाजा में फिर गूंजे हवाई हमले, तीन की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में युद्धविराम के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। इजरायल के ताजा हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई है। अस्पताल सूत्रों ने मौतों की पुष्टि की है। सीजफायर लागू होने के बावजूद हमले और जवाबी कार्रवाई की घटनाएं जारी हैं।

इससे इलाके में शांति प्रक्रिया पर नए सवाल खड़े हो गए हैं और हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में हुए हमलों के बाद घायलों और मृतकों को शिफा अस्पताल लाया गया। अस्पताल प्रशासन ने तीन लोगों की मौत की जानकारी दी। इजरायली सेना ने कहा कि उसने रफाह शहर में अपने सैनिकों पर फायरिंग के जवाब में कार्रवाई की। सेना के मुताबिक यह युद्धविराम का उल्लंघन था और जवाब में सटीक निशानों पर हमला किया गया। करीब चार महीने पहले अमेरिका समर्थित युद्धविराम समझौता लागू हुआ था। यह समझौता हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को रोकने के लिए बनाया गया था। इस योजना को मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रस्तावित 20 सूत्रीय ढांचे पर आगे बढ़ाया गया था। समझौते के तहत बंधकों और कैदियों की अदला-बदली भी हुई। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर झड़पें और सैन्य कार्रवाई पूरी तरह नहीं रुकी। समझौते के शुरुआती चरण में हमास ने अपने पास मौजूद सभी जीवित बंधकों को रिहा किया।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले हिंदू कारोबारी की हत्या

ढाका। बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यापारी की हत्या की गई। सोमवार की रात यह घटना ऐसे समय में हुई, जब दो दिन बाद ही इस दक्षिण एशियाई देश में आम चुनाव के लिए मतदान होना है। घटना मेमेनसिंह जिले में हुई है। इसी जिले में पहले भी दीपू चंद्र दास नाम के एक हिंदू व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई थी। भीड़ ने उसे जीवित जला दिया था। अभी जिनकी हत्या की गई है, उनकी पहचान सुषेन चंद्र सरकार (62 वर्षीय) के रूप में हुई है। वह धान के व्यापारी थे और डाकिनकांडा गांव में रहते थे। उनकी दुकान 'भाई भाई एंटरप्राइज' बोगर बाजार के चौराहे पर थी। पुलिस के अनुसार, हत्या रात 11 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने सुषेन चंद्र सरकार पर तेज हथियार से हमला किया।

अमेरिका ने बांग्लादेश को दी बड़ी राहत

व्यापार समझौते के तहत टैरिफ घटकर हुआ 19 प्रतिशत, आरएमजी सेक्टर को फायदा

वाशिंगटन। अमेरिका और बंगलादेश के बीच एक पारस्परिक व्यापार समझौता हुआ है, जो बंगलादेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा और कुछ वस्त्र एवं परिधान उत्पादों पर छूट प्रदान करेगा और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ने बताया कि यह समझौता एक ऐसा तंत्र स्थापित करेगा जिसके तहत बंगलादेश के कुछ कपड़ों और परिधान एवं उत्पादों को शून्य पारस्परिक आयात शुल्क प्रदान किया जाएगा।

इसके तहत अमेरिकी मूल की सामग्रियों का उपयोग करके बनाए गए 'कुछ कपड़ा और परिधान उत्पादों के लिए भी छूट' दिया गया है। पात्रा आयात की मात्रा का निर्धारण बंगलादेश द्वारा उपयोग किए गए कपास और मानव निर्मित फाइबर के साथ-साथ अमेरिकी सामग्री के इस्तेमाल के आधार पर किया जाएगा। व्हाइट हाउस के बयान में बताया गया है कि बंगलादेश लगभग 3.5 अरब डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद करेगा, जिसमें गेहूं, सोया, कपास और मक्का शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 15 वर्षों में लगभग 15 अरब डॉलर ऊर्जा उत्पादों की भी खरीददारी बंगलादेश द्वारा की जाएगी। साथ ही इसमें अमेरिकी विमानों के खरीद का भी उल्लेख किया गया है। यह समझौता 2013 में हस्ताक्षरित अमेरिका-बांग्लादेश व्यापार और निवेश सहयोग मंच समझौते (टीआईसीएफए) पर आधारित है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक-दूसरे के बाजारों तक 'अभूतपूर्व पहुंच' के रूप में वर्णित किया है। अमेरिका और बंगलादेश ने कहा कि इस समझौते का उद्देश्य 'द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को गहरा करना' और दोनों देशों के निर्यातकों के लिए 'बाजार पहुंच का विस्तार करना' है। सौदे के तहत, बंगलादेश, अमेरिकी औद्योगिक और कृषि सामानों के लिए 'महत्वपूर्ण तरजीही बाजार पहुंच' प्रदान करेगा, जिसमें रसायन, चिकित्सा उपकरण, मशीनरी, मोटर वाहन और पुर्जे, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपकरण, ऊर्जा उत्पाद, सोयाबीन, डेयरी उत्पाद, गोमांस, पोल्ट्री, ट्री नट्स और फल शामिल हैं। दोनों देशों ने 'द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को प्रभावित करने वाली गैर-टैरिफ बाधाओं' को दूर करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें बंगलादेश, अमेरिकी वाहन सुरक्षा और उत्सर्जन मानकों को स्वीकार करने, चिकित्सा उपकरणों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) प्रमाणपत्रों को मान्यता देने और अमेरिकी पुनर्मानिर्मित वस्तुओं और पुर्जों पर प्रतिबंध हटाने के लिए सहमत हुआ है। बंगलादेश ने 'विश्वसनीय सीमाओं के पार डेटा के मुफ्त हस्तांतरण' की अनुमति देने और विश्व व्यापार संगठन में इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण पर सीमा शुल्क पर स्थाई रोक का समर्थन करने पर भी सहमति जताई है।

■ बंगलादेश लगभग 3.5 अरब डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद करेगा, जिसमें गेहूं, सोया, कपास और मक्का शामिल हैं

ओमान जाएंगे ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी लारीजानी

अमेरिका से टकराव के बीच अहम बैठक

दुबई। अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी।

इससे पहले ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच रहे हैं। यह दौरा ऐसे वक्त हो रहा है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है और ओमान लगातार मध्यस्था कर रहा है। इस बीच इजरायल ने भी ईरान को खुली चेतावनी दी है कि वह बिना अमेरिकी मदद के भी तेहरान पर हमला कर सकता है। बता दें कि इस हफ्ते इजरायली पीएम नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करने वाले हैं। इस बीच ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी के ओमान दौरे पर सबकी नजर हैं। दरअसल, ओमान ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान और वाशिंगटन के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत में मध्यस्था की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में ईरान की संसद के पूर्व अध्यक्ष और अब देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी और ओमान के सुल्तान हैथम से मुलाकात करेंगे। राजधानी मस्कट में अली लारीजानी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने वार्ता को अहम बताया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि लारीजानी क्या संदेश लेकर ओमान जा रहे हैं। बता दें कि ईरान और अमेरिका ने पिछले सप्ताह ओमान में परमाणु वार्ता की। रविवार को तेहरान में आयोजित शिखर सम्मेलन में राजनयिकों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संकेत दिया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करने की अपनी शर्त पर अडिग रहेगा। यह मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ विवाद का प्रमुख विषय है। इससे पहले तेहरान में एक प्रेस कान्फ्रेंस में ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने बताया था कि परमाणु वार्ता के अगले दौर की तारीख और स्थान ओमान के साथ विचार-विमर्श के बाद तय होगा।

■ राजधानी मस्कट में अली लारीजानी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे

ट्रम्प ने अमेरिका-कनाडा पुल के उद्घाटन को रोकने की धमकी दी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका और कनाडा को जोड़ने वाले एक पुल के उद्घाटन को तब तक रोकने की धमकी दी है, जब तक कि कनाडा को दी गई प्रत्येक वस्तु के बदले अमेरिका को 'पूर्ण मुआवजा' नहीं मिल जाता। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार गॉर्डी होवे अंतर्राष्ट्रीय पुल पूरा होने पर अमेरिका के मिशिगन राज्य के दक्षिणी डेट्रॉइट और कनाडा के ओंटारियो राज्य के विडसर शहर को जोड़ेगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कनाडा के प्रांत ओंटारियो को अमेरिका के राज्य मिशिगन से जोड़ने वाला 'गॉर्डी होवे अंतर्राष्ट्रीय पुल' को तब तक नहीं खोला जाएगा, जब तक कि कनाडा कि अमेरिका के साथ उस निष्पक्षता और सम्मान के साथ व्यवहार नहीं करता, जिसके हम हकदार हैं।